

## COLLECTION OF BENGALI PETITIONS, &c.,

MADE UNDLY THE ORDERS OF THE

#### GOVERNMENT OF INDIA,

FOR

HER MAJESTY'S CIVIL SERVICE COMMISSIONERS.



प्राप्ता प्रवेशिय भरत्य

CALCUTTA: OFFICE OF SUPERINTENDENT OF GOVERNMENT PRINTING. 1869.

# न् >

मश्मरिम छोयुङ जिला २८ शेर माहित्हेरे माद्द रवादत्ध

দ্রখান্ড বিষ্টুপুর রোভের কৃট্রীক छात् छ। इतिनाथ छात्वर निलम्न अह य डेंड खां छत्र भाका त्यता माठत् ३४-৩০/১৬ সালের কর্মের মালমসলা আ भाउ २० जुलाहे जातिस्थात् मासा वाखा अख उ कविया अध्यात् आस्म अना निल মেয়াদ ভাল্ড প্রতিদিবস ৫ টাকাব হিসা त जित्रामा इउगात आतम्म रुज्त र्टेटड भन् उरामा क्रार र्ट्याक्। ४मा वजान जाक्षकाम मल् निश्वे शुद्धन ना ভাব নিমিও যেসকল ইট প্রভত হই याछिल जामनद्य वशाद नगय हथि र्उयाय ये द्राष्ट्रित जल्ल रें याता या अश्राय आ उत्रासीन जान १२ द्वान रहेव

इंग्रे. श्रविष कविशा कर्याव आश्राम मिराउट्य। अद्धः मृत् भाना इरेराउ है हे जाना षिठीय श्रुत् इहेट होका পাইতে বিলয় হওয়ায় কর্মের সৈমি षः इन्हेड्ड किस २४-४८। ७७ माल्लर करमान हाल राजला २० जुलारे जान् মের মধ্যে বেলকুল কৃষ্ণে প্রস্তুত ক दिशा एउल्ड आएम ना मिल क ব্রিনা হও্যার হর্ম হও্যা অনা य। देवे भारा याउगार इस दारल এডৰসন্ম পাইৰ তাহাৰি মাল মসলা প্রস্তুত করিয়া দিব। ইতগকার হল এক্স কঠিন হ্কুম্ হওয়া সময়ের বৈন্তন্ত্রভান নহে। এবিধার দ্বন খাৰ কবিষা প্ৰাম্না যে মহুৰ ক लांत आक्षाम मा अप्रवासमा दे। কা দিতে ওঐ টাকার মেকদার মা

ল মমালা আক্রাম করিলে এমশরক ন্ট্রাকটের নিজিত টাকা আমাকে দে ওনপঞ্চে এবং ইট মারা ঘাওয়ার দং মেয়াদ রক্তি অর্থাত লেপটেম্বর মা হাতক দিতে আজ্ঞা হয়। প্রায়ত মা লেক নিবেদন ইতি সন ১৮৯৫। ১৮ জ্লাই

প্রথমনা না মঞুর। সাবেক হ কুম মত জ্ঞাল কর্ম করে। সন ১৮-১৫ সাল ২০ জ্লাই নং ২

ধর্মাবতার এবলপ্রজালেণ্ড্র আজানুব বা মোং লক্ষী প্রলের গুজ্র থাটের ইজারদার শ্রীরামচন্দ্র ঘোষের নিরাদন এই যে তাধিন উজ থাট শত ২০ দীসমূব ভারিনে ১৩ ৫০টাকায় ডা কিহাছিল জাহাতে ঐ থাটের যাজ

নেব বাস্তা মেবামত হওঘায় পাডি ও বলদ ইত্যাদি যাতা আজ্ঞর বসহাত इश्यायं नदः त्याः कमात्यायात् छभ ही त्मिकियों वे उक्त का व क्रेट व के श्रात श्री उ रुअशात - १वर् धमु मा मेमेव जल मकल ममरा मा भाग য় লোক জন স্থান দিয়া হাটিয়া পা त रहेशा याय जाशास्त्र भान अङ्गतित পক্ষে অনেক ব্যাহাত হও্যা ওকি ঞ্চিৎ কমি বন্দোবস্ত নাহইলে অধীন কোন মতে উক্ত ১৩৫০ টাকা সর্ব वाद कविष्ठ भारत्या देणभामि विव रत रकुत् नकाय पकाय आर्कीन षाता निविषिष इरेल गए ३३ क्वरब न जिंदिला अधीलन् नाता वह आ দেশে পর্ওয়ানা প্রচার হয় যে অধিন रङ्गाद शाकीतं इद्देश प्रुमार्गिक ध्रुम

হইবেক। অধীন উজ গাটেব ডিপ জিটেব ৩৩৭॥ টাকার মধ্যে ৩০০ টাকা আমানত কবিয়াচে বাকী পা টাকা এক হস্তাব মহা দাখিল কবি त्वक अवः अधीन अम् १८।२० मिनम পমান্ত হজুবে হাজিব আচে তাহাল असीत्व डेंड शांदेव वत्नावत्वव कान एकुम र्युनारे। अम् आर्मिन व्य ने शासेन किन्निश क्यी नत्मान्छ करिया मिल जाका रूय। जात् -शास्त्रे हें कानुयादि मार ठाम भगष ক্মবেস ১৫০ টাকা লোকসান হই য়াছে৷ ধর্মাবতাব আমি গবিব মনুথ लाकमाल्य मार्य मार्ग याहै। र्कुत् সুলোচর কার্ন নিবেদন কবিলাম প্রীয়ত মালিক নিবেদ্ন। ইতি সন ১৮ अ माल >> प्राप्ट

# 160

মগ্মহিম জেলা নদিয়ার ভ্রীমুগু মেজফুর সাত্রে বরাবরেণ্ড

দৰ্পান্ত গ্ৰীসবৰ্ষতক্ৰ গ্লদাৰ ও শ্ৰী कमराज्य ६३ श्राष्ट्रा शामान् दोलयात्व वेकायमात् निर्दानम अवे या डेअ हो। हाता तर राष्ट्रा डांडाइया गाडि इंडगिन भा ইতের্ এমতে গ্রামনা এক কেতা প लाशना अल्व इय एक भाषी देउभीन जे कोल डंग्डाहेड़ः घाइट ना भारत जारा रहेल अजना जामाय कविल शावि मरण्ड जक कालीय आस्रमा इडे বেক না নিবেদন ইতি সন ১২৭২ মাল >• જાજ<del>ી</del>ન

> প্রাকেশবচন্দ্র দঙ্গ র্থাজা গোদার টিলবারের ইঞ্জাবদাব

মহামহিম প্রীযুক্ত মাজিফ্রেট সাহেব জেলা যশোর বর্ণবরেঞ্চ

प्रभाश जीनकड़ी प्राक्षा मार्किन छत्रनिया, श्रे नसमी

নিবেদন এই পর্গনা মজকুরের অন্ত गेठ! उर्क शपनार प्राजनक म्र প চক্র সাহা ও তালক চক্র সাহার লা তি জনা মহেশচন্দ্র বদুও পিতাম্বর মে न नीलाम भविषा भाषिकमा छेउ कमा त डेच्हा जुलागुरम ऋद्यान उ प्रभित्स য় আচেন। পীতাম্ব মেনের অংশ এ कत्वत् त्मत्थत् नात्म क्या-कत्या लरे या उच्य म्थलीकात् जाछि। ये क्रम র মোতালকের রোবা জনিতে আম रा निक्क ও क्लाञ्मात्व्य भावा वाता ধান প্রস্তুত কবিয়া ঐ ধান স্পক্ষ इहेशार्छ। ठाहार जामामिलान जा

নি মথালেপ সর্সুনা সাকিনেব জোন कंध्रेव जाली अनकांड जाली अ नशा र आली ७ कामानमी ७ आर्कान डे सा उ मर्द्यकामी उ जाकाकामी काकि म कमर्की श्रकृष्ठि जान्माक २०१२ एक न এक জाট वर्भ इहेशा जान प्रपृक्ति उ लाठी मिर्ड र्फ्ट्राक्ड क्रिएड এবং সহরত করিতেতে যে আমাদি गत्क भारेत्व मान श्रीहे अभून अभम कवित्वक अ आमामिलाव ने देशावि र्क्रमल जन्तात किया नदेखकाजा श्रास्त्र आभवा कि आभामिलाव का उपाचान के उद्यादि र्यमल कांगेटिं আশক্তায় যাইতে পারিনা।তাহাতে আ মাদিগের সমূহ হানি হওয়ার সম্ভব হ ইয়াছে৷ একাবন প্রার্থিত পুলিস আছ লাব নামে এক কেতা পরোয়ানা প্রচা

র হয়, য়ে জমায়ঙ বন্তী লাতিয়াল এ

গার করিয়া গজুরে চালান করেন

এবং আমার নিকট প্রমান প্রহ্রের

আসামীগলের র্ফেয়াল জামীন ও

মুচলাকা লওয়ার পঞ্চে বিহিত

আদেশ প্রকাশ হয়। ইতি সন

১২ ৭৬ সাল ৪ বৈশাখ

নং ৫

खिनन गाम शाली जम् जातिश्र २ व्हिं स्वारि मन २৮ ७७। प्राए २৮ याच मम २२ १२ माल

মহিয়ার্শবেছ

'মিবেদন মাত্রীরা মিবাসী বারু প্রা ন নাম বায় চৌধুবীর তর্ফ জীরা মকাটী দিগর প্রামেব নায়েব ব্যু

मिन मूट्याभाष्ण्य रापित अज्ञञ् বি ভস্প বাসা বাটী দোসুতিনার याम्य प्रत्य राष्ट्री व र्क द्वारावि রাত্রে ডাকাতি হইয়া উহার নিজে র ও ঘাদবের বহুত্র মালামাল লুট যাওয়া মোকদ্মা তদ্তে ং कूद अ अधिय देम स्था करें माद रक अखना क्रमेख्र व्यम र्रे श माद क्रमीत अप्छिल त्युमि बक्कुर उमा जूठे याख्या ४२५० जा मा जिंका बालिव जिल्हा माश्रिल क्रमाल याम्य प्रत् य अल হার লওয়া গেল তাহাতে ৯ র্ফেক্র য়াবি তাবিথে বাতি মা প্রহর্বসম য় হলৈ ৩০।৪০ জন্য অভ্ৰমারী ডা কাইত লোক উহাব বাটীব প্র প िया डेशिंदिशक आजभामि की

मा श्रमक् कंटर्सन् लिथिड उमा निका र ७०% এक जाना हाका मूर्लार मालाभाज नुठे कित्रां लउरा ६ अक धामक विभाग हला कितात गाउँक ও অব্যূর, রাম্পতি দে ও মানিক ও নকিম ও আনন্দ ও উমেশ ও दिकुरेक कमा जिन्न अके विनित्त मा পারা ও অবয়রে চেনা আসামীগরে श्री जात उ जाश्यम् भाग उना मीव आर्थना ७ आव्र मालव मना न পाই एक पारिपार रहे रव, हेड्णी প্রকাশ হওনান্তে লুঠের আনামত দুষ্ট ও ঘটারাম প্রভৃতির মোকার लाय उप मून्ड श्ला ७ अकुन् श्वात् नक्षा क्वं वामीष्वयव प्रा নিত অকুব্ জাত থাকাব্ সাক্ষী সম্ভুচক্র চঞ্চরী ও কানাই সেমা

लियामा ७ प्तरी त्याश ७ शकीता म दि दिशव भवा अक्र मठाला जानिया त्युचानि घुत्था श्रिक्षा ख्रु लि भिया प्रथम ज्ञालका अ याप বেব এজাহার ও মালতালিকার र्कम ७ जामाद्राव्य मुन्ड शल ७ ও অকুর্ নক্সা ও জমীর চৌকী माख्व अद्वराद मर लाहदार्थ मे বেদিলাম। ভাগুর নাম প্রকাসিত আসামীগ্ৰেৰ বীতিমত থানা ত लामी कित्रिं अवृत रुया शिल পশ্চাৎ যেমভ প্রকাশ পাওয়া যায় निर्विषिव। निर्विष्म देखि मन ३৮-७७ ১০ কিব্ৰুমাৰী মোভাৱেক সন ১২৭২ ২৯ মাম। शु: भेरे ज्याकामसाय त्यां ठ >>> hd गिकात भाल नुवेभियादक्।

### নংগ্ৰ

#### स्थालामा

বাদী গোপাল মন্তলের নালিসী আ

মার নামীয় রাস্তা বন্দ করা বাবত

আক্রমণ প্রথাইতের নাম সম্মলিত

দ্ব প্রাস্ত

মহারহিম মহস্মা বসীরহাটের আয়ুত বারু ডেপুটী মাজিড্রেট-বাস বাহাদুর ব্যাবর্ড

प्रथान श्री आली मासूम मन ज नार नुम राजाश्रुर भाग कलिश्रा नियमन निक माकी त्यं ला भाल

মন্তৰা বাদী আমাব নামে সাধাৰ নেৰ ৰাস্তা বন্দ কৰা বাৰত যে মি মাস মোকদ্মা খুকুরে দাত্র ক वियारक् उन्हान् जामल वृज्ञा अहे ল আমি ওনবাড়া পুরের নেবা বেওয়ার নামেরাজ জমির মধেস বে এয়া মজকু বে্ব ও দ্ববাৰ কা হিকবেৰ বাটাৰ পশ্চিম আন্দাজ ॥४,५० काणे क्यी द्वश्य मज़कू द्व निकरे जापं 018 वर भव इ इंड आड़े। क्रिया क्षेत्रा के वाषीत भूवर्व छउत् पिया नाश्वात्वात् लग মনুধ্ গমনাগমনের রাস্তা হব বা টী প্রস্তুত করত রাজন্ব আদায় ক বত বসবাস কবিয়া আমিতেছি ভাহাতে কেহ কথন কোন আ পর করে নাই। তবে আমাব মু

নিব বেওয়া মজনবের সহিত বাদী प्रकल्दिव प्रतिव हाँम प्रस्क्ष्यं भ হিত জন্ম জনি লইম্ ননাজৰ হ ওয়ায় তদালোলে আমি বেওয়া ম जऋरवव अका विभाय नामी जज अव जाभाक कानकला छें छ টা হইতে নৈবাশ কর্ন মানলে नाना विध ज्ञानुभागत् स्माकम् भा उनिष्ठ करियाक। आधि वाँ ব কমিত বাস্তা বন্দ ক্রিমাই। জ তএব ছানি নাম সম্বলিত বিদ্য বের প্রামনায় দবংশাভ দাখিল ক বিলাম, ধর্মাবতার মালিক নিবেদ न इंडि ३५७७) २० जुलाई

পঞ্চাইতের নাম জীওকি না মোন্দকার সাং মূলতান পূর্
নাজক মন্তল

সাং ইতিগনতি

হবিক মন্তল

বাস্থার মন্তল

২ সাং গুনবাড়াপুর

ল্কুম

মাতে বিতরি প্রামে কে ২ ভদ্রনাক সাতে তাহা এ পশ্ধ তাবগত নহে ন মতে থকুম কলিপার দাবোগ জ নেখা যায় যে ল বিতার ও গোবিদ পূর প্রামে ভদ্র এবং ধার্মিক অপ শ্ব পাতি লোক কে আছে তাহা দিগের ৩।৪ জনার নাম নিখিয়া পাঠায় ইতি তাং সন ১৮ ৬৩ সাল ২০ জুলাই।

# ञामाजी श्रामीर्फ मधा मार प्राज्यारे उत्रंक मिष्मश्र् নেথ কাদীর माः के के व छाम जाना তালুক সেখা कालंगमी अभ मार् राल्या भी সেম জ্মাদাব মাৎ মাজ্বাট ও মিকেশ্ব ७ जना नार्की

নেক দানেশত লেক মনি বউদীন কালু সেখাত সাং মাজবাট ওঃ সেখা মগলত সিদেশ্ব ৪ জুনা

## থক্ম

তালাব গ্রহাজীব। গ্রুম। দি বেখার থাকে। ইতি সন ১৮৬৫ সাল তারিথা ৫ জুলাই

## न ११

মহামহিম শ্রীযুক জেলা ২৪ প্রগ্নার মাজিটেট সাহের ব্রাবরেড

দ্বথাস্ত

भागा आही शृद्ध अलाका वा लिया श्रद्धांना निकिनी श्रूद आ कित्नद शिमात्रहीं प्र शास्त्रदे आ त्राद निद्धान अहं य बाख्या भ्रद्धांना दाब्रभूद माकित्वद डिरिक्ने नाथ पाल्यद नाथा हेडि श्रुद्ध हिंड प्रांत प्रांत

ব আমাব বসত মৌকসী वलिया आखगाइ इंडिंगि कारी তে উদাত হওয়ায় আমি তিছি ষয়ের পুজুরে নালিস করায় उरामिलाव किकियाण जलव হওযায় সেই আগ্রেজে আসা মী বৈকুল দানের প্রুমে গত ३৮ आश्राष्ट (वला जानमाज श ৪ গ্রন্থার নাম্য নীচের নিঞ্জিত আসামিয়ান তপসীলেব লিখি उ बालाबाल लुठे उका करि যা লইমা গিয়াছে, অভএব প্রা र्थना य नित्स्त लिभिङ जामाप्री সাঠা তলৰ কৰিয়া বিচাৰ ক वित्र आद्धा इयं नित्रमन। इठि मन >२ १२ माल जाविश्र १३ आभाष

<u>आप्राची</u> मार्की प्रभः देवदानेना शामा जीयजम्बुरे जायावश्य गीरा द्यानाच पात्र । वाभवमात्र मात्र व्यानाच्य श्रक्तकाथ पात्र वनमानीपलुरे अनुम्भूम के मार्ताम श्रुत की माख्या अमहाम म्लुरे ३ के दिल्लाम प्रामा अका मण्डल मन्त्रम् अ डिक्रन ऑहा अंग्रिंगम मस्त के के लीव खवाली अवस्थानाह अन्तरी वे माश्निकिनीशृत भारालिया তপনীল জিনিস তপদীল निडित्तव बाँगेरेंग कामान् लनाम रंगे कॅाजान भारत हैंगा भाग्यस्य कर्ना प्रेषे आग्राय गाँ**ष**ि रेषे কাসাব বাটি তটা কোদান -रंभमा

श्रीमात् श्री येष मावल ज्ञीय श्रीमात् श्री येष मावल ज्ञीय जिल्छा । श्री क्षीय ज्ञीय ज्ञिय ज्ञीय ज्ञीय ज्ञीय ज्ञीय ज्ञिय ज्ञीय ज्ञीय ज्ञीय ज्ञीय

#### न१ ७

মহামহিম শ্রীয়ুত জেলা ২৪ পী: মাজিপ্রেট সাহেব বর্ণবরেঞ্চ

प्रभाख भाना आही भूरव्य এলাকা মাণ্ডবা পী: মাজবাট ওঃ মিসেশ্র মাকিনের ভ্রীপ্রএদ মেক আমার নিরেদন এই রে গতা टेकां के बाहाद अक द्वाक वाकि भा केरा जामधी ठाँम माना ७ छ। লক সেক আমার নিকট ইইতে जन अपिटितक विलिया कार् जीका লইয়া এ পথাত বিভ্নতে খাটিয়া प्रमा नार्टे जाहार आधि एका अड ात प्राकारं लाक पिषि विलया াত্ত টালীৰ দাবা না দেওয়ায় অ দ্<mark>ঠ প্রাত্তে আসামীয়ানের বাটীতে</mark>

যাইয়া অদঃ জন দিতে হইবেক ব लाग्र पुष्टे এक कथात्र वन्ना कविया ভাসামীয়ান রাগান্তিত পুর্বক আ সামা হাদির্ফ সেথের প্রকুমে নিম্নের निश्चिष्ठ ज्यामाघीयाच ज्याचारक भाभ ंड कविया कील, इंड, लाशी जारि बादा भाव शिंह कविशास्त्र अवर आमाघी हाँ प्राचा आचार भा ছায় একটা বাঁশেব লাঠীব দাবা মারিয়া দাগ জ্বাম কবিয়াছে। অত এব প্রার্থমা যে আসামী ও সাইন उलव कविया विष्ठाव आद्धा रूय ইতি সন ১৮ ৬৫ মাল ভাবিথা ८ जुलाई

নংম

মহামহিন্ন শ্রীমুক্ত জেলা ২৪ টিও পর্গনার মাজিম্টেট সাহেব দি. বরাবরেড় দি

**म्बश्रा**ख

জীবাজু ধড় সাং খিদির পূর্ব পদ পুকুর আমার নিবেদ্ন এই যে আমি দাকিন মজকুরের জ্রীনবী न ठउ ज्ञूल्याभाषश्य िक्शद्द नाष भाव भीषे श्वशापि वाबुद्ध नक ও আমাৰ উপস্থা গ্ৰা বেও য়াকে মার্পীট পূব্বক প্রথমত কয়েদ, পরে তাহাকে ওম করা वातूमी षिठीय अक मालीम क्वा य डेड्य त्माकम्मा भूलिम उप्ड काद्रम भागा भिष्ठि भुख्त् मूभ বেন্টাড় সাহেবের নিকট ক্মর

मा ३४-। ३२ मिम शह्य शह्यायाना याउँ याय जिनि रातुनाम जमामाल व शक्ता कताय अठक देनिश्रेलर क्रिया जमामान जाश्व किछ्मान তদন্ত করেন নাই। অতএব দর্থা अ कविया आर्थित व रूकून रहेल এক কেতা তাকিদ পরোয়ানা যায় य मुश्राविकेंगे माद्व स्रय जामा र जे साक्षमा मळात् उपड क রিয়া ধুজুরে প্রার্থনা করেন স্ত্রীয়ুত मालिक निद्यम्य देखि भग २५-७०-সাল তারিখা ২৩ নবেঘ্র

গ্র হাজির হকুম মেরেন্ডায় পাকে – সন ১৮ ৬৫ সাল তাদিখা ২ নবেম্বর

मश्मिरिम साध्कुमा মেহের পুরের প্রীয়ুপ এসিফ্টসন্ট মাজিকেট দি ১৮ সাহেব ব্রাব্রেড় रामी প্রীকেলাসচক্র বিশ্বাস माकित भारता भारा उर्हे প্রতিবাদী ইশানচক্র চটোপাধগয बार् शकाभी भाषा लाकुल भारक त्याः शाह पाडा भागा छड्डे

মোকদ্মা জোবের সহিত সিমু কের চাবি ও তহবিল ও কাগজত কাড়িয়া লওয়া ইত্যাদি

विवय्ने अंदे वा भाष्माण आव्य মন্দাকিনা দাসগৰ তেজাৰ্তেব কর্ম কবিয়া ত্যাসিতে থাকায তদিধ্য নিকাশ লইবাব জা अिवामी जेमानहक हछाशा ধ্যায়কে নিয়ুজ কবিলে তাহা व बाकाविलाय निकामी काभ ज ७ नगम उठ्विल वुक कवि তে থাকা সময় গত ১৪ ভাদ তাবিথে বাত্রি ৬ চ্য দড়েব সময ঈশান আসামী তেজাবত काववादव नगम अ भानभिव काशक ७ प्रसिद्धा ७ नेशप २२०

अ पुष्टे माउ कियेन प्राका ना छ जिन जाना यादा लाजुंछ हि ল তাহা চাহিবায় প্রদিবস মু নিবেব লোকাবিলায় দেওয়াৰ প্রভাবে উভয় আসামীতে নিন্দু कित गति उठ्यतिल उक्षाप्ता काछिया बहेया जालावाहीव जिल्ल কে বামিয়া উজ গোকুল পাঁড়ে আসামীব হন্তে চাবি বৃত্মিল। ঐ বাত্রে প্রতিবাদী দয় একযোগ হ र्श आमादक वक्षमा कविया जा भाव के नगम उद्दिल ७ मिलला ও কাগজাত স্থানত্ব কব্ত প্রতা रना कारा जुनित्वर विश्वय अग्रेम स क्रूने जन> श्रविद्य खलाँ > প্রহর্ সময় চুবি যাওয়া প্রকাস কৰিয়াতে, এমতে নলিস কৰিয়া आर्थेना आयात मिक्छे श्रयानीपि लंकेशा आप्रायोशन के उठिछ प्रा छि पिशा नगम उद्देशि ७ कागका ७ प्रलिलाउ प्रलाहेस्ड आङ्का इश् निद्यमन प्रन २२ ९७ माल २८ अप्र

नाक्री

काकाती श्रुज्ञा भार विजय नगर मानीम भार भार भार भार माण भार कहें

মহামহিম জেলা নদীয়ার খ্রীমৃজ মাজিস্টেট দাহেব ব্রাবরেড়

বাদী সান্ধনী
প্রতাপচন্দ্র বায় প্রীদুর্গাপ্রসাদচট্টোপাখ্যা
মোণ গোও্যান্তী প্রীনদকুমাববদেগপাখ্যয়
থানা কোত্যালী শ্রীভুবনমোহন বায়
প্রতিবাদী কালিদাস জোম
প্রতিবাদী ক্ষণণাল কবিবারী
প্রতীভুবনমোহন বায়
ব্যাধন বেহাবা
মোণ গোও্যান্তী কেনাবাম বেহাবা

হরিশ বেহারা সাং মোণ গোয়াড়ি

বিব্বন এই যে মোং গোয়াড়ী আমা ৰ বসত্তবাটীৰ ও রাজ্যৰ দক্ষিন ও ভিনক্ডা বেওয়াব বাটীব পশ্চিম কা नो ठाक्य वाणीय भूवर्व निर्णकालीय वाछीत छेउत नामा अहे काइमीत म ধে ১৮ কাঠা জুমী সমেত সবাশু গ্ৰ ব সম ১২ ৬৭ সালেব ১৭ আম্মিন তা বিশে মানিক বেওয়ার নিকট তাহার জমাই স্বস্থ ৪০ টাকামূলে বেজেই রি ভুক্ত করায় আমি তাসেদ ক विया मातिक जभीनादाव मत्काल আঁমাৰ নামে জাবি কৰিয়া বাজ শ্ব আদায় পূব্বক উপশ্বপ্ন গো গ পূর্বক দুখলীকার আঁছি আমি

অএ মোকামে না মাকায় প্রতি বাদী গন আমাব অক্সভে ব্ল প্রকাশ পূর্বক গত ২৮ মার্চ তাবিথে বহুতব বাজ মুজুব জ हे कविया आभात ने भतिमा जमारे वाँगेव मिक्रनाः ला जा माज अर्भ काला जभी मामड আমার হ্স রোপিত কাঁটাল গাছ ও কলা গাছ সমেত উঞ निक्र कालीच वाँगीच मामिल शा का आहीर दारा शिविया लहेल সর্হ কর্ণম অগমি সংবাদ মত তাদ বাসায় প্রভূষিয়া প্রতিবা मी दश क ना ना अकात वलाश जारावा ना मुनिया ब्लाउवम रहे য়া বিবাদ কবিতে উদ্গত হইয়া क्। आत्रात् भक्ष इट्टें बाजाव

म इट्रेंक माखिल्ला मन्त्रने महा वना। भाष्ठ प्रथाउं कविया था विंठ य एकुर मात् क्रीय म यः द्रिष्ठे श्रवरिक आत्राव निकर श्रामोदि श्रेट्स जामाप्रीशनक উচিত সাম্ভি দিতে এবং আমা ব মথ দখলি উক্ত জমীব উপর अिवामी श्रेम श्रम्भ य था हीव गांजियाह जादा उठादेश দিয়া আমাৰ দ্থল কায়েম বা থিতে উচিত খেসবাত দেলাইত जाका इयं इंडि भन ४৮ ८९ भा ल अविभ अ पार्क

#### • न०्>२

आवृक्षी क्लिकपावी दलका यला

वामी উমেশচন্দ্র সর্শকার প্রায়ারাম টোকীদার भाः प्रवादक कांग्रे मुहिनाम आभातर श्री अञ्चाम श्रुव প্ৰতিবাদী

মহেশ চঞ্চ भीडल देवराशी । प्रश्नु प्रवृपाद नीवन विवाशी भर्वे त्यार वावजा সর্বিসাণ্ সঞ্চর্পুর্ পি: এমাদ পুর

मार्क्षा বিধুঃবাম নাই জানুর দেশ — वाखाव कुनी চাদ সর্দার

১। গত ৮ **च**यश्यमे तूथवात् 'वाचि

ত্যান্দাজ ৭ ঘন্টাব সময় ৫ টাকা मुस्मध्य 16 शाह जाना लाना ७ 16 মুল্লেগ্র ১ ভবি কুপা ও নগদ ২ দুই টী টাকা আপন গাতের এক পাটাৰ মুভায বানিয়া অত্ৰ কসৰা মোকাম হইতে বাটী যাইতে সক্লামী ব পুশ্ববিনীব পশ্চিম পালুডিব প্র रिया य राखा कालाहाम नामारहर वाषीव पश्चिम शूर्वव कान मिशा शि याक उभाग अर्थित भेडनिय বাগী প্রতিবাদী আসিয়া আমার গা ত্রে চাদ্র যথায় উত্ত সোনা কুপা ও নগদ টাকা বান্দা ছিল ভাহাধ বিয়া টানা টানি করিয়া উজ মহে শ দিগকে ডাক দেও্যায় উহারা আসিয়া মহেশ মজকুর আমার গলায় ধৰিয়া এক ধাককা মাৰিয়া

ডাইন পাছায় এক লাগীব বাটী ও वाँ कानिजवाय এक हफ मावि ल जापि जमील भिर्ण पिर्छीय নাঠী আমাৰ মাথায় মাৰিতে ৰা भर्च दिया लेकाई वाय अ र्ख লাগিয়া জথম হইয়া সোর সার কবায় সাজীগন মোজাহেম হওয়ায় डेक माल ७ টाका काभछत् मूछा का छिया लहेया हिलया नियाद्ध। वकार ন পুজুবে পর্ছছিমা দ্বপান্ত করিয়া প্রার্মিত যেমং বিচারে উচিত সাম্ভি অন্তে উক্ত টাকা ও মাল দেও যাইয়া দিতে আজ্ঞা হয়। ধর্মা वजाव कर्जा नित्यम्न। देजि मन ১২৭২ সাল তাবিশ্ন ১ অপ্রহায়ন

### मर् ५७

मश्मिरिय जिला नेनीयात आयुक মাজিস্টেট মাহেৰ বৰাৰবেঙ্

বাদী अभिभूतं विश्वाम नवस्मात्रविश्वाम प्रश्वाने সাণ্প্রতাপ পুর भाना कृष्ण गर्ह्ह । ज्ञानमहन्त्र मन्कान्

মোকদ্মা ञनिधकात् अलम भूक्क माः लाविन भूव

बील तुनानि क्वा । त्यार् किंग भाम

मार्क्रो श्कु भाग । भार भक्षिया ।

श्रिकामी माः विकुशूव

মাণ কামার পাড়া মালু গ্রোষ ভাগীদার

धानं जाभिया भाना कृष्ण गञ्ज <u> वाशां लेश</u> त्राक्की

মাধব মন্তল > কার্ত্তিক মন্তল >

विवार्क्को देशिकोपात् । न्स्नां अधि देशिकोपात् । लाभाल नाइक । नाश्मिश खन् भूनं । नवीन मस्यान । भाना क्षश्रास

विव्वन अंदे य भीन्नीवाम निवामी चोष्ठ दात् इमावनहन् प्रत्कात किसूनी मिलान तक्त रेडिला कामभागेव भान कार्यानेयाव कान माम्बर कुछी उ ज्ञीपादी প্রভূতি খবিদ কবিফা কটীব नीलावाम निम्निष्ठ वीजिम्न माम न उ वल्माव्य ना कवियां आ মাব আৰাদী ধাৰঃ বুনান ক্ৰা निस्त्व निश्चिष्ठ ७॥ दिश जभी ह गडं कवां आङ अजियामी 'भम २०।२० ज्ञ नावियाल मम ভিবগহাবে বল পবৰক নীল বি

ছন রুনাদ কবিয়াছে আমার নি কট প্রমান গ্রহনে আমামীয়ানক উচিত সাপ্তি দিতে আজ্ঞা হ্য ইতি সন ১২ ৭৪ সাল ১- বৈমাথ

विश्वामी ज्ञीत होइमी आत्मत् मक्षीन शूर्वत मास जाज कामी त मिक्षन इल धत भड़लत ज्ञी त शूर्वत भालत शिक्षम छे छत् नक वत्म धान वृन्मनि ज्ञी जा विश्वा

न९ ३ ८

মহামহিম জেলা নদীয়াব শ্রায়ক মাজিকেট সা দি দি হেব বরাবরেও দিল শ্রেক

它河

প্রার্থনা এই যে জাসামীয়ান জর রদন্তী পূর্বক যাভায়ান্তের রাজা বন্দ করিয়াছে হজুবের নোয়ারি ভভাগমন ভামবা ইনন্পেকটের র মারা দৃষ্ট পূর্বক রাজা খো লাসা করিয়া দিতে ভাজো হয় ভামার যা ভাষাতের ঐ রাজা ভিন্ন ভাষা কোন রাজা নাই নি বেদ্ন ইতি

বাদী
ক্ষেত্রনাথবায়
সাংক্ষণসব
এক্টেসনকোওয়ালী
প্রতবাদী
বামীকামারনী
কেদার্প্রতাতনী

অক্ষয় হোষ জয়গোসালভাচার্য সাং তথা মোকদমা জবর্দভীদারা যাতায়াতের রাজার উপর গ্র কবিয়া বদ করা আদি ছিক্কর্প্রকার :

সাক্ষী প্রান হরি তাতি :
নবিনদাসবৈরাগী : দীননাথ তাতি :
দীন তাতি :

বিবন এই যে দীননাম জাতিব ভাতয়বেব উওর অংশে আমার মাসী চিনম্ঘীর যাতায়াতের ৪হ ও পবিমানেব যে বাস্তা চিল মেই বাস্তা অদ্য সাত আট ৰা ज रहेल जामाजीभन २० वल्ला থবেব দেওয়াল জবব দন্তীব ল বা পাওন কবিয়াছে আমি নিশে দ কৰায় খুনিল না আৰু ওমা विभीषे अ भूने कवित्व उपण्डव्य আসামীগন জববদশু লোক কো न भल द्या जामिल भारतिना

ধর্মাবভার জামাদিতার যাভায়া তেৰ ঐ বাজা জিন্ন রাজা নাই তাহা ৰন্দ হইলে এক কালীন मारा পिं जात्रजामामीयान লোকেব নিকটে আমাব মামী क जद कंवित विल्या भागा ইয়া থাকে কখন ও খুন জ্থ म कविवाव जाएक नाई माजी मज्ञकत्वव वाषी इंद्रेट वादित इहेरात जन का मिक रा कां नाहे जाव २ हज़ मित्क मे দৰ আসামীয়ানেৰ ও অন>২এ জাগনেব বাটী দুফী হইলে বা क इहेरव प जने प्रभाउ बा वा आर्थिंड व्य विवामी भाग অতি নিক্ট প্জুবেব সোম্বী ভভাগমন কব্ত এমানগ্রন

রাস্তা পরিষ্কার করিয়া দিতে আজা হয় আর প্রকাশ গা কুক যে এই রাস্তার বিষয়ে হজুরে দ্রুপাস্ত দেওয়ায় জা লক্ষ লিখিত না হওয়ায় কা ন হকুম হয় নাই উচিত আ দেম ক্রত রাস্তা প্রিশ্বার ক বিয়া দিতে আজা হয় মন ১২৭১ সাল ভারিথ ১৮ সেপ্র

एक्स एक्स रहेल यो खोशुक नः जाकियों है माद्द्व एक्स सामर्भ ह्य मन २५ ७८ मा ल जाविश २२

## নং ১৫ মহিমাররেঙ্

তাত পর্ও্যানা তাদঃ ডাক যোগে গত ২৯ মার্চ তারিমে সবাব কোলাই ইইয়া আৰ इय नाई ७ ७२ भार्क जारि থে এথানকাৰ কৰ্মকাৰক ম নাজাব জীয়ুও বাকমান দার ৰ কলিকাতা মোকামে যাও য়া ইতগদি বিবৰন আৰ্জী ব দাবা বিজ্ঞাবিত কপে অধি न एकुत्व नित्तिष्ठ इंदेशाइ ধর্মাবতার কলের জোগে স वार कालाई इरेग भारेत्व দাবা বম টপেব মৌজুদ স বাবেব সহিত মিঞিত হয় অধিন প্রতিদিবসের মেলাই

मराव श्रमक राभाव जन वावधाव निर्धिध कवार्ड ४ সাহেৰ মৌচুৰ্ফ ভাহা আম ल ना ज्यानिया नाना अकाव যে আপত করেন তাহাতে পত ২৭ মার্চ তারিথের আ বজীব দাবা খুজুরে নিবেদিত इरेग्राक् अभव शेल ये नाव বের প্রতি কোন চসম নমাই ना इरेशा जांधत्व य जभना थ अकाम देश अह दिखन। छिष नद्ध। अक्र तो अंग्री जील মোহৰ হওযায় অখিন গন মৌ ক্রদে সব্যব ও প্রেশক জায়দা দেব প্রতি মোভায়েন আছে ধর্মাবভাব অধীন এক শুক্র-চাকর আগত কাজেব পঞ্জ

সতর্ক থাকিয়া প্রার্থমা যে অ ধীনের অপরাধ মার্কনা করিছে আজা হইবেক ধর্মাবভার ক গ্রা নিবেদন ইতি সন ১৮-১১ দাল তারিথা ২ মে

ঘকুম হইল যে দাৰোগার সাবেক বিপটের সহিত পেম হয় ইতে তাং সন ১৮ ৬৬ সাল তাবিশ্ব ৪ মে

থকুম হইল যে প্রীমুঞ্জ কালেকটর সাহে বের থজুবে পেশ হয় ইতি সন ১৮ ৬৬ সাল তারি-ম ৪ মে

নং ১৩ × र दिय अर् आक्रान क प्रम ३ ८ ० ७ प्रमास योप्न हम % क्यारि -> 4 6 008 8 ५ १ नः मशप्रशिष्ठ औष्ठ (जला निष यात् माहित्ये माद्द বর্গরবেঞ্ বাদী भेटाइम् भउत | काभानीव मार् जामल लाखा उर्क त्रतकार वावर शर्वाव भाग हामहा সাহেৰ তৰ্ফ अिवामी त्याकाम ऋषी राअभाव देखिला दिअस्व क्षीशक

মেং চোট সহেৰ তাহার নাম অ दा हमक প্রীহবিশক্ত কর সাংভাতভানা দেন্তান ख्याम्बरुख ह्य কন্ত্ৰী छो। लाभान सार লাটিয়াল প্রীমদন বিশ্বাস नारियाल ताः कृषीत्रेश्व भाग मामहा माक्रो-ক্রীমন সাদ বিশ্বাহ্য জ্ঞী আবদুল মন্ডল দা<sup>ত</sup> আন্ত**ে**গতো

भाग काश्रक ত্রীভাক্ষয় বাজ वः भी MAY EVENEY মোকদ্দমা মোকদ্দমা জবব प्रश्री कावा नि स्तव माम्न भ তান ও মাৰদীট কৰা ও কথেদ वाश्वर इंडामि ব্যব্ত

विवर्ग पेरे या भए ३३ लीय जाविल्य उक्त नारीयान जाता মীযান আমাকে টেপ্ৰাৰ কু ही छ इंड कविया संदेशा प्रथम ন ও সাহেব আসামীব নিকট দিলে দেওয়ান ও সাহেৰ আসা মী মৌছক আমাকে নি**লেব** দাদন লইতে বলায আমি অ স্থীকার হইলে আমাকে ক্যেদ কবিয়া ব্যাথিয়া ও মাৰ্পীট ক ৰিবাৰ প্ৰুম দেওয়ায় লাটীয়ান আসামীয়ান আমাদিগকে মাব भीरे ७ छमात्म कत्यम कविया नाः जनमा अयम्ब वर्गाभ्यमिक्त পুনবায় সাহেব ও দেওয়ান আ দামীয়ান আমাকে ডাকাইয়া মাৰপীট দাবা জবৰ দন্তী দাবা नीत्लव मामन मुद्दे छाका ७ शर्राहरी गठाइया हाछिया प्तन जाबि नागत इर्या था নেব ভয়ে টাকা ও হাতচিটা इन्हर करिया ज्यामियाहिलाम अञ्चल डेक होका काशक म সলিত হুজুবে দ্ব-মাশু করি যা প্রার্থিত আসামী সার্শ্বন দারোগা মাং তলব করিয়া-উজ ভাত্মচাবের উচিত সা छि पिद्ध जाउँ रुश नित् प्त देखि प्रत २२१५ मान छा विश्व ३० (भाष

म् २१

বায়াচৰৰ ভাঁতি দাকিন বাসেগড় নি: সাহাউক্রিয়াল থালা বাথার পাড়া অপদামী মুখিষ্টির ভাতি । মুচিরাম ভাতি ক্ষৰ্য়ন ভাতি 3 কাণ্ডিকভাতি দুর্রোধন ভাতি 3 রাধাকত ভাঁতি দুৰ্গাচৰ্ন ভাতি ১ বানী ভাতি মব্ব সাকিন বালে সব্ব সাকিন नष् भाना राधा रात नष् भाना र भाषा গ্যাবাম পাল ১ भार्माजियांती

वामी

মানাৰায়াৰ পাড়া দেবনাথ ভাঁতি मार्शाल गड़ा मार्की তৰীৰ উন্নামেকিম্ম ব্যয়াব পাড়া , Q

आभाव नालिक्षव विवदम अंदे य जामाभीभन देखे প্লবের আবন মালে আমার যবে ভাত পাতায় ও আমা কে মাবপীট ক্বায আমি एज त नालीम कविता म हे जेंड डेगेहेशा नहेशा व নেক ভদ লোকেব দাবা আ মাকে উপাদনা ক্রায় আ মি দেই মোকদমায় তদিব নাক্ৰাম নম্ব প্ৰাৰ্জ হই যাছিল পুনবাম আসামীগন वक जारे इहें या आमात छिए। इरेस्ड डेशेरेया मिवा त जना गेंड ७२ केंद्र उर বিশ্মে আমাব বাটীতে ম नैक भाग जासभा धर

ছিল আসামীগন জৰব দ ल्ड मंद्रे शद्र अद्यूभ किन्या গর্ও কাটিয়া ভাত পাতিয়া কাপড় বুনান কবিতে ছে। আমি মোজাহেম হইমা দা शहे पिल जांदा अश्रेमान कविया जामाक भानि भा लाक मिया भाव श्री किव তে আইনে এবং আসামিগ म भववमा आभाव वाषीव भव ये शख काखनावकी জমিযত হইয়া তাতে। তা হাবা আমাব প্রানেব আ থাত কিমা আমাব প্ৰমত भारात किया नुषे उत्राक कवाय कियोग जाक। भ श्रावज्यव जाशि उंशिंदिलंब

আসন্থায় থবেব বাহিব হইজ পাবিনা। বিচাবপতি আমাৰ গ্ৰে উহাদিশের কোন অধিকার ना भाकाल ও जवव्मल्ड-আমার গৃহে প্রেশ করিয়া ভাঁত পাতিয়াছে।একারন দ র্মান্ত কবিয়া প্রামিত ঘে মানা বাখাব পাডার দারা भाव भाव कंटड जे जामगृड আসামীণনকে পাকডা ক विया अभाग लहेया माखि দিতে ও আমার ঘর হইতে डांड डेमेरिया मित्ड जाजा इय देखि जन २२ १७ माल जाविश्र ए तिमाश

# নং১৮ অক্র তারি-ম ৯ কেব্রয়ারি

मून्ड शल ७ शके काउ जा लामक रामी त्यूमीने मुल्या পাষ্যায় নায়েব সাকন শে नश्री ताः दात्रुविना अपि याप्राञ्च प्त मार्कन प्राञ् जिना। भाकसभा डाकाइ कि असाधा आननाथ राय किश्वीमेशव पार्जांचेना यात्र स्थिवत्व शिक्षक पुदे ध्याम भन ३৮ ७७ भास २० एक्स्यावि র্মা; ১২ ৭২ সাল তার্থ ২৯ ALA अपं आमि प्रव देन त्भक्छेत मत्मञ यपूनाय मुत्यानामण

कलाधेवल ७ भधुनाय ७ जिलु भा । विव त्रिः क कास्य वस भ भगत प्राप्ति भाषा भर्ष ছিয়া ষ্ফীরাম গ্রেষ ও য हीबाम ध्याध मिशव मुकावि लाय वादीत वाठी नुवे रुख्या य जानामड हुछ इड्रेल छा হাতে রয়ুমনি বাদীব বাশা याम् (वव वोष्टीव वाहित्व का ছারি থবের মধে ক্যেক্টা वालिश ७ श्रीष्य अक्टा वा लिभ कुँछा उ मठ नंभि का यगा वर् कायभाय इंडान उ হাত বাক্স ভাপা কয়েক टूक्दा काक इंड्रामि ७ जा म्बं वामीत । शत्त्र मत्कात् मधुल्थ अकरा मिलक लिएका ভাস্থা ও থবের মধ্যে নেপ कांजा मापुत रेगांड, रेजामि চ্ডান ও উওবের ঘবের পী ডায় পুরাতন হাতবাক্স প্ল वर्व इट्रेंड कलजाना रहा उ গবের মধ্যের দ্বোজার ক भांचे अं नकरी भिल त्थाला उ ठावि विशेष भिमुक्त्व जाला त्थाला भालि मिसुक गत्वव माजियायः भाना कडि ল কাপড বিছানা ছড়ানা श्वलक । उ श्वरवं चत्वं उ लात्मव डेशल नकरी लग ও ধান গবের মধে হইতে डेगाल भासान निवाय इ ভান ও পীডাঘ বান্দা হঁকা नामामाना लानाय निराय

ধান) চ্ডান ও পুরাতন থো লা আডান জলা '১টা *লৈ*গ লাব সমুখে পডিয়াছে।এ ष्टिन्न डिन थाना ला हीत नगय कारेर वाँम उ বাটীব পশ্চিম উত্তৰ বাঁশ তলায় হাত বাক্স ভাঞা नक भागा हुकना का छे-ও বাকসব दिएम का भए > এक हुक्रा ७ क्डक्ष লি কাগজ প্রাপ্ত হওঁয়াগি आष्ट्र। देखि

নং ১৯ মহামহিম জেলানদীয়ার শ্রীযুক্ত মাজিষ্ট্রেট সাহের ব্যাবরেণ্ড •

र्कार्यामी	-
জ্রীয়পুসুদন কর্ম	.मार्की
कातं मार्-	·
তেতিয়া ইকেসন	প্রীমন্ত গোষ
কোত্যালী	প্রাসীতা নাম
	বেশষ-
আসামী	श्रीमञ्जून मसल
শ্ৰীজয়হবি গোষ	দ্রীতাপের সেপ্স
প্রীযদু নায়েক	প্রীমানিক সেখ
দ্রীদারিক মোষ সোঁড়া	भाः छित्रा
ত্রীহ্রিকন্দ্র সোপ	वेटके मन द्या
গ্রীসাধু গ্রোম	ত্য়ালী
শ্রীদীতানাথ যোষ	
গ্রীরতন যোষ	
প্রাদুর্মন্ত গোগ	
मार्डाञ्या इत्हिमा कारु यानी	
कारुगानी	•

### 'মোকদ্মা

আসামারা আমার কাটীত প্রবেশ করিয়া আমাকে মার পিট কর্ম প্রবিক আমার ব্যবসার দোকান ঘর হইত লোহার হাতুরি আদি লুঠ তরাজ করিয়া আনা বাব ত নালিস

নালিসের বিবর্ন এই যে প্রাম
মজকরের দেবি পালের কনসা
রাইমান বেওয়া প্রায় গাদমাদ্যামহইতে
কোমায় গিয়াছল একলে গ্রামে আমিয়াছে
অহাতে আসামীয়ান আমার জ্রাজ উষ্ণ
রাইমনি বেওয়াকে কোথায় নাইয়া
গিয়াছল। অগমি কহিলাম বে
এতামাদিগের অনসায় কথা

क् काभाग नहेगांगगाहित আমাৰ জাভা কখন বাটী ভা का इय भारे अधकार — আসামীরা আমার প্র তি রাগাতো ছিল এক্সনে গ उ २० दिमाभ जावित्य म ন্দাৰ পৰ উক্ত জয়হবি আ সামীর প্রুম মতে আসামীয়া ন আমার বাটীর উপর চড়াড रहेल जामि श्कुत्व माराहे मिश পোৰ করাতে আমাকে চাপড কি ल जाि भार भी कित्या আমার ঘর হইতে ১ টাকা भूरतात्र श्राष्ट्रित ७ हे। जा नां मुलाइ नांडामी २ गाइ मूछम देख्यावि विन्ता काणी २8 हो जारात भूम २१ है। हो का यह

নং ২০

स्थिम ठाकम्द्र विशंध देन निक लिली

তানিপ ২৫ মেপ্টম্বর ১৮ ৬৪ মোণ্ ১• ত্যান্নিন ১২৭১ <del>গান</del>

**विवर्ग** 

বাদী জীপ্তী মতি মহারাদী

মেকদ্মা दिक्ले आया भिक् जामक्ठ ना विश्व হওগ কবা ৩০২ धाराय निर्भिष ज दिशे जन जाश পৰ্যধ

আসামী ত্রী হবি গোষা সাং कीत् পाइ ন্যৰ্গদ

इंखक २७ ना९ २० मिलियव এই বিষয়েব দৈনিক সকল एक्दं भागिन भियाक त्या जानमा १७५ नः किन्के मर्भ त् कन ध्येवन अखभभरा अहे व्याक्रमभाव जा ल ज्वव वा ইম ও রক্ত যুক্ত কাপড় ডা क्षत्र माद्द्वं मारिकिक ह महिल मीश्रेल कविया जामा ७ शित्कात्व मद्दर्

র্ফেরত আসিবেক বাজ করে अहे वानाचार्छत रकीकमानी जापानल्य > क्ला भवा याना जनुमकातन् कार्यं भक ल সমাধানান্ত आস भाम भीख भाठात्व जाप्म ७ एकूद्व ३ क्वा भद्रांश ना जाकी शन जिस्क काटा কি জনঃ গিয়াছিল ও বৈ कुले आश्रामीव मिरु भी र्श्व काक ज्वर विवाम कि वनमा इर्गिष्टिल कि ना इंडिशिम विश्य उपछ जानि शा निभागाम्या जामक र र्शक। त्र मळ माकी गत व काका अनुमकात अकाम य दल राभ भाषी जानम

भारतात दक्षण इरेस्ट माँए भ ক তাড়াইয়া লইয়া সাধ্চৰ न मामित वाष्टीव निकरे भ इंहित बाहित जामामीक वार्षेत्र रुष्ट्र कत्या यारेळ प्राचित्रम मुख्य जाभन वाषी इरेस्ड डाराव मनिव मिशास्त्र र छा भाषशख्र वा ही उ भाश्वा मिट याउन कालीन शुक्राव्नी क का अड़ कार्रिक एशियाहिल। देव् ने अ ओश्वि कार्य मुनिया राजि एए अश्त्र प्रम् किविशा जात्रिया भग्न क বিষ্ণাতিল সয়ন কবিবাব अध्य विकुषे में हाकव क करियाहिन य उुदे तमक

হার্ণম মকল জানিযাছি অ त्क प्राथ लड्गांगग्रा मजा प्रशादेव अदेक्त मामाइश छिल डेश नासुहर्न मार्को থাবা অকাম পাওয়া মায় रेशाल श्रविशक्त उच्छा का न कक्षा विवाम इउगाव অনুধ্ব হয় এতদ্যতীত জা ত সুনিতে ঘাওয়া আসাব সময় কি তথায় কোন ক भाउन इहेगाहिल कि ना তাহা কাহাব দাবা প্রকাস পাওয়া যায় না আর বৈকু के श्रुविभाव वाक भून र्य के बाक पिरामन नगर का जन्ना अ श्रीवृक्कान हिला अ उथव विमि जां कि नित्तिम

उ इरेल। जार गठ कना था क जा क्लाउन के बाइम ७-আসামীর পালের রক্ত মাখা লদ্র প্রায়ুক্ত ডাক্তর সাহে द्धर भरीकांत्य कला इहेछ প্রসন সিং কনষ্টেবল মাণ্ भएँ छित्न भूमि त्याकम्या म् अष्ठं जायर जाम आम গনকে একবাবেব জন ও আলেজবর্ফ বাইস ও ব क साभा छाम्य ८८८ न विकासिक कमक्षेत्रल भार्मि का ৮ घंने। व ममय वाना शंदि कि कि कि मित्र ख वन कवा इहेयाह अम् मिवा > शकाव ममय तम তাএন ৬০১ নংমহেত তেও

याति कन ध्येवस एक ला ए গলীব অধীন ফেসন চন্তী जलार अलाभा भगाम्भर পুর আঞ্তা প্রায় হইতে হ ভাগ হত বৈকুণ্ট গোস্থামীৰ ভ্রতা অধ্ব চন্দ্র গোসগামী ও তৎ সঞ্জে সনাত্রন হটো পাধগয়কে হাজিব আনিয়া তথাকার সব ইন পেবটারে ১ কেতা পত্ৰ সম্বালত হেড कन धिवल्य किकां य पा খিল কবিলেক জাহাতে প্ৰ काम य उथउ भीमस्य वा भधन। उक्तर्शते। श्राप्ता नक्लाल। धनमाभा भनिता হন। গোস্বামী প্রভৃতি ভারণ च्छ ३ श्रद्धांशम इजग्रह्या

दिक्ने लाश्रामी शिमी स्पामीय केक् सम्। महिन रुमा कुन देवक्षय ब्रीहार्व लायानाव শ্রমন্তি মাকা ও গত ২২ শ্রাবন ইইটে প্র वाल या उया उत्सात्य वाषी हंदे छ वाहि র হইয়া আমা ও বৈকুন্ত ঐ প্রসঞ্জি। व विशेष जानिस्ट भावास्ट बीह वि তাহাকে হভগ কৰাৰ ৰ यान कवियाद्ध उगाद्यभ डे জ অধ্র চক্র সোমামী ও উজ প্রতি বাসী সনাতন হটোপাখা ख्व जवान वकी क्षात्र जव भंड इरेलाम य डेराव भि দী দ্যাম্মী ক্রাঞ্চনীর সহিত আসামী প্রাহবি চাকরের প্র मिक भाका यथाय। जाहा छ এ१ ठाकत् मध्य अका निशा सव्य अवाल भारत जान् ७

দুর্নাম হই বেক ত্রুনা বৈকু প্রকৈ শিষ্ঠ কারে যাহা প্রাপ্ত ररेदक ठारांव जदमंक मि वात् कथा इट्या भठ धावन माम मकला अकवा वाष्ट्री इ रेख आहेल अहे एल जा मिया जे श्रेमिंश्व विश्व म भिया डिइगापिशक वाकः वा वा नामन कवाल जिला ल जानि लानवाग इरेलक वित्वहनाय प्याम्यो उ आह वि उंज्य मसना कविशा भी श्रीव दिव्यक्षेत्व इच्छा करि शास्त्र अकी मत्मर करत অধ্বচক্ত তদিধ্যের দাবী উভয়েব প্রতি বাপে অত এव অনুসক্ষানের কাঠা দমা

इङ्याय उँछ व्यथ्य मिग तु कं कवानवनी मिवाव क नः वानाशास्त्र क्लिकमारी আদালতে প্রেবন করিয়া অ ज दिनिक ७ मत्व कमीव नक्षा ७ धिमन हसीउलात् পুনিস আমলাব তদাবকের कशक एकुद्व ध्ववन कविला भ इंडि ফেসন চাকদহ হইতে পাস পাতৰ প্ৰাম দক্ষীন ২ শেশশ হেও কোহাটাব বানা হা हे इडेल्ड ६ ब्लाम वश्य थान

#### 4022

মহামতিম জেলা নদীয়ার আয়ুস্ত মাজিফুটে সাত্র বরাবরেড়

বাদী আহুদীমোচ্লমানী নাম্পানিন বাপ্তায় থানা কোওয়ালী

প্রতিবাদী চুমীরুপেথ দগুরী ব্রহ্মগ্রোহ্ন মানী মাণ আমীনকাণ।ব

मार्की

বোমজান পাতি
আলীবকস নেখা
জুলুম সেখা
মনি কেওয়া
সমূহত কেওয়া
সীতম সাহা
সাং আমীনবাগার

### যোক দ্বা

ताजिकाल जमिकात वाही तं मध्य अध्विष्ट्रा भाव श्री वे कना

বিববন এই যে গত কলগ वानि जामाज ৮ श्रेगव मम्य श्रीठिवामीशन जामा ব বাঢ়ীব মধ্যে অন্ধিকার প্রবেশিয়া লাড়ী ও কীল ও খডমের দাবা মাব পীট-कवियाक विवादमव कावन আসামীর ভ্রাত্বপুত্রকে আ मामी भानी प्रश्राय प्रश् क्या क्रम उठाव जाजाक विविधानियाद्विम विविधा आ মাকে মার পাঠ কবে আ माभी माकी मधनाव बावा

उत्तर क्रिया विभाव श्रद्ध क आमामी दशक उठिड माखि पिट आक्षा इस है छ मन २२ १६ माल उपवि भ २२ दिमाश

मः २२

भश्मश्मि एतमा नमीयात आयुक माजित्यु मारहर वंशवत्यु

বাদী প্রীঈসান চক্র চড়ো পাষ্যায় কার প্রদাজ জানবে শ্রীম তি মন্দাকিনী দাসগা সাৎ পাঁচ দাড়

श्राष्ट्रेवभि ब्रीतिक साम हक ৰিখাৰ সাকিন माह दाड

মোকদমা চাক্ৰ হইয়া বিশ্বাহ কভেকজা ভাষ্কয় গোষ श्चर्यक नगम उर्देश ७ म । भवर्व भाकिम लिल इंड भंगी

लहेया त्रंबाब 2831

नाको भाषत शांद বানেশ্ব ঘোষ কৃষ্ণ মোশ-মানক থেশ अंग्रह मार्ड

विवन भेरे य अजियानि मज्ज्य आभाव भूनिव भश भगाव शाम्मार्ड्य लाला वाषीव नगम ७ धानभाम् इ वि. अक जनभाव कान्यात

प्रम २२ ७৮ मास इंद्रेस्ड M प्राञ्जाणिवि भक्त नियुक्त इह या कर्त्र कविया जामित्व शा কায় জাহার কার্যেগর প্রতি অবিশ্বাষ হেতু কার্বারি ममस कागक '३ भाएक भ त्व मिष्या नगम ७ शाना व अंड इंडिशिमी मिललाड । लोज्म उठ्यक्ति निकाम बुक किविशा मिल्ड वलाय निकामी न मकल कामफ शालाबाहीत्ड जाशन ज र्भाष वर्गाभेषा अञ्च करि হেচিল তাহাতে অধিক টা कार पायक रहेत्वक जानि য়া গত ১৪ ভাত্ৰ তাৰিমে त्रात्व श्रक इंडशिं मिलमा

ত ও মোজুদ তহৰিল সমও मह र्फ दादे इंड्याइ अमल প্রার্থনা যে আসামীকে তল্লব कविया आभाव शाम अभा नामि अइन कविया जामाभीत উচিত দত্ত দিয়া আমাৰ मुनिद्वव नगम उइविल उ मिलना काशक एसा देख আজা হয় নিবেদন ইতি मन २२ १० माल जाविश्व २७ स्थ

নং ২৩

মহামহিম প্রায়ুত জেলা নদিয়ার মাজি কুট মা হেব ব্যাবরেণ্ড

र्क विश्वामीय नाम গ্রীমহেশ্বরী मामा जानत প্রীকাদির্মী प्रका मार বেড হবিমা भ शब्ह भाना কোত য়ালী আসামীৰনাম छोकि कि नो का ख वज्ञ छ। प्रा विक भाषित দ্রীমন্ত তাতি नी जीभरा তাতিনী সর্ব মোকাঘ বেড

इन्दिनाभ भ का भागा दका ত্যালী সাক্ষীৰ নাম শ্রীবাম কুমার মিত্ৰ কোট ইন পোকটাব, बाइवि भाइ न वत्नुत्र श्राध्त य आलाभी নোহন থোষ প্রাচপ্তার্থম ব **ब्म्हाश्राय** শ্ৰীকালীচৰন मकुममान औ বাজক্ষ মিত্র

अल्डिक्स मि द्वीदिक्छे ना त्रिः श्रीइत् में उगाछि त्यड

यात्र जीवात्र भ वार्य जीवा हाँ प्र वक्षी भ वाग्री आ श्रीवाक्षयव निव वागमी त्याश क्रीकान मर्वर त्याः ला नि मगमा औ। इति नाभ भक्क ঈশ্বর দাস মানা কোত্যালী

১ नम्रत्व अन्डिवामी जामा व मनिव द्व इविभाश्या स्तर कामियो प्रतार म হিত প্রসক্তি কবিবাব চে छोय भागाविध नानाक्रल श्र यक कवित्व भारक। भे के किं वां वां वां मांक मुद्दे अश्रुव्य भभग अन।

क्षा अंडि वामीवा अन्ध जियमीत वाजाय हतिया न बः उरभव ममत्यह वल भ ता ७ ७ घ अमर्जेटन भनिव মৌচকাকে বলাংকাৰ কৰাৰ उत्योभी याका क्षकाम क ৰা তৎপৰে ২৮ চৈত্ৰ বাত্ৰ जानाज ৮ बनाव मभ्य उ उ न क्रि जानासाय का मि या नाना कंट्रे कांचेबं शालि भासाज ७ क्रिंग माविव व लिया भारि एक उपाक इव যায় অথবা প্রতিবাদীগন ৰ ঐ ৰূপ অওগচাৰে ভীত र्रेया प्रभाख किर्या था भिंठ वा अक्रायं उपख इ इंग अमानामी अइल विष

র পূর্বক আসমসীগনকে উ চিত সাত্তি দিওে আক্রম হ য সাব প্রকাস মাকে এ भड २० हिंद उपवित्थ म ৰুপাশু দাখিল কবিতে আ সায আদাৰ দৰখাও नानि इड्रेया याउदात्क वे मिवन माभिल इय गाँदे। भ व कथक मिवम काछ्यती ৰন্দ থাকায় দ্বথাস্ত দাখি ল কবিতে পাৰি নাই অ দঃ কাছণৰী হওযায় দ্ৰূখা ए माथिल कविलाम रकुर भारतक निर्देषम द्राठ प्रन ১২ ৭৪ সাল তাবিম ও বৈ त्राभ

প্রার্থনা জ্বাতার কোটাদি মা কায় আমাব এক প্রানি গ্রব ও এক ভন্ন দোললা মাকা য় উভযেব নামিয় টেকস আমাৰ নামে ধার্য্য মাকাষ আমি ও জ্রাতা তাহা তামা ষ কবিয়া আমিভেচি ভ্রচা व के कारोपि विजय कि या काञ्चिया नदेया भिया इ जाराव के ममुभाग টেক্স আমাৰ আদা্য किरिड 'इरेल এक कालि न भावा शहे अकार्न

आर्थना या ज ममछ छ एक र्रेशा जामान नग या भार्या कित्या जामा य रखन शक्क जन्म छ अमान र्य।

মহামহিম জেলা নদীয়া র প্রায়ুক্ত মাজিফুেট সা হেব ব্রাবরেঞ্

प्रथा छो जानत म भ प्रकी भार क्ष नगर नित्मन এই यে जामात जिल्ला अ काहित जा जिल्ला अ जामत निल्ला त कर भानि शत अकथा নি ভগ্ন দোচালা থাকাতে উভযের জায়দাদের টেকুস আমাৰ নামে থাকায় আ মি জ্ঞাতা পানের দেখা তা राहे जामाग्र कविक्रिला म अरव छिजीमाव देपिकी काउगव नाम जिनी जाति कविशा ने काछापी विश य छाला निरक अविष कवि যা কোটাদী ভগ্ন কবিয়া लह्यां शियाक अवः काञा उ उथाय नाहै। इहास्ट সমুদ্য টেক্স আমায় আ माये कविंछ लंदे ब्ल आप्रि এककालिन भारा यारे अस বন দ্বপাশু কবিয়া প্রার্থ ত যে বিভিন্নত তদ্ভ হইয়া আমার নায় টোক্স আ
দায়ের অনুমতি প্রদান হ

য়। ধর্মারতার আমি নে
হায়ত গরিব নিবেদন ই

তি সন ১২ ৭৩ সাল তারি

ম ২৩ ভাত

म१२८ त्भालामा अरे व्य পুত্র নাজের পেয়াদা পা शन इहेगा उना भाजा আমাৰ জাকে নাঠীৰ আ থাতে প্রান নম্ভকরায় হ कुर इट्रेंड पाय्या मान में इट्या उभाकात विश त् भागल भाका अग्रुक পুত্র মজস্ব জামীনাং ঝা लांज इहिवात जारमण इ

इत्न एकुत् २३६० जाभा ব জামীন ও মাতবৰ্বী তদাবকাতে ডাজাবেব কৈ াৰ্যত তলৰ হওয়ায় তা হাতে ডাক্তর, পুত্র মজঙ্গ বু কখন ভাল ও কখন यम भाकाव कि किंघड मि ल भित्उभय भारति ए कुम इरेश्राष्ट्र। विहाद श তি এক্ষনে পুত্র মজস্ব-उउम आवाम भारेगाछ। অতএব দ্বুপাশু ক্রিমা প্রার্থিত যে এক্ষনে ডাক্ত বেব কৈফিয়ত তলব ও পুত্রকে দৃষ্টি পূর্বক আ भार काभी गाउँ भक्ष्र श्र ব্বক পুত্রকে আগ্নাই জেয়া य भाकाभ मिट जाका श्य हेि — हैं भश्य हैि — हैं भश्य भारत भीयुक हैं भाकित्कृष्टे भाद्य हैं स्वाय देश

प्रभाश भागा कालीका दिव अलाभा जित्र भा जित्र भा जाभाव भरामप लियामा जाभाव नित्र म अर्थामा जाभाव भित्र म अर्थामा जाभाव भ्रामा कालाव भगमा भ्रामा भा भा रहें या जाभाव भ्रामा भा भा रहें या जाभाव भ्रामा भा रहें या जाभाव भ्रामा जाभाव भी ८ वज्र विवि का निर्देश जाभाव भूम

কবিষ্য থানাব দারোগা থেপ্তার প্রবর্ক চালান আসিয়া मानमं इख्याय छोयू पार्यं मार्ट्य वार्मु विष्ठात् उ बोयुङ ज जामालंड माइदव र्कलाया जनुमाद জন্র পাগল মাকা অব্যু অজ্ঞানে অপপন ক্রায় প্রমান ও প্রকা ल उँ जशहास इइ ८० मुखि भादेश जाराम उनार्वे भागमा गार्दि भा কনের আদেশ হয় এবং मजञ्ज् क जामीनास्ट उशामवात जनं उभन

जामालट िकी बिश्विकाय তথাহইতে পুত্রকে জামা नाटक छाडियांनियात जा प्रम इउगाग्र एकुत् इ इस्ट माद्यामा कार्य का মীনি ও খাতবৰবি ত দারকের খুকুম হওয়ায় थानात् मुठ्दि पत् जभी त १६ हिंग जाभाव का দান ও মাতব্ববী তদাব কাতে বিপোট ক্ৰাম পা भना भारतिय उपकर्व कि चिच्छ उत्तर इय्। अ হাতে পুত্ৰ মজন্ব কখন ভাল ও কখন মন্দ্ থাকা ব কৈফিয়ত আসিলে জা त कामं एकुम ना इहेश

मित्रकाय दाभारत श्रुप श्रियाछिल । जरश्रद जा মি এক কেতা দ্ৰুখান্ত ক বায় ভাতাতেও কোন হকু ম হ্য নাই। বিচারপতি পুত্র মজকুর অতি উওম আবাম হইয়াছে এবং আ श्रु २ वर्षी नारासक श्रुव जारहा जामि अंदे कुछ म मर्य जाशामिशक य मुन्थ মেত্নতের দাবা প্রতি পা लन कवि अप्राम क्रिम्या भा है। जाङ्यार प्रभाख क विया आर्थिंड ता अकत डे अत्वर किभियाज जलव अ থজুর ষয়ং পুত্র মজসরক मुधि क्रिया आसाम मिशा নপরিবার তদারা প্রতিপা লন করিতে তাজে হয়। ইতি নন ১২ ৬৩ নাল তা রিখা ২৫ কালশুন গুরুম হইল যে

ডাজ্পর সহের ও মহার্কে জ কৈর্মিয়াত দেয় ইতি স ন ১৮ ৫৭ সাল তারিপা ২০ জেব্রুয়ারি মোণ ১২৩৩ সাল ১৫ কাণ্ডন

भर्वावकार्त्रकृ

रक्तुरत्त एक्स श्रमान अव हत्यास लिथिड त्माकप्रमान निथि डप्ट जानाटाल य म अम जामालटात हिंही अनु

मार्दे जन २५०० मास्त्र ३५ (धंत्र यावि जावित्य जामाभीत অাজীয় জায়দাদ তদাবক पार्याभा नावा जामका जा নিয়া চিঠীৰ জৰাৰ লিখিত হইলে ভাএন অপসন পুত্ৰ नाकीं अधामात भासामीत श्वार्थनाम् एकुत् मन २४-०१ मालव ३२ छाक्टो वत् अभि মে দ্রুপাশু ক্রায় অধি নেব নিকট কৈটিয়ত তল ৰ ধ্ৰুম হয়। তদ্নত্ৰ-অধিনের কৈছিয়ত দুষ্টে প্রীয়ুক্ত ডাক্তর সাহেরকে চি টা লিখিত হয়। পরে ডাওর मारइव डेज विशेष कवारव नाजीत (अशाना भास) २ छो

রাম ও মধে১২ পাগল তও্যা প্রকাস পাওয়ায় তান্য কো न एकुम ना इहेगा मात्रा য় রাখনের ধ্রুম হইয়াছে আর মোকদামা সংশ্রম इंश्वाकी विशे मकल क्वा नी भानायं जा एक जान हा अन अरे प्रभाखे करिला অধীন ও ডাও'ব সাহেবে ৰ কৈফিয়ত তলৰ হইয়া ছে। অতএব অএ কৈৰ্ফিয়ত নমালত নমীব কাগজাত হ जुत् (अभ कविट्डि निर्दम न इंडि भन ३৮०१ माल जाति अ 8 स्मरा

> প্রাদুর্গাচরন দও প্রোহার্ফেজ

# एकुम र्हेल त्य

धोयुङ ७।ङक् मार्ट्स क भिष्ठ जाईस्त ठ। ठात् मा भील (अम ठ्य हेकि मन भ ८९ माल 8 मार्च

ग्रं २ ७

নন ১৮৬৪ সাল ১৪ নবন্ধর দন ১২৭১ দাল ৩০ কার্ডিক সোমবার

মহকুমা সত খাঁরার জৌ জদাবা আদালতের রোর কারী খ্রীয়ুক্ত বারু কালী চরন ঘোষ রায় বাহাদুর

## ८५ भूषी बाजित्युपे डेशक्डि

প্রকাশ হওক যে অক্রাধান देखिनम काली भटकर त्या ञालक शामिशुःत्व विभू काउदानीत भाने वाकप्रम যাতাতে আসামী হার্থন কাওয়া ও দেয়াব পংগ্ৰ अश्व कालीव भूनी का कलमा यादाङ कानादे मर्मात् जामाभी भारक ने लाकप्रभा श्रवविष्ट और ক ডিপ্লটা আছি টেট না द्वा कर्वक त्ममन विष्ठाद्व चाम्मं के ज्या इहार म क ५ मध्यस्य विभावन िमिन अंवधाविक इथ्याग्

মেমন আদালতের কথের অশ্বেম জনঃ মাধ্বচন্দ্ৰ ঘোষ আমলাকে মোডাএ न क्रा २्य। आभसार २ ७ २० मतम्बर जाबिला প্রেবিত প্রতী দুষ্টে জানাগেৰ वा ने कारु प्रभा प्रवाद न মী ও তৎ সংগ্রপত্তে কালে ত্রাব এ পয্যন্ত সেমন আ मालंख अर्घक मारे। प्राथ छा उपछ नाजित्व वरि দুটে প্রকাশ যে নাজীব গ ত ১৯ অক্টবৰ ভাৰিখে ने निय ७ काल्ससन् आस পোলিম ডাকে মেম্ন আ लाउ ध्यान निमित्र जाक মুনসী তানুপস্তি থাকা

एड पुरे नशी এक शुनिकाम है एक मन भार भीतात इड कनकावल इत्याद भारत मिगा जाइन्द एउ त्रिम श्रा थ रहेगाइ जिज्ञामाय ह उ कमछावल ये श्रीलका প্রাপ্ত ডাক মুনসী के मिया हिल ज यथा नियम এछ ला मिशाष्ट्र श्रकाम कविस व्यद्यु जात्कत् लानवा ছে এ विश्व उपर अव नुमकान रुउया जावमाक জতএব

থ্ৰুম

তাত বেশবকারীর নকল জ

লা ২৪ পর্গনার মহিমাব্র श्रीयुक भाकित्थि मार्ट्स्त् হজুবে পাঠান যায়। মানস যে ঐ নথী সাত্মীবার ডাক মুনসী প্রাপ্তানন্তব কি অব হায় কোথায় পাঠাইয়াছে ७ शविद्यास नामी वर किइ इल उदिशदात उपछ अन भीव जानुमकान रुउन भ एक विद्धि अनुद्धा अम त वाधिं कर्वन । आव-मुलाह्यार्थ मिडीय नकल द्रला २४ भव्भनाव भाग মান জীয়ুক্ত সেসন জজ সা मार्ट्सत् एकुत् भागेन इर् के नि । एक म मः अगख का शक मा त्रित इय देखि अन् ५८। २२ नत्यस्

### नर २१

गम ३৮ ७८ भास २० नतंत्रत मम ३२ १२ भास २ ठाश्रश्म

মহকুমা সাত শীরার কৌ জদারী আদালতের রোব কারা থ্রীয়ুক্ত বারু কালীচ বন থোষ বায়বাহাদুর ডে প্রটী মাজিফেট উপস্থিত

তাত্রাদালতের দৌরা সোপ
দি ২ টা নগা যাহার দৌ
রার বিচারের দিন ১ নর
ঘর অবধারিত ছিল ঐ ন
গা ১১ নবেমরতক না পৌ
ছায় যথাসমর সম্ভবে নগা

भावेपनारम्दम रजना २४ शत् গনাৰ মহিমাবৰ খ্ৰীমুক্ত মা জিফেট সাহেবের অতীত ১১ নবেম্বৰ তাবিশে নকল (वावकावी अम् डेन्ब्रिंड इ वैस । जञ्जकाम मा भारक व अञ्चामालख्य त्माश्रीमें विकु काउवामी ७ भम म इन भानी भूनि भाराक प्रा याश्व फोवात विषाद्व मिन ৮ नत्यम्य ज्यवशाविष् छिल ये भारुष्या प्रयावन वी जािम ज्ञा छ विश्व দৌৰাৰ কাৰ্চ্চাৰ আঞ্জাম দে उनार्य जामनीय जामनाव পত্ৰ তাৰুসাৰে জ্বাত হইয়া उपछ माजभोत्रत दर्फक्न

धियल श्रीका आध के नयी जामित कुछ श्रुलिका रिमिष पिषा शहन कवा । হেড কনসফাবলেব প্রমুখা ৎ সেওতাহা ডাক মূনসীক द्म-अया अरूपम भाउयाय शुलिम छांक्सून भी भरतत् भा वा ने विश्वात उपछ ३३ न आर्थनाय भउकत् वर्भनी य बायुक माकि खें है ज्या প্রীয়ুও নেমন জজ সাহে বেব হজুবে বেগ্রকারী-ध्यत्मे इर्गिष्ठ्। अपः ने বিষয় তদ্ভ ও প্রাঞ্চানন্ত্র कान निम्मेन आछ इरेगा इ कि ना कि मह ध्युन निमिल विमिष् स्माद्य द्

उ कर्नका वल उ इसक मा उभी दा नामाल २८ भव्तना अया अद्यामान अलाव क नात्म भद्यामान अलाव क ना जाल त्याक्त भ विनम् मुलाहर करा आवश्वे

হক্ষ

मूलाहरार्थ छाज द्रावकारि न नकल महिमायन श्री युक्ष माजित्मु है मार्श्य व एजु द्र भाग्न जाग है जि

जिथकाम नाथाकुक धा

গোলয়োগ হইয়া কমার অধিক বিশ্ব হইতেতে ইহার কারন কি তাহার অনুস্কান হওয়া আব শাক। এমতে

## গ্রুম

य एक सार्व छोयुक छिष्टि क्रे मुश्रिकिं अने मार्ट् वित ममी श्रा वातकाती शाव्याम या वा कि कर्म अम्राज श्रायाम इक्ट इ कार्यात यू छोटा य हे लालवाम र्य जार्म न करिया य भारत श्राम न करिया य भारत श्राम

इंडि मन ১৮ ७८ माल जात् भ २२ मद्यस्य
46 5 P
মহিমার্বঙ্
भाना काली शां हे पान भा शिश्मिकं भान आहे अ नित्यमन এই य
ফরিয়াদী আসামী
দেশু মহামদ ফরিয়াদীর সেয়াদা জ্যেষ্ঠ প্র নাজি
माकिनभिन्भूत व (भ्यापा मा किन मिर्देश्व

মোকদমা আসামী মজ
সর পাগলহালে আপম

মাতা রজন্ন বিবিকে লা

ঠী আবাতে খুন করন

अधीन इति एव शूर्व् का মৰ্তন ৰায়েৰ বাটীৰ ডাকা इंछि त्याकप्रायः भास म जुवातित् अनुमकान कात्न শ্নান্তর থাকায় উজ মো कम्मा २० जून जावित्य भानात भाइत्त निक्ट ड পাছত হওয়ায় মোহবের भज्रुत् शालकात् लाम ४ আসামীকে মায় আনে জ रद लाठी श्कुत्र भाषाइ-या उपादक जामास जाना

ध अविद्यापीत अजाश्रव ४ আসামীৰ একবাৰ ও আসা মীৰ জী আৰুমান বিবি ও প্রত্র জত্রনদী ছোকরা ও प्राक्री उपीत (भग्नामा ७ म न्नी जान ७ त्रुक्त्वी विवि ७ কাতিক পেয়াদা ও ভোমৰ लियामा ७ प्राठ लियामा ७ वाभकानाई उपकाद्वं अ মোছার ও প্রজা স্ওর্প यामा अनाहित (भ्यामा अ जाविषं लायामा मि गं त्वन নিখিয়া দেওয়া তদাবক नामा मुख्य श्रकाम इरेस যে আসামী মজকর আন্দা জ ৩।৪ মাস হইতে বাতি क अस्ड भागन इंउ याय जा

माभी भीजा कवियामी भ जक्त डेक दाम कानाई-ডাজগরের মাবা আসামী ব্ থাড়ে বেলেন্ডারা বসাই मा या कराष्ट्रियानाना वि ষি চিকিৎ সা কর্ণতেও পী ড়া আব্রাম হয় নাই। উ क भारत्व माश जानाभी व बाल पुष्ठ जायभाय अ কাস আছে ও আসামী ঐ বাতিকপ্রস্ত হালে কখ न २ वाषी इंदेड द्वानाक ৰ যাইত তাহাতে একবা ব টালীগঞ্জে মাৰ পাই য়া অবৃধি আৰু কোথা य ना याद्या घत् था কিত ও উহাব জী বাটী

इरेट कानास्त याहेगा जाममेन इइ ल जाइ। त्र नादमिश्या वागठ इहै। वर्ष भान भारत् रे जून म जाशांड जावित्य वे ला जानाज ११४ शमीत नगय जानाभी व श्रीका वाधीव उर्काउ भारि ला ক বাফিতে ও আসামীর की आवमानी विवि वा ही उरेट किছ उर्फाड शुक्रविनीट जल आनि छ याउयाय जामाभी भज्ञत जाशक ना प খিয়া অপপন মাতা একা কী বাচীতে মাকায় উ হাৰ জ্ৰী কোথায় গিয়া

ছে বলিয়া জিজ্ঞাসা কৰা य शक्तका का आवं आ मिदियं ना ७ जाश्रांक ज ज़ार्ट्या नियाहि रला ७ माभी भज्ञत रागठ इड़ য়া আপন ঘবেৰ বাঁশে व १५कां लाठी लहेश श নেফাকে উহাব বাটীব লো য়াল ঘরের সমুখে তিন अवि वा लागे मोवाय अक शा पक्षीन कर्तन उन्नर য়ে তাহার কালমিরা দাগ ने कलेव डेभव भाभा भ র্য্যন্ত প্রকাস আছে ও দো मवा या ने भार्ख मन्ड কেব উপব লাপায লম্বা जिन जंभली ७ म्डज ७

भर्वा এक এक वुक्स क भम इरेश मखदक्त ही उपिया याउगाय ले ই স্থানে পডিয়া তৎক্ষনাৎ म्थूर इउग्य आमाभी भ জন্তৰ জালে জবৰ লাঠী इस्ड लाई डात चित्रिङ থাকাম আসামীৰ জী বা ही जामिया जादा प्रि या जात लास केवाय প্রতিবাসিনী মল্লিজান ও मूमदी विवि ७ उभिव ल यामा ७ काजिव (भयामा ও ভোমৰ পেয়াদা ৰুটি डि उथायं शर्रेहित लाम তথায় পডিয়া থাকিতে ও আসামীকে আলে জ

वव बाठी शक चित्रिक থাকায় ও আসামী উজ-উমির পেয়াদাকে নাঠা মা বিতে উদ্ধত হওয়ায় কা তিব পেয়াদা সাহসী হই য়া পিছন তবর্চ্চ দিয়া আ সামীকে ধ্বাতে ভোমব্ ও উমীৰ উজ আসামীৰ হ द्भव नारि काडिया नर्या उद्देश जिन जत जामा ब्रीत्क प्रापिया शीह त्या জ কবিয়া আসামীৰ ঘৰে र पाउराव भूगीत राक्रिया ৰাখনাত্তে আসামীৰ পিতা এবং মতি পেয়াদা প্রভৃতি जातक जामिया ज्ञालकात् লাস ও আসামীকে বন্ধন

অবস্থায় দেখিয়গুছিল। ও আসামা মজস্ব আপন এ कवात डें जात कवर लाठीव वाडी झाविशा जाल न भाजा दालकारक मार्वि য়া খুনক্রা স্বীকার আছে যেহেতু তদাবকের দ্বারাও অপসামীৰ একবাৰে আসা মী মজস্ব বাতিক এন্ড পাসল হানে উক্ত আনে कवव लाठी यादात्व त्रा र छिट्ट इस्टे इड्रेया छ जा থাত ক্রিয়া আপন মাজ কে খন ক্রা পন্ত প্রমা ন। তাত এব তাপসামী মা য় আলেজবৰ লাঠী অংশ हासान इकाय कवियामि अ

नाक्रीनन क जानाम अनुयाया তদ্জী ও কাগজাত সম্বলিত श्कुर्व भागे हेगा भवना नंगी হেতুতে আসামীৰ বনিজা আব্মানি ও প্রতিবামিনী ম विकाम ७ मुम्दी विविद्ध ध विशामी शकित ना कवाय जाङामिशक आक्षेत्रेड ना পाविया जुलाएकार्य नित्व मिलाम एकुंद कर्छ नित्व पन देखि जन ३৮ ९२ जाल তাবিশ্ব ১২ জুলাই মোতাবক সন ১২ ৫৯ মল ত্যবিশ্ব ১৩ আন্ধ ब्रोक्शनिष्ठं भा नार्शा পানা কালী ঘাট

श्रमात्व माक्री

नर् २ २

সন ১৮৫৮ সাল তারিখ ৩ জুন মোং সন ১২৩৫ সাল তারিখ ২২ জের্ম

बात्मार्श्नी जामान्द उप मिन इंद्रेश छो छ इंदर वाली মোহবেৰ হাৰা সন ১৮৪০ मात्लव ए जाकरंग्य विश নমতে গমীব কপে মঙ্গ कर्न अञ्चि भारतिक क হিল যে আমাৰ নাম মো हिनी जिन्दा का का भागा य शी वयम जामाद २२। २७ বংসৰ সাং বেলতলা পে मा पुःभ भाइनङ

#### **जउयाल**

র্যুবর দাস বৈরাগীর না লিসী চুরি মোকদমার বি জান ইতি

জবাব

भारतात् तात्व आप्रा त मानी ताक्षानाथ यूगी आप्रात् माक्षाल विन्या हिल, य त्युत्त त्त्राभी त माल हूती कित्या आ नित्र। आप्रि महक्या मू निया उहारक हूति कित्छ नित्थ कित्याहिलाम, म जाहा ना मुनिया जाहात् भ्राप्तिम त्रिया जाहात् भ्राप्तिम त्रिया जाहात्

रे श्रद्ध नग्य कविया वल जालाय वन करा अ करें। त्रिमुक हुति कविशा অগ্নিয়া দাবাম যে ভাভ भाष्ट्र आहर, अश्रू छि व दाशिया डेशद प्राधी हाभा पिया व्याभियाहिला অগমি তাহা দেখিয়া পাড়া व लाक क बलिया मिव व नाय जिंहे छत्य ताटा के प्रि সুক তথাহইতে ত্ৰলিয়া বা ठीत नमुल्य य दीन जझ ल जाक् ठाठात छिठत्र लिया जामियाछिल । जे मि मुक य पुरुषे जाला रम हिल जार्ग भुलित्न भारत

নাই ভাহাতেই ভাহার ছি उर विकि जिनिमश्य हिन अ হণ অগমি দেখিনাই টে जिस्त म अयाय कारी रड আব কোন মাল আনে नाइ। अविष्युत्र आउ আমাৰ স্বামী ৰেলা ১ টাব সময কর্মে গেলে-থানার লোক আমার বা টাতে আগিয়া আমাকে-जिजाना क्वाय जामि अ है प्रकल कथा बलाउ-भागात लाक के मिनक भिरुक्त वम भाका जेव দ্যয় ঐ জঙ্গলের ভিতৰ হইতে বাহির করিয়া আ মাকে খানায় ধবিয়া ল

र्या नियाहिल। उन्तर् श्र ৰ অগমি আৰ বাটা যা देख भावि नादे, अहे क था मुनिया जामात् मामी का भाग भाना हेश भिया ছে। অগমি এই জানি এ সিন্দুক হজুবে চালান আ भियोछ । शेख भोजूम भि मूक प्रिया उत्र श्री ना रालिया (अभाक करि ल। देखि त्माइनी

अमः कं विश्वामी वृश्वव्रमा म देववाशीव अजञ्च अ जिल्ली माकीव जवानवनी প্রীবনান্তব

# প্ৰুম হইল যে

श्कित त्यादिनी मार्की उस त्याद्य श्कित इत्यन मत्र त्याद्यात्य विद्या भाग अ नात्याभात नात्य भत्याश्या ना इय त्य जामाधीत वाषी त्व मर्वत्या पृथ्वि त्यात्य नाषीत्व जामित्व वा । ज नुमकात्म भुव कविया भा भाग देवि नम अन्दम माल जाविश्व २२ तेक्स

जम् श्रम इर्ग

যেহেতুক ৩ জুন তারিশে আসামীর অনুসকান করি যা প্রেন্ডার করিবার নি মিও দারোগার নামে প রোয়ানা হইয়াছে কিন্তু আদ্রাপি আসামীকে প্রে তার করিয়া পাঠায় নাই অতএব প্রুম হইল যে

मार्वाभाव नात्र ठाशीम् পर्वायाना इय त्य त्र्कल र्छत्र भारतक পर्वाया नात् श्कुम ठामील कर्व इंडि भन २৮ ८ ৮ माल जारिय १७ जून

## मर ७०

সন ১৮ ৬৪ সালে তারিখ ৭ মার্চচ মোতাবেক সন ১২ ৭০ সাল তারিখ ২৫ র্চাস্তন।

মহকুমা সত্থীরার কৌ জদারি আদালতের রোব কারি প্রীযুক্ত বারু কালী চর্ন গ্লেষ রায় বাহাদুর ডেপুটী মাজিফুট উপক্তি

ভাত্রনান ত্র চ্চ্না দেব চন্দ্র বন্দো হরিনাম বিশ্বাস পাশসম দীপর হেমচন্দ্র বন্দেগপ্রা

# মোণ জাল মোগ্ৰাৰ নামা তদন্ত বিধ্য

हावना भन् जाशील मृत्य उ ল্লেখিত মোকদমাৰ মুল ন भी महा प्रानः शहरकाट প্রেরন জন্ তথাকার খ্রী যুস্ত আপদিষ্টান্ট বেজেষ্টার वातूत् २५७७ मास्त्व १ कु लाई जावित्यव नकल त्या वकर्गवंव जादम्मानुमाद् <u>८ङ्</u>ला २८ ट्रिंचियमे श्रुगमा व महिमावव छ। तुष जनम कक मञ्चित् २० जलाई ञाविभाव नकल द्वावका विव के जिलाव भागभान बीयुष्ठ भाजित्धृरे नारइत द्ध २७ कुंना है उतिस्थर ध्कुमं यूद्धः शामानादम्दम অগেত হওয়ায় ২৯ জুলা हे नकल द्रावकारि प्रश् अ मूल नभी अञ्चलित औ युक भाकित्ये माद्दत्व एकुट्ट भागान भियाद्या अठके ये नभी कंत्र अर्घ ए गाइ। जाशव के मम क्र हुफाउ आदम्स कि इहे याद्य जाशास्त्रा कान मन्या म जाभाज इय नगई

প্রবাস না থাকে যে পুরব স্থিত হাকিমান এ সম্বন্ধে ক্যেকজন আসামী হাজির আনিয়া মহামান> হাইকো

लेव हुड़ाड जादम जला काय भेंछ ७० जामधे जा রিখে ঐ হাজির আসামী য়ানকে মাসকাবাৰ হইত খারিজ দিয়া মোকদ্মা मूलउदी दाशियादहन र्वत के हुए। खादम्ब आश्व इ ওয়া ভিন্ন ঐ মূলতবী মো कप्रभा निकाश शक्क का न एकुम प्रथम गाइस्ड भार्तमा। घडवर

**প্**কুম

তাএ বেশবকারীর নকল জ লা ২৪ চোবিবদ প্রপদাব মহিমাবর শ্রীযুক্ত মাজিথেট माह्द्व एकुद्दं भागान याय, मानम या के प्रम्यान महामानः शहे का ए हे हु हु छा छ जा एम में क्षमान हुई या भाकि का महु व का पाल छ क्ष्यंने भक्ष डे छिड जानूमां के क्षमां न ना विका कर्ना। शिं

থ্ৰুম

कान अश्वाम आभिशाक कि ना श्राभाष: प्रश्नाक क जाश्व किर्फाण प्रा इंडि मन ३৮ ७८ माल जा विभा ३० मार्फ

### न९ ७३

त्रन ३৮ ७८। ७३ ८म

वामी भाषव कार्कित शिक्ष त र्र्था ३৮ ४०। ८ आकृष्टे भटा श्रीठिकाश्रम करिल, जाभाक डाकाठि र्र्थात २०। ३२ द्राक श्रद् विश्व वर्ककाक जाभाव वाषी र्रेट जाभाक डाकिया भक्षाश्रम श्राट्य कालीवात अ स्त्रम्य राह्य निक्षे

আসামির মোজারের সও

क यथन नर्कत् ७ किन् ব জেমায় দুব্বলা রেই न ननी किकीमात कपू-किकीमाव ७ तुध्हे किकी দার বাতে ব্রার্র আমা त निकंछ भाश्वा पिछ। य दाङ अथभ पुर्वना व वाँठी दन याद, जभन का টাকীর টোকাদার আমান্ধ नाटंड कविया सर्था यात्र । देखि

शत् वामी आश्रम रहेळ श्रकाम करिल य स्थ्र वार् आभारक इपिष्य प अलव स्ट्रूभ पन । नर्षव मन्त्रात् कर्ट् य आधार क भा कित्रियामित्स आभि छ। काछिर मुखाश कित्या मि व। अद्गाद्ध मेम्यत्यात् व त्मन यमि डाकाछीर मुखा भ र्य जत्व आधारक भः राम मिया रासिया बर्द्धत्व द्वारा प्रथा त्न प्रात्भीरे उ उपरा डाक्षात् भरत्। रेडि

মাধৰ কাৰীকৰ X

न९ ७२

সন ১৮৯৪ সাল তাবিখ ও মার্চচ

মাষৰ কাবিকর হুজুরে হাজিব

इंदेशा ३৮ ४० मालात ८ जा क्रे मल्ड श्रिज्ञा क्रिया कहिल, नाम मास्य कारी क्रि, शिठा नर्कत कार्तिकत व्यम ७० वरमव (अमा का अड़ दूना। मार तीकमारि भाना उड्हे

#### म ७ गाल

কোমার কি এজাহার জ বাব তারিখ তামি বলি তে পারিনা এক মাস গত হইয়াছে, আমাকে ডাকা ইতি মোকদমায় ইম্বন র য ইনিপেকটর গ্রেপ্তার করিয়া মারিয়া দুই দিন

बारम जाकाइंड धविया दम नटक्ड कतुल कर विलया নুষ ও চড় ও মাভায বা छि भारव। भरव डेबिव भी खर जिमाय जामाल চুর্ণিত্রা দেয়। উদ্ধির আ प्रात्क कर्ट जाकाइंडिव भारत् मधान जारक पिद्रं इंडेटवक। भरव 8 द्याक वांगीत्व भाकित्व গোপাল ব্বকন্যজ আ भारक धविषा करीम श्र त्व देखत वातुक निकछ ल देया भारत देनिस्मक्डेव ও সব ইনিস্কেটর কা लिकानम् मुल्याभाष्यभ्यः २ कत्व आभारक नांद्र न

हेशा ब्लोकमावि धारम आ নিয়া আমাৰ থানা তা लाजी कविया हरे ३ भा ना ७ वाँछी ३ छ। वाछि ৰ কৰিলে আমি মাৰিব ভয়ে ডাকাতি মাল ৰনি যাছিলাম ৷ পরে ঈশ্বর य जामारक लायमा न र्क्य मफीत किनु क्राल्थ्रव जिम्रा कविया मिला आ হারা আমাকে সাত দি न नम्न भुद्व पूर्वका । भरत नर्भत मर्भाव आ मारक मर्ज किर्या त्मल र शुर्व छा ८न । छापि उभाव किहा जुलियाह

আমাৰ প্ৰান্তলাসী কৰি য়া আমাকে ঈশ্বৰখ্য-मार्ड कविया मक्षा शुक् आत्म लंड्या शिया अके लाकानीय मला जामार का ७ वाकिय। एक मिनम्ब देउन मिया छिन। वाकिया हिल किन् जातं शक्त श उ कि के अन् त्राय पिया তামার চকে তৈল দেয়। श्री के नारी पिया त्यापाक मिय जामि पिश्व भाइ ना। ठाइगढ जामात् पूरे शुंखन क्वजान भिन है के मक्षां शून रहे तक नमन शूद्व लड्ग्रांशियां माज

मिन पुर्वतला देवखेंचीव वा ही छ रास्था। भद् आ मारक नर्कत ममात् मा कविया ८५ शुष्टी भाष्टि छेटे माद्भ दिव निकं पाद्भ भूद्व भाग्य। भद्व देवम नाभ वातुव विश्लाप मड আমাকে নন্দন পুরে বা मार्याणी खिशाल देवम्भन थ ছिलान उथाय लहे या याय। उथा इर्ड पुरवलात वाषीक वाशि या याय द्वाक आदा न र्कत् मर्पात 'दशाद्यन्ता अ मानिक द्याध उ किन उ জীর মীর আর বুধই क्रिकिमंत्र ७ टेवमंत्राश

বাবুর একজন চাকর ক্রাক্ ন আমাকে বেতাই প্রামে नाजित मज्की अयानात् वा ही दे सर्मा याम । उथा য় আমি নক্ষর সদার গা व्यमान् वस मण्ड नाजित् সদাব আমাৰ সহিত জ काछि कवियादम् वलाय् ज श्रांक ध्यक्षात् कृतिया पुरे अर्व दिलाव नग्र नन्न भूत् आनिया के त्राक देवप्रभाभ वाबु जामारक त्मरहर् शुर्व हालान दम्य। ভাষাকে প্রথম গ্রেম্ভারীর १२ द्वांक अर्व केश्ववं वाग मलान (प्रया आप्रि मक् ल कथा आयुक रहलू छी

माजि क्षेष्ठे माइट्टें १कु त्व जानाई। अत्व आ भारक भानाम दमन

भाधव कार्विक्

# श्कुम श्रेल व

वामी क पृष्ठे ७ ठम्छ्व प्रकः भद्द जामाद काता जिम श्रिमीद्द उपछण द्वव निकरें भागान याय देंडि प्रन २৮ ७४ माल जावे भ ७ मार्ड

# ন্ত্ ৩৩

### ১৮ ৬৫। ২৬ আপ্ৰিল

वापी आहेग मत् श्री छा करिया कहिल आ मान नाम मश्र कार्निक्न भेठान नाम हाम कार्नि क्रां जाि जाि काला न्य म २६ वहमन लाभा नक्ष नुनानकन्य लाभा भए। कािना निनाम माखना भी भागा कालिश्य

भठ २१ टेंड जानित्य त ला २ श्रद्धत् भग्रं शोजे ता जामाभी निवास्ताक

লৌবে ও বক্স পাহারা-ও আলা ও অনুপদ্ধিত আ भीव পाइग्राख्यांना अ हा प भाशवाउद्यासा उ त्या नारे भाराबाउगाना जाभार राषीत शब न वर जमामाव भिवादनाक किछामा कवित्वन इति र्फ काविकरवव अहे वारी कि ना। जाङ्गाक इतिस त्कंत घत जानाई ज्या इयादिल। ये इविकं आ নাৰ চাচাত জ্ৰাতা হয়-এবং বাটীব মরেঃ বাস কিন্তু পৃথগন্ন হইতেছে৷ उपनख्य क्रमापाव इति ৰ্ফকে ধবিয়া আনিতে

एक्स प्रथाय इविकं जाशन धद्वं प्रवादा তেজाইया मिला आभीत उरक्म भाश्वाउयासा च द्व भर्षा अदम कवि या जाश्रास्क वाहित्व आ <u> अञ्चलय आविया वक्त्र</u> বেত দাবা প্রেট ও পা किल हुए भावित्व माश्रिल । जािंच वादिन इंदेश पा शक् भाखन प्रश्राय क माम्। व्रुम त्युगाग् व कृम जामाने इस शनिया त्वेउ माविल जेवः छाविभ के जिन कन भाशत्राख्या ला जामारक किंल ठफ

माविल। अम् मम्बा भ वान क्लिकिमाव जे भान আইল এবং অভগন্ত कवाव कावन जिज्जामा কর্ময় বলিল যে গত্র जिल्डं माल आलायु आ লমাল কৰ্ম্য এক্সপ অ তগচাব কবিয়াছে। পর जामना भागाय जाई य वः मादाशाव डेअपम মত এপানে নালিশ ক বী। চাঁদ কাবিকব ও মা निक विश्वाम उ उ पुरे का विक्त ७ जामीत कादी कर पिथिया ए। इति आत्रामी त्रिवालाक की বেব গভয়াল মতে করি

स जामाहित्य डेरेट्स छ स्टलाय हाँ पारे या भार श्री के किट्ट श्कूम (म्ड या याय) है जि

न् ७ ८

১৮৬৪।১৭ ডিমেম্বর ১২ ৭১। ৪ পৌষ

मर्कूमा माठिभिनात की कर्मात जामालख्त त्वाव कार्ति ज्ञामुङ वातू कालि हर्न त्वाश ताथवारामृत रुपूरि माजित्यु उपिन्ड

इउनाम माठभीवाव की

किमावी छाक्रज मभुनीय उर्मीलमात श्रियनाथा भा लिंड जाभन कर्मा द्रेड অবসর হইয়া কৃত ডিশ জিট ৫২ টাকা পাওয়া প্রার্থিত হইয়াছে। সদ্র वक्जीव ३३ जिटमे मुद्दत् বিপেটে প্রকাশ যে তত্ भिलमान ३५ ५७ आत्लत ২৬ মে তারিখে ঐ কমে त जाधिनीत अविवर्ष ए टाका जिलाजिए कवाय व य त्नव > ज्ञून अवित्थ क লা ২৪ পং প্রীয়ুক্ত কালে करेंद्र आरहत्ववं एजुत् माभिन इरेशास्त्र अवे उ हमील माद्वव ये क्यामधा

मिग हिमाव किञाव निष्म छि इहेगाट् । काम वाव छ डाङाव প্रछि काम म या ज्यो नाहे । या इंडेन उहमीन माव या कर्माव नि मोश होका फिलाजिए वा गिमाहिल, डाङां इहेट छ वमव इस्थाव स्टल होका उसारलह प्रश्चा कर्वाः

## **एकुम**

अञ दावकातीत नकला रकला २१ शत्रामात भिर् भावत धोयुक भाकित्युं है मारखन एकुर्व शाहान যায় যে ঐ ৫০ টাকা ও

যাপেয় দেওন নিমিও এ

আদালতে প্রেবন পক্ষে

উচিত গ্রুম প্রদানে ঝ

ধিত করেন ইতি

#### न ९ ७ ८

भूक श्ल उश्कि का उ लाम काव जिला में प फिरिया मृष्ट्र श्वरागा मृज नक काम क्रिकिमा के कि जालामी क्शिका मार्कि न जाली क्शिका मार्कि न जाली जला भा मुभम य भूका भाषा युभम य भूका भाषा क्शिका व भिक्ष जे जे का का २ माहेल वर्ष्यान २৮७० माल जाविश २० जुन मन २२१२ माल जाविश १ जाखन

अप्। पिता ७ शकात-মম্য জগন্ধথ পুরেব জ भीव किंकीमार्व खें भन श किया पिछ जारेमन का लिन जगिजिव डेशव भा বৈৰ ৰাজ্যৰ নিকট অখ র্ম গাছের তলে তথাকা व अक्रांत्र क्लिक्सव भ लाय ५७ (मय विवद्भ বাচনিক প্রকার ক্রনান্তর অধিন সমেত চন্দ্রকান্ত মি ত্র হেড কনফেবল ও ত্র लाक कन खिनल ७ छे

জমান ও আরীজ কৌকি व ७ जमनाय पुरवव है শ্বচন্দ্র মন্তল ও খাতেব চোকিদাব ও জগতীর পা চাই কাহার প্রভৃতি উক্ত भाइडलाग् अइंडिंग ने भा एक श्वर्विम्लिव भ्याना जांक मुख्य भनाष ला ক বাকা ভেতাবিয়া > গা हा नुउन मिंड (में आ कू लान डेश्व भा मारी हां आ ३॥ इंग्ड डेंक्ड अ अलात् म कि ये जान इरेड राम्श उं नी क पृष्टि कविया भे मकल वर्शिशतव दावा बाँगेट नामा हेगा डे अता उ. वंशिक्षात्वत् अ मृद्धत्

म्रग्त काम विकास व भाम उ जिमित् उ जामम उ मम ল বেহাবা ও ভগতির জা नान भी अ लाल भी अ जा বজান ও আব্মান খাঁ ও जाम्त्रमी अवमात् अ अक्रा न मन्मान ७ भारती ७ **পোসাল** গাজি ও রুফ ক र्यकाव उ यक् भ आभानिक उ अनुस्य अवाभानिक अञ् जित्र त्याका त्वलाग जशक क करिया पिश्रा भित य মূত্তের বয়স আন্দাজ ৪৬। ४१ वक्तत । मराभवर्ग भश म मित्र एक मुन्डि जिङ्गा गहित रहेग्राट् । भला त्म धा २ जाअती छ उड़ा म्डिव

দাগ চামতা কাটিয়া বসিয়া গিয়াছে। স্বীবে কোন দা গ জন্ম নাই ও মৃত্তের হ त्वत् मफ्की ७ अक्भाना कांचे नांची के भाइजनाय পড়িয়াছে। উপবেশ্ব ব किश्वत् निक्रे किखामा नाम कविया उम्छ क्वाय ও অনুসঞ্জান মতে জানা গ न य मृष अछि गविव म नुश्र । । १ १ मार्टी भविवाद वरमव प्रमूल । पुरे छिन मित्र अ शेविकान गदनत् ও নিজেব আহাবের কট হওয়ায় গতকলা রাত্রে চা বুটা ধান জানিয়া ভাহাত যে চাউল ইইয়াছিল ভাগ

বি ভাত পৰিবাৰ গৰ্মক पिया अ निटक किछ भारे वा उनः कीव मास्ड स গড়া কবিয়া সেই জিজা जाभना रहेत्ठ भनाय पि पिया मित्राट्य । इंदा का তিত তম্ মবনের প্রতি ত্যন কোর কার্ন বাই। এकार्न भूट्डर लाम प्रभ ল ক্রনার্মে তম্য ও্যারে त्मव त्क्रमाय पिया मृत्क র জীব এজাহার ও মা লেক জামিনের পঞ্চের এ एउला मरु नि विपिलाम । है छि भन ३४७०। २० जुन

### মং ৩৬

महामहिम श्रीयुष कार्ने माकिट्यु माट्न कला कमन बनावत्व ।

म्त्रभाश श्रीयस्त्रभाकत् स्माकाम् वाजाः काली भ अ भवाद्य सङ्ग्राम् माठ् नित्रम्य अर्थ भावा काली भक्षत् जावड श्रुलीम जाम ला भवे द्याप्तवा इर्ग्या-आमाव वाणीत् भव जावधि कात्र क्षत्यम श्रवंक जामा का भाक्षा कविया भावा क भाक्षा कविया भावा व भावत्म क्षम् वाश्रीम व एका जिस्सामा कविया ल उद्या अट्टरि त्याकम्मा ला भन करा इंडिंगमी बाक क्रमा भाना काउ उपानीत দারোপার দারা তদভেব श्रार्थनां य जात्री एकुद्व प्त খাও ক্রায় মোকদমার ত मात्क जने नावन मार्वाभा बर्गम्य नाकानार्या थे व्या কদমাৰ তদাৰ্ক জনঃ ঐ भागान माद्य माद्याभान म करे अव्उद्याना वाश्विद्यादछन ধর্মাৰতার উঞ্জ দাহেব দা ৰুগাৰ ঐ মোকদমাৰ তদা রক পঞ্চে তামী নিভান্ত না बाक जादा बावा भाकप भाव उठीछ छमात्क इर्

ক না কাৰ্ন আমাৰ আ मामी डेंड भाना कली भ ध्कृत नाथर पाद्यभा क्रेबीनी কান্ত ৰায় ঐ সাহেব দাৰো গাৰ নিজেৰ পালিত লোক এবং আমি এইক্স ভাহার নামে দ্রুথান্ড ক্রায় সাত্রে माखामा माद्य जाश्राक व ই সংবাদ অপ্রেদিয়া সাবধা न करिया प्रज्यात्व जामा भी उंछ भाग्र माद्रामा अ ভূতি তামাৰ মানীত সাজী मातुम गत्नु ज्ञाद्ध धरिया मा দন কবিতেছেন এবং আমী वह प्रभाख क्राय छेउ ना এব দাবোগা আমার পর অ ত্তে বাগত হুইয়া আমাকে

प्रस्ति। नाना अकात् उरुभाउ कविरुद्धन जाइग्र उत्भाद्ध र जन्मनाग कान मत्र छि हाय शाकित्व भाविमा श्रका বন দ্ৰুপাল কবিয়া প্ৰাথীত य जामान अहे साकर्ममान তদাৰক জনঃ মানা কোতও यानीत प्रवेशिमारशक्षीत प्र राज्यत् नाद्य शत्रामा अ हार कविटा जाला इस इंहि अस २२१२१४ केंद्र

न ७१

भवर्व भाकाभ वाक्रहे शृद्वा भएकुमाव क स्प्रेमीव आश्रीन মহামহিম শ্রীয়ুত্ত জেলা ২৪ প্রথমার মাজিট্রেট মাহেৰ ব্রাক্রেণ্

দৰ্মাশু অপৌল রসার জেড়ে लभाग्व द्याज्या छशवानभुव সাকিনের জীবামধন মন্ডলের नित्वम्न अहे व्य कंत्रिशामी নব্ৰুমার বন্দোপাধগয়ের না लिमी काशफ़ इतित त्माकर्म मा त्याः वाकरे भुत्वव भी युष्ण अत्रिक्षाण बार्षिदक्षे मा क्व जन ३४:३८ मा त्लर् भछ তারিপ্সে আমার ও মাহার্ম याम मियाद्धन अ श्रुम जा মার পঞ্জে নিতান্ত অনগয় হন্তমায় তাহার অসমতিতে

निस्मान निभिष्ठ दङ्ख्यारम् जा श्रील क्रिट्डि श्रिनिशादन বিচাৰ অপজ্ঞা হয় । । वामीत अकशत ७ ७म गुक्तराया पाक्रीमत्ने कवान वनी शत्रक्षत् जलकः इथ्या य वाहित वाही जावह्छ ना হওয়ার হুলে মেয়াদ দেওয়া নিতান্ত অনস্য। ।२। वामीत ७ उद्यान नाकी গনের দারা প্রকাশ যে আমী यश्कालीन वक्त हुवी कविया ছিলাম তৎকালীন তথায वामी ७ जंगः मांकी ७ मादा গা ও অপর্ ২ বছত্র লোক উপাস্থত ছিল বাস্তবিক আ भा कर्षक द्वृति यथार्थ इरुस

उरक्रमारं रख महभड़ अयम। इं প্রথার কবিত। তাতা নাক রায় এবং ৩ংপ্রতি সাহেব मनुमूर्क अनिश्वन ना कविया भियाम प्रथम आमार् मम् র বৈগ্না বলিতে হুইবেক।-101 जामि महहित्यव भनु ৪১ তাহা বাদার ও আমার मानिक अञ्चराया माक्रोत म বা বিধিমতে প্রকাশ হওয়ায় च्रा आभारक निव्भव्यास মেষাদ্ দেওয়া ভালধত ৷-181 वामीत भार्की काला की কিদাবের এজাহার মতে বা না কাওবা ও জদুনাথকৰ वम्भार्यम ७ ज्यांहिनाय मा द्राभा हालान मिरोय आमि

े बन्दी पिशद्य व प्राचित्र श তে সার্ক্তা দেওসায় ভাহাতে के वामी फिशव भालाम इ है एक अवः प्राध्व नकत् अ काली क्रीकीमाद्वत् नादम टाका काडिया लश्यात मान es নালিস ক্রায় আমি के किकीमाद्व विभक्त नार्का एएउग्राम् थे नमख ञाहिलाय माद्रामा ७ की কিদাবের সহিত আৎঋজ থাকায় উহারণ বাদিব স হিত যোগাযোগ এই মি श्रां घटेना क्वा छिन्न नक् । ८। जाद्य प्रदुपुटकं व वात्उ र्पयकालाय ७ वापि द कामर जाकीत माता

श्रकामा य पारवामा जाया কে নিজে ভেন্তাৰ কৰিয়া ट्रिय किंकु घश्रन मात्राण नाट्य मध्मुदर्भत् इकुद्व राजित रहेगा रलक्षेत अल হার দেন নাই তথ্ন সা कीत् श्रिड निर्ध्य करिया মেয়াদ দেওয়া অনগ্ৰ ও অবিচাৰ বলিতে হটবেক। । ও। আমা কর্তৃক চুরা য भार्थ इंद्रेटल इंद्रिंद माल जामि निटक लेट्या याइ ভাম। ভাহা না লইয়া আ মাৰ ভানাত্ৰীয় ও ভালেনা ভিন্ন প্রামবাসা বাদীর এজ হাবি ছোক্রা রাপাল আ भागीत निक्षे हुनीत रेड

দেওয়া ভাতি তামন্তব। এ গ ভিকে ভর্মা আছে যে হ कृत्वव विहाद आत्रिकान সাহেব মহসুর্ফের অনগয় বিচার কথনা বলবৎ থাকি वक ना -191 यपिष्ठ मार्ख्योगन क्षका भ कद्व या थे कान कविश জলপান করার সময়ে কা পত्रव गावेदि निक्रे वाश्रि शाहिल र्कलंड: मड इडेल ये भगेवि अधिक हृद्वं शा কিবাৰ সম্ভব নহে ভাতি নিকট বাসিবাব সম্ভব। এ গতিকে আমা কণ্ঠক চুর্ यथार्थ इट्रेट्स वादी उ मा क्षीनंन जाभारक नेनामन

नासस्विया पारवाशाटक 'रुप्ता ও ভাষিক पूद्द खाद्यादक ध প্তার করে। কারন কি। বা मि ७ मार्काशन स्यर् २ हू বিব কালীন ভাবশাই ধ্ত কবিত। জাব ২ বিভাবিত মি छिलं कालीन निदरम्भ करि द। অতথব আপীল करिया প্রাথিত যে জিম তলবান্ত সুবিচার অনগয় প্রুম বহি उ शूर्वक कान्। आरत्वं भाग হইতে মুও কবিতে আজে হয় । इंडि मन ३२१ माल २२ की खन जन ३५७८। • मार्क एकु घ आशीरनत् विक्रिंड नम्ब मि য়া নিম ভলৰ ক্ৰা যায়াস

७८ मान ८ मार्क अप्र आभी ल मिश्र लिम इंद्रेश ताथान ह्या करापीत त्यम मिश्र ह्या के क्ष्म भाका का ना याय ना उपटा कामा आ न करापीत त्यम कठ जारा निश्चित् कर्म क्ष्म । ताथा निश्चित् कर्म क्ष्म क्ष्म । ताथा



**म**१७५

মহামহিম স্ত্রীয়ুপ্ত দি দুল জেলা ২৪ পরগনার দি দি কালেকটর সাহেব দি দি বরাবরেড় শি শি

वामी শ্রীব্রজনাথ বায় খ্রীনবিনচন্দ্র নন্দী সাংআহিবিটোলা श्रार्फेंगिडिशी সহর কলিকাতা ডিহা পঞ্চারপাম

श्रिकामी

मावी दे मन ३२१० मादलक आ श्विन ना॰ लाय उनदिव वाकि काक़ा आजना माय मुम् काः 8> টাকা नालिएन् विवत्न अ रे व्य डिश् भक्तम आत्मर्

पत्था उंगी त्डिन शाप आ-पात श्रविमा अकत सूपि य आष्ट् - उन्म (४८ % विधा জ মি ইন্তক সন, ১২৩ ১ সা-লের মাহ, ফাক্রণ লাংসন ३२१७ मालिय पार् पाघ 8 ज़ित्र अन प्रशास क्षि वामी मङ्कूत मात्रिक त्यार् ३०० धेका रिभाव आनियाना ३३% टीका छाड़ा याजाना अवशाबित्उ प्रन ३२७० मा-লের ১০ ঢাভাণ তারিমে আমা বরাবর পিরি মেন্ট क्रबूल जि लिथिया पिया दा-জন্ম আদায় পূর্বেক দখলিকার आर्ष् जादार्ज दे प्रम ३२१० मा-নের আশিন লাংশৌষ ৪ চারি

पाश् उल्लाव राकी उाष्ट्रायाज्या (कार्8॰, प्रांका ७ किडी (थला नि मूल रे वक रोका धकुल 82 টাকা আমার ওয়াজিবী পাওনা তলব তাগাদায় আদায় করেনা খতএব সন ১৮৫৯ সানের ১০ আইনের ২৩ ধারার ৪ প্রক-त्र घटा अधिवापीत फ्रिक क वूल छ माश रिमाय मयलिङ नालिज कतिया आर्थिनिय त्य किउ मंठ প্रठिवामी प्रक्रक्र रक र्जुद তলব করিয়া আমার নিকট প্রমানাদি গ্রহণে মায় मृদ मा-वित्र रोका अ आपाम उक मूह थर्डा भरमज अ आर्न मज जा मिज़र म र देवला रेख आखा

হয় নিবেদন ইতি সন ১২
৭০ সাল তাং ২৮ মাঘ
আমি প্রীক্রজনাথ রায় প্রু
রে জানাইতেছি যে অত্র আ
রজির লিখিত বিবর্ন আমা
র জ্ঞান ও বিশ্বাস মাত্র সত্র ইতি প্রীক্রজনাথ রায়

ত্কুম হইল ডিঃ কালেকটার আবদুল লগী ফের হজুরে সোপদ করা যায় ১৮৬৪।১৫ ফেব্রুয়ারি হকুম

আগত ১৭ মার্চ দিন ধার্যাত্তা মতে সমন জারি হয় সন ১৮৬৪। ৮ মার্চ

#### म् ७३

মহামহিম জেলা ২৪ পর গনার প্রীয়ুক্ত কালেকটর নাহের ব্রাবরেণ্ড ২৪নং বহিশ ১৮৬৬।৬৭

দ্রুপাশু তালুকে নাম জারি র প্রাথিনা ভ্রীভাগরতি চৌধুরানী জাও-জে ও গৌরাজ্যুল রায় চৌ ধুরী সাকিম আজিজপুর, গ্রগরে সাইহাটী। নিরেদ ন এই যে স্বামী মহাশয়ে র পৈতৃক তালুক অত জেলা

त छोजित निश्चित भागनः भश्-न कीः भवगरम भारे श्रीत भा-তে সাজিজ পুর দিগর মৌজা-श्रत जाश डेक नेपद बुज, त्रघू, द्राप, कृष्य, ताज तीश जुक नात्म कान्यानि ७ >> / ৮-गिका जमा लिया जाय ये अलू-त्क आभी घरामायव भीउ। उन क जुक नात्मत प्राधा । क्ष অর্থীৎকৃষ্ণ দৈবরায় মহাশয়ের वक्म क्री जाना ने क्षा करत्वत ৩ পুত্র জে ষ্ঠ লৌরাম্ম চন্দ্র মধ্যোম রামপ্রাণ কর্নিষ্ঠ পার্মতী চরণরায় **७ विधाप्र** श्वामी डेक लोवाञ्च-एक वाम मश्यास्य निकार्य রক্র (৭×৪ সাত গোভা हाति एखी रहेटउए यापी

মহাশয় উক্ত ব্ৰুমে দুখলি-কার থাকিয়া অপুত্রক সন-১২৩° সালে লোকাতর গমন कतात आपि उंधाधिकाती विधा-য় স্বামী মহাশয়ের তেয় -উক্ত রক্ষ তালুকে নিল তারা ও হর মো-रिनों द्रोधूतं नी उ कालिन। थतांश - अ , हम्द नाधाताम् हो भुति । कालिकाउ ७ निल कमले ७ षात्रि কা নাথ ও ঘাধৰ চন্দ্ৰ রায় চৌধু-রি প্রতৃতি সরিকানের সহি-ত এজমালে দ্থলিকার আছি अज्याय अरेक्षण के जान्त আমার নাম জারি করা আ বশ্যক একাব্ণ মত্র দ্রথান্ত क्रिया आर्थिंग ए डेक तक्य अन्ति था-

মার নাম জারি করিতে আ জো হ্য। নিবেদন। ইতি সন ১২৭০ সাল তারিখা ২৮ ভাত্র

তপদীল
দাখিলা
দাখিলা
দান ১৮ ৬৬ সালের ৮ জানু
যারী ও ২৬ জানু ডারিখের
খাজানা আদায়ের সহি মা
হরের দাখিলা দুই ২ কেতা
মাত্র

## वामी

श्रीनामक्रक तत्मा भाषाय तार् जानत्व श्री वृत्तावन एउ मार्लाक्षी भर्वित्राष्टी

श्रीकाषा भार्न मस्त आर् रिकामा अन्दर्भ

पादी जन २२०० जालन है९ दिनाचा ना९ जन २२०२ जा द्वा जाचिन छलादन वा की आजना जामाय वाद जाय जुम का९ ४०५० हो

नात्मव भूव भः विनि श्रो

ক্য ও ডামিজ প্রাওয়ার

যেহেতু মনিব মহাশয়েব श्रविमा हरू शः भयमा भो জে বামনগাছী যে আছে उपार्थः > रत्यः माली १ বিঘা জমাব কাত সালয় ना २० टेका जनाय श्रवि वामी मज्ज्ञत मन २२ ७० मालाव २२ ट्लिक जाविला भनिव भश्भार्यव नाभ ब वाद्व अक क्षा क्रूनि पिया हाम जािम हाता জমি জমায় এতক দুখা नीकार चाट्य, म मल े जमाय मन २२१० माल व दे दिसाभ नाः मन ১২৭২ সালেব আশ্বীন ত लर्दिव जामाय काटम वा

की भाजना आभल ७৮% राका उं किसी ध्यामाशी मूम २१४० छाकं अकंत 894% छाका अिंवभीव স্থানে আমার ওয়াজিবী भाउना पर्याउठ उसर जाभाषा य जाम्य ना क वाय ३৮৫२ मालव >• মতে বাকীব হিসাবে ও मुलम्लील अिव्यमीव मी घडे क्वलंडि अम्सिट ज वी नालिंग कविया आर्थ ন্য যে সমনের দ্বাবাপ্র ভিৰাদিক তলৰ কৰিয়া श्रमानामि शक्ते वाकीव भवलक भक्कर आभाग उक सूम थवंघा उच्चिम

क प्रताहेट आका र्ग इंडि मन ३४-७० माल ७३ জাক্টব্ৰ আমি বাদী ইহা প্রকাশ কবিতেছি এই আর্জীর লিখিত কথা আমাৰ জা ন বিষ্পাস মতে সতঃ ই ভ শ্রীবামক্রপ্স বন্দোপাধ্যায এজলাস জ্রায়ুক্ত এ: মেকা की माद्य डि: काः ज ला २८ भव्शना ध्कुभ इरेस य

उसवाना माभिल करव ना क्रीड़ देक: ८५३ इंडि

# সন ১৮৬৫ সাল তারিখ ৩১ ত্রীসগমাচবন বন্দোপাধগয় মোহবের

বিচারার্ম ডিঃ কাঃ দ্রীযুপ্ত নৌলুরী দ্লিল উদ্দীন শাঁ বাহাদুর সমিপে অপনীহ্য সন ১৮৬৫। ৭ নবেম্ব দ্রীসগমাচ্বন বন্দোপাধ্যায় মোহবের

भः अयुष्ट त्मोलवी म्लिल उद्मीन भा वाश्मृत तड श्रीकात्लकरेत्

প্কুম হুইল যে

२० नरवस्त जातिक विभ त्वर मिन भागंजात श्रिक्ठ समित नात्म नमन जाति कता याय हेकि मन २५% माल जातिश्र २० नत्वस्त आज जात्जीत महिक मा श्रिली मिनिक मिति या श्रिक्टिया विभिया मि

लाभ रेडि मन २৮५५ मा ल जातिश्र २ —

खोन्। मकक वत्न्। भाषाया वः दीन नाभ नाय भाष्ट्रत्व

छमः दाता पुरे अश्व र णेव नमय वासी जाभन माकीत शक्ति माभील क রায় অনানা মোকদ্মার কায়ে লিগু মাকায় ডাদ ज्यानवसी इठेंद्र मा भा বিষা হকুম হইল আগত २० नत्यम् जातिस्य लम र्य, के मित्रम कामी आ भन नाकी शिक्दन जाम इंडि जन ३५७९।२३ नत्यभ्व

ন্ ৪১

মহামহিম দ্রীয়ুপ্ত জেলা ২৪ প্রথনার কালেক্টার সাহেৰ ব্যাবরেঞ্জ বাদী জ্রীকাশীনাথ গ্রোধ-দাং জ্বিণট পং মণ্ডব্য

প্রতিবাদী
প্রজাও মদ্নমোহন সাঁড়ার
ওয়ারিস মালামালের দ্যা
লীকার প্রত প্রতি সাঁড়া
সাই গঙা চন্দ্রীপুর পণ মূ
ভাগাঁছা মানা আছীপুর

দ্বি গজা চন্ত্ৰীপুর প্রামৃত্বি ত শেবাজি ১০ বিহা জ মার ফি: বিহা ১০ টাকা হারে করলতি পাইবার প্রার্থনায় সালিয়ানা জমা ১৯% টাকার তায়দাদ ৩০০

टाकारङ्खु अहे य मुख़ामाहा প্ৰপ্ৰাৰ গজা চ্ট্তীপুৰ গ্ৰা मित्र अपे जिलाव मन्त् आ मिनी जामासक्यामाध्यीपम নজারীর কারা আমার দ্খ ল প্রাশ্ত ভুমির মধ্যে ত পর্সালের টোহদী হিত থে राकी अक लखें ७।० विशा क्रिकिशिविश्वामी मक्तूव দশলীকার আছে। ঐ জ मिन भाजना मानियाना ७२) টাকা মহেম্বীদাসী क पिछ। छाशंद छा भाव के नालीजनाट डेङ मद्भवीत चड तिहुछ इ ওয়ায় ঐ জমি আমি আ भाव छिकी मुद्य काम न

इनवाद दन्ता मन ३२१२ मालित २४ जां जांवित्थ म्भलक्षास्य इहिंशा हि । अका श्राचित्रामीत देका एक जिपित क्रभा उरमार्श्ववर्षी क्रिय হাবের কম মাকাম এবং उक क्रि अक्षव निमा পরিশ্রমে উবর্ব ও সসঃ ও মুলাঃ কৃষ্ণি হওয়ায় ফি: विद्या प्रालियाना २०) छ।का হাবে উক্ত ৬। বিদ্যা জ মিব কাত ৬২॥ টাকাজ भार कर्नाड मिट उभा का लहेक अठिवाही व लि তাবে: ৰাবন্ধাব বল।য় স ना द्वारा ठाइम्ब नाम ३৮०७७नः विष्य ७०७न

मालिम कविद्रक उंड प्रम न साइन क्लीड क्राय न মোকদ্মায় উক্ত প্রতিবা मिरक जामाधिव व्यमीष्ठक क्वादाव प्रभाउ क्नारे কাল বিলঘ্ নুত্র ঐ থো কদ্মা গত ১৬ এপ্রেল भाविक इंश्याब्ह । उ९भ द्व के अर्देश के किरामि त नाता नुजन नालिम করায় পদাতিকের কেত न माभित्लव देशियन) छा य भाविक इङ्गाइ। जाउवन वह श्रेडिनामीन म्भटल उँक क्रिम भाका य उद्याद नाटम नालम क्वा जावभाक अकारन

के अ। विचा जिम्ब मालि जाना ७२॥० छाका क्रमाय क्वलिंछ भाइवाद कावन उभनीदम्य जायमादम् ३५ ৫৯। ১০ জাইনের ২৩ भा का २ श्रकत्न मत्र श्रिष्ठ रामीत नाता अहे नालिम कवित्छि । इंछि मन ३৮ ७७ माल जाविभ २ तम ভপসীল জমি **अट्रेस**र्छ ४ वल्म ७१ विशा

इंश्र को इसी तमि प्री त जामीत पिक्रिन क्षाल कर्णप नक्षत्त्र ७ जाक्र त कालात ७ तमनी प्री त-क्षमीत शूर्व मन्नर्भाः ড়াঁর ও মানিক কবিরা জের জমির উপ্তার দে বিচর্ন ঘোষের ক্রশ্নত্বে জমির ও মুচদীন মোগ্রা র জমির পশ্চিম

जलजील भाली ७ तमारे अकत्य वालान ०१० विद्या कि: विद्या २० छाकान जिमात्व मालियाना ०२०० छेका कमानं कन्नि ला हैवान वावज अयमाम् ०००

भे के काला का नाक् का के का का का नाक् का कि का नाका का नाक् का का व्यानकी का का সকল কথা লিখিত জা ছে তাহ। জামার জান ও বিস্থাসমতে সভঃ।

न १८२

भश्भिक क्रीयुष क्ला २८ शत्भनात क्राटलद्धेत भाट्य व्यवस्थ्र

म्रुभाख-वार्मा होणी अवस्थात वि क्षूत्र निवामी आकासाण म प्रभावकीत निवामन के व्य प्रक व्यक्तात काटलक प्रतीत व्यक्तिकुछ : ১১৮ नर्जासुक अन्तात हाडि याधव स्मोत्ज बाजाव पि গর যাহার সদ্র জমা १४८ छोका शक्तानाताग्रम त्राय को धुनी मी भन मात्म तथा यारे वे अनुका আমার রকম ১১।২ আ नार काउं काम्मानी २०10 ৩ টাকা সদ্ব জন্ম আ भार नाम जाति जाटह अ जालुत्कत् जाभनाभन् भविकान भालखंडा वा पाय अल्क्ष मर्वपा श्रुषी ক্ৰিয়া মাকেন তাহাতে আমার অংশের সদ্ধন शनी इइवाव मसावना विषय जन २৮ एन जा लित् >> छाई तन् २० श

কাৰ বিধান মতে হিসাৰ अञ्चर करा आरीम क प कार्न फिट्मर ३४ छाका ও नाम जातित दगरकारी मम्बिंछ प्रभाख क्रिया প্রার্থিত যে আমার অং শের বক্ম ১১।২ আপনাব উত্ত হিসাব সভন্তব ক ব্নেৰ পক্ষে বিহিত আ দেশ প্রদান কবিতে আ प्छा इय नित्तमन इंछि म ন ১৮৬৬ সাল তাবিথা ১ সেপ্তেম্ব वक्ष ४२।२ जानाव काउ मात्व कामा २०।४७ हाका बाव द्याजानिकनाथ ह्य वडी विकंदड अ ८का छ

মহামহিম জেলা ২৪ পর-গণার শ্রীযুক্ত কালেকটর সাহেব বরাবরেষু

प्तथाष्ठ की काछिम मखल ও প্রীতারা চাঁদ সভ ল ও শীছাদেক মণ্ডল ও শীজা কের মণ্ডল সাং ধাড়া ও শ্রীরাম হরিমণ্ডল ও প্রী अभित गाजी माः छ्डी পুর ও শ্রীপদ্ম মণ্ডল ও चो छेपय नाताय न प्रखल দাং বামে ও গ্রীরামরতন मखल ७ जीत्ना भी नाथ न-कत नाः भा निशाम विषय मकि भः भारे वा श्री में

विष्न थरेख भवग्ना प्रक्रम्ख्त डे ক্ত প্রাম দ্বায়ের ওমৌজে শাটরাও বাড় जुनि । धाय भूत ७ मिन পুর ও থড় গাছি ও লোবি-प शूत अ का निका शूत पि পরের তালুক দার শ্রীরা भा रक्षव ताय े श्रीप्रिक किना प्रति पिनात आ মাদি লের এবং অন্তহ্প্র जागरणत शास्त शूलवनी দিগরের থরচা সমেত ফি-विधा भरेश क्रिका आना দ্সকভার হিসাবে জমার অক্ষে জোর জুনুম আ-फिंत हाता आमारा कांत्र-য়া লহতেছেন কিনু ও জ গ্রাম ছায়ের 'লোনা

ज्ञ न आहेका बात ज्या भारता मामक य र्वाप ष्टिन जाश प्रताप्रजामि ना कताश किया निमाह देश ७ छात २ जिल्ला लाना जल डेरिया डेक দেশ পয়সাল পুৰবিক यानक यानक प्राक्ता क রার হইয়াছে এবং আ-मा पि लोंबे त्जी ज आता मी ज মিতে লোনা জলের ছয়লা शीट नामा मि ना इखशाय লোক সানী জমা সরবরাহ করিতে প্রাণান্ত হইয়া তি कि एक भारितारे। जान কদারান তাহাতে কোন कत्य मं तायान कत्रम

36-6-

नाहे, धर्म अवंशत। प्रन কের মালিক: আমরা দী न पू:श्री थाजा भाजपाव प्रकास करिशा कर्मिना त्य व भाग्य ध्यं जामीलात প্রতি কুপাব লোকন পুর্মক श्रुल वनी जारंदतं घोती উক্ত গ্রাম দ্বয়ের পুলবন্দী क्रिय़ा फिट्ड अथवां जो श्ट ए जुद्र प्रतकी ना श्ट्रेल डेक अनूक पारी-নের প্রতি হুকুম জাত্র র হয় যে উক্ত বাঁদ মো স্তাকিম ৰূপে বানিয়া দিয়া সনক্ষন মেরামত করিতে থাকেন তবে আম রা ভিষ্কিতে পণরি । ত্রী

যুক্ত ধর্ম অবতার মালিক ইহা নিবেদ্র ইতি সন ইই ৫৬ সাল তারিখ ২২ চেত্র

**न**९88

মহা মহিম জেলা ২৪ প-রগণার শ্রীযুক্ত কালেক টর সাহেব বরাবরেষু

वामी

শ্রীগোপাল চক্র ঘোষ ও
শ্রীবামাসুন্রী দাসী জওজে
ও বৈক্ষনাথ চড় চড়ি
সাং বামুন গাছী ও জয়রা
মপুর পঃ বালিয়া

্প্রতিবাদী -**बीनविन हक्त वाधिक** সাং বামুন গাছি-পরগণে বালিয়া पारी कप्र त्रभ ७। १ विद्या তুমির পুর্ব দ্থল পাই বার প্রার্থনা তায় দাদ ৪০০ টাকা दिख धरे या वानिशा भ রগনার বামুন গাছী আঅ त निम्न लिथिंज छोर्डे भीत अखर्गकः ३ वत्म १/१ वि-ঘা জমীর কাত ৩০% টা কা বাৰ্ষিক জমা ধাৰ্ঘ ভায় সন ১২৬১ সালোর

२३ आधिन जातिद्व श्र তি বাুদীর বায়া গঙ্গাধর णित निकरे क बुल छि पिशा **भारती** शहरा वन বাস আদীর দারা जन्म आमाय श्वर्वक मा থিলাপ্রাঞ্চে দ্থলিকার আছি।প্রতিবাদী মজকু त मने ३२१२ जात्लत को ल थून माश्रास्त्र भा निकी श्वव श्रेतिम कतिया भे श्व মির মধ্যে আমাদের বা ही आमाजी भ कारी वादम বকী কমবেশ ৬18 বিঘা ष्ट्रिष्ठ आयादम् वाँभ उकला पित वागान । श्र क्रविनी थाकाय गठ ७ वे

শাথ তারিখে প্রতিবাদী মজকুর জবর দ্বী দ্বারা ঐ বাণানের ফলাদি পা ডিয়া ও বাঁশ ও রক্ষাদী কা টিয়া ওছর পাত করিতে থাকায় আমরা মোজাহে म रहेल अउ वाषी मज कूत यो मामि गरक शंकारे या मिवाय भे अविशे इ टेट्ड विष्यलित कास्प श्रेश एक। त्मम त्उ मन ३५ **८** भारत > भारति त ২৩ ধারার ৩ প্রকরণ মতে भूल पिलल भाषा ७ पा थिला पश्वनिउ नानिम क রিয়া প্রার্থিত যে প্রতিবা বাদীকে তলব প্রব্রক আমা

दम्द निक्रे अभागापि अइ নে দাবীকৃত ভুমিতে পুর দখল মায় খ্ৰুচা দেলা ইন্তে আজাহ্য আৰু প্ৰ কাশ মাকে যে তছ্রপা তেব নালিস পশ্চাতে ক विव । निर्विमन इंडि ज न २५७७। जारिय १२ জুন उभेभीस काइमी उउद ১বন্দে ৭/৪ (ভাগাড় বাস্তা शुक्व पश्चिम श्रम्भीभ जागाएं वाखा (कं कीव्याव) जावार्धिम (মাদের জমী)ও মধুসদন ওৰজেচন্দ্ৰ মালেক্ভুফী সন ৰাটী

ज्ञित्रीलम्लील

मन ३२७३ मार्ट्सर् २३ जासिन जानित्यतं १४ सम्बन्धाः लिथिया एए श्राप्ट अठी भाष्ठे। २ दक्जा मन ३२०३ मालन्म्भिला २ दक्जा रेखक मन ३२०२। नाः मन ३२१२ मालन् ए। थिला ३० दक्जा मन ३२१२ मालनं माथिला १ दक्जा

अभि खी ला भारत छात्र अधि शामान्न मिनी हैश अधिवामान्न मिनी हैश पाना जानाहेट हि या उप जानकीन मिनिक निन्न आभारमन द्वान १ निभाम में क में के हैं ब्रीकाश्रालक्क व्याव

न् १८

মহামহিম প্রীয়ুত জেলা ২৪ পর্গনার কালেক্টর সাহেব ব্রাবরেঞ্চ

रामी

শ্রীনবিনক্ষা ষসু নিলাম মরিদা জমীদার মহল মড়ফা সাং শোভারাজার সহর কলিকাতা

श्रुविश्वामी श्रीक्रियं कृष्ण राजान हेजातामात भर्ल भएका जाः भर्तान्योग प्रश्त किल रुपा राषी मन २२ १० मा त्लात् हे खरु काछन मन २२ १२ माल् देख किछीत् उलद्व जामल २१ १४ ४ मुफ् २ ४ १४ २

३२१०५००० विवत्न अक्ट्रेट्य कलिकाजा भः ३२८५ नः आभात भ तिएा ज्ञाम एभली भक्ल भण्या जालुक याका भत्र काद्व भाम जामत्व श जियारी मङ्कुत मालिया मां का॰ ११४१ छोका

জনা ধামস্তায় ২০ বংস্ক मुफ्द जन ३२ ९४ मादल র ৬ আসাড় তারিশে भवकात इरेट - १२ मर्स्म ইজারা লইয়া সরকার হইতে আমল নামা প্রা छ श्रवंकं कतुलि लिथि या पियाछित्नने त्य क्व लिं लिशिष्ठ कान कि हीं अलाभ इहे लाहे मा ल जात्भवी जदशका ना कविया थे मलव मक्ष्र भाषा तिरुष रहेद्वक, अ হাতে প্রতিবাদী মজকর गन २२ १० मादलव किसी क्लीव छाका जामादाव विघ्न कंत्राय ने भइल भ

ज्या जासूक श्राज्यापीव নামে জোত বৰখান্তেব नालीभ कविषा जन ३३ १२ मात्सर तिमाभ मा হাৰ খাস দখল পাইয়া हिं किछ अछिवामीव है জাবা সম্য দুখল আ शादम्य है: मन २२ १० मा त्सव क्षंग्छन नाः जन अ १) मात्सन् देव उत्तद्व किन्ठीत जामल २१२ १४ टाका ७ किसी त्थला भीत ग्रुप ना॰ जन २२९० मादलत् जामाण २०८५० हाका जक्त ३२१०५० उ का विः शिमाव श्राप्टिनामी व निक्रे भाषना जलव

जागाम्य जाम्य नां क রায় নালিশের কারন হ ইয়াছে জতএব দ্ন ১৮ १२ मालाद २० आहेतन्त विधानना वाकीव हिमाव मयलिङ श्राञ्चामीवं ना म नालिंग कविक्छि श्रमानामी शहलं रामी भाग भवा जामल मुम ও ৩৬ আইন মতে ডা मिक प्लाइंट जाखा হ্য ইতি সন ১৮৩৩ সা ল ২৬ আগর্ফ जावकीव निभिष्ठ विवक ভাগমার জ্ঞান ও বিদ্যাস মতে সভা अंगिरिनक्छ वनु

## 4582

মহামহিম জেলা ২৪ পর গনার প্রীয়ুক্ত কালেকটর মাহেব বর্গবরেঞ্চ

वामी

ख्रीत्किनिष्क तम् भूर्ति कानत्व ख्रीकाकीकाख राम कार्युती ७ ख्रीकात्राक्रमात् राम् किसूर्ति मा९ रा ना उलग अ९ भाम शुर

প্রতিবাদী

শ্রীমপুরা মোহন সরকার

নাএব সাং হাং বেড়াল

পং মাগুরা

वाही है: प्रम २२ व आल नाष २२ व२ प्राप्ता माह भाष भग्र एक ने निकासी काशक अठलिंड आहे नाब २४ भारामुमा त्व भारे वाव आर्थना डाग्रमा क् का९ ७०० ठाका

विवत्न के एय नाक्षत्र अभि अठिवामी मज्जुक भीन व शत्नव शिक्क जामे मानी ७२० जालुक लम्म त भूव अभाग्यक स्मोजा कार्यक अज्ञामक भाजा कार्यक अज्ञामक अज्ञाम ना भज्ञामी क्षर लामका क क्षानामक अजिनामा क अञ्जामान अजिनामा क अग्रास्ट्रक क्षानामा

नाव छाका भनिव शदनव छा॰्भ त्क्य भे छाना जार्ता जामाग्र एक्सीता व कावन भन ३२७१ भा व्यव ३८ देख छ जातित्थ কবুলতি অৰ্পনে বডিসাব मम्बं काछावी 'आकाष्त्र नात्यं केंद्रभ निकुष व इया कर्म कायः निव्वाइ कविया जामिएकी अक त भन २१ १० भारतन है। देवमाथ ना९ ३२१३ मा লেৰ মাহ মাঘ তক সে विछान नया किया क मा भवह - अर्थाः मध র আদ্যেয়ী টাকার জমা अशमील वाकी अ शिमा

वी त्याका इंडाफी कांग জাত ও তহ্বীলের মজত टाका गाउव अठिवामी भक्तत अञादना भूवर्वक নিকাস বৰু সমৰু কৰিয়া ना पिया अठ २ काश्रन अविश इरेट कर्मा भ विडाम कविया नियाह एक्द नालिम राजि ड क निकामी काशक उउ श्वित्वव भक्षुउ छाकात् निकास भाउरा पुरुत अ कार्न एजुद् अम्लि अहित्व रेष्ठ धातात प्रश्न नुमार्व अन्य नालिम क्रि या अर्थिक य ४ नम्ब विवरंभन ३४७९ माल्य

अक्ष मः ३० डारकिएव स्मा कम्माय श्रिकामीव योक उ क्रमण अञ मुखे श्रवं क नायव म्यूनात्माइन अिवामी क नेमन कारि त कारा ध्कुरत जलव कविषा जाभाव निकिए श्रमानामी धर्म विष्त श्रुवंतक डेभरवाउ काला उ दिलाई छ आब्हा इंग द्यीयुक प्रांतिक नित्यमन इंडिं नन ३४७७। २७ मार्फ

न् ४९

মহামহিম প্রায়্ত জেলা ২৪ প্রগ্নার কালেকটার সাহেব ব্রাবরেও-

**भवश्रा**ख छोक्त्रीवकी लक्षव ७ छो আক্ৰৰ পাজী সাং আ বগাছিয়া প্রগ্রে মাগুরা आभामिलाव निर्वान अह যে কি: পর্গনে মাশুরা उः किः ठाँम शून अभाग वर २७ नः जालूक यार् त मप्त क्रमा १७४ / -राका छाज कासकरावी जल्खाय लाभा याय उ क जातुक मध्ध निक्व লিখিত কিসমতের বক্ষ ১৯ ভাষা ভাষৰা পও নি তালুকের পাটা পাই য়া দখলীকার আছি অ তএৰ প্ৰাথিত ফিস ২৫

छाका लंहेया विस्मयं दव ब्बर्धिती केतित्व आक्रा इय । इंडि प्रम २२५१ पाल जाविश २२ लगिश-১। भः মাগুরা ২। তালুক পওনির পাট্টা ७। किः क्रियाम शून 8। 8-11२ छ- विश्व किम-उँअत न्यूटम्य श्रव श्रीक्षम जारगाधिया ७ मार्जर पाछि पाक्रें। कार्य प्रइल अकलिनग्र श्रुवर्व प्यूची शून ७ पित्रकारा e। मालीयाना भाकना x णेका इंख्युवावि क्रश भागः इर्गाट्या ५। प्रम २२७१ माल्ल र १८

আশ্বীন পওনি তালুকের भाषा इड्डेशस्ड । १। क्रक्रांन कंतरा ৮। ७ वज्वामधीम् वाय छ धुनी त्नमाम नाथा भाइन मुद्भाषाभाग्य ये वानहां प ব মৃত্যুর পর ভন্য পুত্র े कालीयन नाम द्रापूर्वा পত्रिन मुख ज्ञीत मीन २। क्रज्ञांन दमना छेउ वाधिकावी जाम अधिका ती इंडेश अका प्रभल कविद्राष्ट्र । भश्रामे मुख क्रीवृद्धीन 3 प्राक्तत्मा कि এই দর্খান্ডের সহিত म २२७१ मालात २८ आधान

তারিখের লিখিত পওনি भाषा এक किना माभिल কবিলাম इंडि डिकिंगार्भन मध त्याच्न मदकात् वाष्ण्म उकिल त्याश्रमायाम्य न १८ । प्राचित्र अप्राच्छा १८ । प्राचित्र अप्राच्छा १८ । प्राचित्र अप्राच्छा १८ । ब्हला २८ भव्भनाव कांत्र शु ক্টর সাত্ব বরাববেড় দ্ব पाक कानदर छोमि वा गमाया पानी जाः क्यन एइ शः जाकिमाराम

श्रीकालगाँ भाषा भाषालगाँ भाषा भार हमन पृष्ठ भर काकिशावाप

न्मि वाकि भाजना माश् मुम् ४२७) होका

आप्रात् ना लिए ते विवत ने अहे वा आफियानाम् भ्रमात् का का का न निल प्रश्नाक व्याध्या प्राप्ती न की मुद्रात अतिमा क्षी व जारह जनास्थ श्रोठ न मि कक्ष्रात्व कार्या

महक्रां ि ७। १ विद्या जिन्त काठ जालियाना कामानि मिका २० छात्। क्रमा अव ধাবিতে প্রতিবাদী মজকু तं निञ्जू नाम त्रावत् मन २२१० मा ख्वं २९ दे माभं जावित्य प्रलक्ति का शिंद्ध राज्य प्रस्थेर भा रेम मुद्ध क्वलिं निश्चि या पिया शाष्ट्रा श्रञ्स क्रि मक्तुत्रय प्रमेल कंपन आकारों जाभि विम ञा मज्जुद्वं जाम्। य याजील क्वाय इंसक मन ১২৭০ সাল নাগাইত সন >२१२ जात्सन दिन अया माल वाद्य विः हिमात्

आजल वाकि अन्मिका अ किसी स्थलाशी त्रम् क्तुलिबित मन्छ २०० छ। का अकृत्व ४३ ६० छ।का अिकापित निक्रे उयाजि वि भाउना, उल्द कामा माय आम्।य कत्व भाई। এकार्न ३৮०२ माल्वर > आहेत्वर २७ भारात् ४ अ क्तन मुख भूल म्लिल श जिवामीत मुआं क्रूलिं अ राक्ति शिमाद मसलिङ अ व नालिजी कावकी पार्थि न किरिया आर्थना या अ जिरामी क ममन जावित मा रा उलव कविषा आग्नाद निक्षे 'श्रमान्ति अव्दन

मिती भाष अन्हा जामा

ख़ित जातिभ उक मूम उन

मन २५-३२ मालात ३ जा

देन मल्ड जामिक मह म लाहेल्ड जाम्बा द्य रुक्त भालिक निद्यम्म देखि मन

२२१२ माला जातिभा २४६००

आप्रिक्षीनित हाँ ए एउ इंट्रा कानाई छोड़ द्य वहें आर्तिक निश्चित विवत्न आभाव द्यान अ विकास भट़ मड़ा इंडि

क्रीनिवन होम् मछ कात्। अवसाज अज्ञासक क्रीयुक विवासी

# प्रात्व जिश्वी कात्सक्षेत्

তলব আদা দাখিলের না জির কৈ: দেয় ইতি সন ১৮৬৬ সাল তারিখ ২৯-

প্রীর্গমচন্দ্র চটোপাধগয় মোহবের

গ্রুমহৃত্ল যে
বিচারাম ডি: কা: প্রায়ুগ্র কুনার হরেন্দ্রক্ষ বাহা দুরের সমিপে অর্পন হ্য ইতি সন ১৮৬৬ সাল ভা বিশ্ব ও আপ্রেলা

# শ্রীর্ণমচক্র চট্টোপাধগায় মোহরেব

अकलाम बीयुक कुमान र्त्ऋक्ष राश्मूत् अपर स्मा रुर्या एक्से इरेल যে ডিঃ কাং আগত ১৬ এপ্ৰেল বিচাবের দিন धा য্পেয় বিভিন্ত সমন হ য় ইভি সন ১৮ ৬৬ তারি শ ৪ এপ্রেল क्रियं क्रियं नर् ४० भश्मिश्मि दक्तला याष्ट्रान्क 83 २८ भर्भम् श्रीयुक कालकृष्ठं माञ्च ব্রাবরেঞ্-

प्रथा ख कलिकाका भन्भमा अभग रूक् अभिमान अभिनाकारी नि वामी छाष्ट्रानक्ष वाष्ट्रती श्रुषिव नित्वम्न अहे य छ धित्व कात्रज किर्मिती जः अथा जां मालक इत्यत् -मादमला साक्षमा देखभ দিব ভদিবৃত কর্ন জনা मन २२७२ माध्नत् २५ आधि न जार्दि पाद्यार का জ্পব প্রাপীতাম্বর ঘটক उ छोरोइसिम र्काशाधा य ७ जिला बिष्यात श विलि मर्व अद्भनाव का हुए। भाषा माक्तित्व की युक केंद्र इंदन मूट्याना

ধ্যায় ও কলিকাতা পর भनात शानिकाषी माकि निव विश्वस्त वाय कोधूरी ७ উङ পর্গনার মুকচ্র माकित्व खोलाविक छ मुद्भाभाषाय এই भाँक জনার নামে আমি আম মোজার দিয়াছলাম তথা त्या डेक विश्वास्त्र वाश त्विश्वी क्लेफ कवियाद वरं क्याविक हक मुत्रा পাধগায় ভাতি কচকিতের লোক ও বিস্থাস্থাতক জানিয়া ভাহাকে আম कारणवी कर्म इहेट र বত্রক কবিয়া হজুবে प्रविभाग पिया भार्थिक

যে অদ্যকার তারিখ হইতে উক্ত লোবিন্দ চন্দ্ৰ মুখোপাধ্যায় যথপি আমার তরফ কোন আদালতে দরথাস্ত আদি দাখিল কি কোন ভদিরতি অথবা সঞাল জ**ওবা**ব করে তাহা হজর আদালতেগ্রা হ্য যোগ্য ইইবৈকনা সুশোচরার্থে एत्रेथास कविलाम बीयुरुमानिक নিবেদন ইতি সন ১২৩৭ সাল ভারিশ ১৩ আম্বাঢ় খ্কুদ হইলযে

সেরেন্ডায় থাকে ইতি সন১৮৬০সাল

নং ৫০
মহামহিম জেলানদীযার
জীযুত কালেক টর সাহের
বরাবরেয়ু

বাদী প্রতিবাদী
স্বরূপচন্দ্রপাল হর চন্দ্র দত্ত ও গয়ারামদত্ত
প্রতিবাদী গয়ারাম দত্তের পক্ষ
বর্ণনাপত্র

১। ছোট হাতিশাল প্রামের ৩৪।৩ विद्या जिल्लीत 3911/30 की काद পৈতৃক এক জমা আছে ও ১২৬৬ শালের ২৫ ফাল্ডণ তারিথে প্রাত্তা প্রতিবাদী হরচ্ছ দত্তর নামে ৪ । ত বিঘা জ-মীর কাত ১৯৫ টাকার এক-ज्या लहेशा अकृत ३०१२). টাকা জনায় আমি ও প্রাতা হর চন্দ্র ও প্রাবুপ্যায় বল রাম-प्य पिशत अज्ञाल प्रथ-লীকার আছি ও আছেন, বাদী জয়া জয়ী কমি বেশী

করিয়া দাবী করিয়াছেন र। वामी ३२७१ माल २)३७ আনা অংশে পত্তনি সূত্ৰে দ-থলীকার ছিলেননা। প্রামের जरिक जभीपात विश्तीनान ও মৃত কেশব দন্ত রায়ের অংশ १/२॥== थाना भाषाने श्राह्यश्रद्धः বান থাকায় উক্ত সনে বাদীর প্রাপ্য ২৸৶৮। টাকা গোমস্তা इंद लाविक वजालंद निकरे আদায় করিয়া দাখিলাপাই-য়াছি, উক্ত সনের বাবত কিছু-भाग (प्नानारे।

তার ১২৬৭ শালে উনাম্য়ী বর্মণ্যা ডিহীর প্রাপ্তাংশের মধ্যে /১৬।— আনাবাদী পর্তান

नरेशा प्रथल शान नारे। जेक **তিহী প্রাপ্ত** সরিকের বিপক্ষ সরিক ঈশান চক্ররায়প্রসূতি পূর্ব্বমত অংশানু সারে দখলী-কার থাকায় ঐ অংশের থাজানা डेक निर्देशक निक्रे आपाय করিয়া আসিতেছি এবং বাদীও शूर्व अः भमत १/२॥= जाना রকমের পগুনিদার ছিলেন। ৪। ১২৯৮ শালে বাদী পত্তনি কোন অংশে দখলীকার নাই। कांत्र डेक विश्तीलाल ७ क्लव-চন্দ্র রায়ের অংশদেন ডিক্রীর নিলামে উপেক্র নাথরায়ওযদু-না থরায় ও দারিকানাথ ভটোচার্য थरिएक विशा वा मीत भग्रिम थ-शिक्र विलिशा वामीकं विष्यल

করিয়া খাসদখল করে উক্ত নিলা ম খরি দারের গোমস্তা গণের নিকট আদায় করিয়া দাখিলা পাইয়াছি

৫। সরিক জনীদার মৃত विनयाती लाल ताय मीगत्र अश्म র জিক্রীদার নব রূষও রায়ের निकर्र १/३७ ।— आना ३३७৮ मा-ल रापि পত्रनि लएशा करइन এবং ঐ অংশও উপোরোক্ত वप्यली उ प्पानता अः भ ধরিয়া । পঠ। আনা দাবী করিয়া-ছেন আদৌ নব ক্ষারায় আদা-লতের কোন নিদর্শনের দ্বারাগ্রাম দथनीकात रायनगरे ७ वाही उ আপন পত্তনি পাট্টা কি আমল नामा अंहात कलनारे। उंक.

অংশ বিরজাম্যীবর্মণ্যা দথলী-কার থাকায় তাহার আপ্তিমত ঐ অংশের খাজনা কোন পক্ষকে দেওয়া হয়না। উক্ত অংশের দেনা ঐ জমার থাজনা ১২৩৮ मालत २०% होका ७ ३२,५७ শालের নাং তার্দ্র নিপ্পী তলব সুরত ১/৫ টাকা একুনে ৩২/১৫ **जिंका आर्टन म**रू एक्त्रें प्रिथिन कविद्धिष्ठि, धे म्हानू माद्ध वामी শ্বস্তু সাব্যস্ত ব্যতিত অত্র নালীসে अधिकाती नटश्न।

७। ३२,७१७ ३२,७৮ माल शालं मामिल कान जभी उर्रे वेली क्लांज हिलना वाही य ज़भी उर्रे वेली कवां कालि-अ कविशोहिन जेकं जभीत श्रथमवत्म किरोमं अनुनाद का-न जमीनारे मिठीम वत्मत की-रूमिष्टुछ ८॥ विद्या जमीजाक उन्मस्ट आभात नादक जमा-रूक ो विद्या अ राम जमाकुक रूक कि विद्या भाग निम्नी जिक भा-रूकत ठाकत ताज ठम्म मू हित रो विद्या यादा आभि भारेक्षाकाठ ताथि अउअव उप वन्दी यादावी कर्तियाक्त ठाका मिथा

৭। বাদী তাদ্র ও পৌষদুই কি-স্ত্রী ধরিয়া যে হিসাব অনুসারে দাবী করিয়াছেন সে দেশা চারের বিপরীত । উক্ত প্রামে কি: তাদ্র । গানাও কি: পৌ। আনা ও কিঃ চেন্ত্র । আনা এই রূপ কিন্তী আর্থহ- দান প্রচলিত আছে। অতএব দাথিলাও পাটা আলাহেদা ফি-রিস্তী মুক্তে দাখিল করিলাম বা-দীর অন্যায় দাবী হইতে মুক্তি দিয়া থরচা মায় সুদ দেলাইতে আজাহয়।ইতিসন ১২৬৯ শাল ৩ আখিন

প্রীণয়ারাম দত্তপ্রতিবাদী আমি ইহা জানাইতেছি যে অত্র বর্ণনা পঢ়ে ঘাহা লেখা আছে জা হা আমার জ্ঞান ও বিশ্বাষ মতে সহ্য প্রীণয়ারাম দত্ত শ

मश्मरिम छीयूज र जला न दी यांत कालक हे से जारिव वंदा वर्त्र म

प्तथाङ जी मूननी निष्मिष्न তালুক বলেশ্বর পুর আমার গারজ এই বলেশ্বর ও ন্যেমত-পুর দুই গ্রামের সদর জমা ৫১৮৯/১৮ টাকার জন্মা-আ-মাদিশের ও কাষ্টদাহার সাকী-নের প্রীকালীনাথ বসুর তালুক निमिनी तकम २००८० छोका জিমাসর বরাহ আমি ও২৯৯৯৯ জমা সর বরাহ্ বসু তালুকদার এজ মানীতে করিয়া আসি-তে ছি কিন্তু বসু-তালুক দার কিন্তীং মালগুজারির আদা-য়ের গাফিলতি করাতেএক তাউং এমতে মোছলব রকম नारे श्रेल आपि प्रवल्ग णिका कांजिल पिशा ला छे

तका करिया जात्रिक्षा : उपजे ९ বাট্টা মারার কারণ বসুতালুক-দার প্জুরে দ্রথাস্ত করেনদা তাহার মাল গুজারীর গাফিলি-তি করার মতলব এই তাহার ठारे जीव जनाथ वम् मक्नात বাহাদরের -উকীল প্রত্রে হামে-मा राजीत थालन नारे रहेल उँ र जो कि शालश है है। उड़े সন সনাত্ আমাকে মবলগ रोका - जाहात वाकी आमारक দিয়ে মহাল বজায় রাখিতে र्शेटण्डः। तम् भविक जानूकमा-র বার্চআরার কারণ দ্রখান্ত पिंव पिष्टि करिया रोलमणेल कित्रा एप्रमा अकार्भ ला-লাম হুজুরে দ্রুথাস্তকরিয়া

তিমেদ্বার যে মাহাফিক আইন জোরিফ আমীনমো-করর করিয়ামক: সাল বাট-গারা করিয়া ডাউং আলা-হিদা লেখাইয়া লাইতে খ-কুম হয় ইহা আরজ করি-লাম ইতি সন ১২ ৪৫ শাল ডারিখ ১৯ অগ্রহায়ণ

रेमामी

#### न९७३

मश्मिशिक्तना न पीयात শীযুত কালেক্টর সাহেববরাবরেষু বাদী প্রতিবাদী শ্রীসরুপ চন্দ্রপাল | শ্রীহরচন্দ্র দত্ত সাংচক হাতীশালা | শ্রীগয়ারামদত্ত थानानाकामीपाड़ा ) जार कार्ट क्षेत्री गाना থানা নাকাশীপাড়া पानी वावरु दे<sup>९</sup> जन ३१ ७१ जाल नाः १२७० मालव छाप्र उनवी वाकी थाजना माग्र जूम ३१/७॥ टाका नानिप्नत विवत् ७३ (य आभात পত্তনি তালুক পরগণে বাগগুয়া-নের অভ:পাতী ডিহী নাকাশী भांज़ात जामील प्रोटक शर्

श्ठी नाला आत्म श्रिठवादी গণের প্রাতা মৃত গঙ্গারাম उ अठिवामी गराताम म् उत् ना पिक ए०/ विषा जिल्लीत का-उ जिया ३५५० टीका उ के जमात को ज पाती (৮ गणा हिमात १२) ३३ याना अकूत ३०।/३७ छोकात जिया । निरुद्ध को श्लीत लि-থিত ওটবন্দী সুরতে জোত ७।३ विद्या जमीत था जनाश्म छोका अकुरन जन्मा उउटेबनी-त्ठ १२०/३८ तिकांत्र घार्षा जामा-র পত্তনি অংশ স্ন ১২-১৭ পাল থ১৩ আনা রকমে থা-ज्यना राकी ७१० रीका अनन १२७७ लाल के जन्मी १००५७

हाका । भी दहत लिथिक १% বিঘার থাজনা আপ টাকা अकृत्व २२,५२० छोकातः आ মার পত্তনি অংশ । পঠ।— आना तकरम वाकी २। १४॥== **छोका उ जन ३२७२ माल अ** জমা ১৯।/১৬ টাকার আমা-त अविन के । येश - जाना সংশ পরিমাণ লাগাদভাদ্র जलवी वाकी ७५०% । छोका साएं जमा अ-अर्चनमीट जात्रल ३৮१२/३० = छोका उनारधा डेजून विः हिनाव २५२ ७ । वास्त वाकी ३०॥२॥= টাকা ও হিসাব রোক তম্যসুদ 311/04= दोका पकुत्म 39/011-देकिं श्रिवामी गलद निकरे

भाउना मा ना ना किया প্রার্থিত দাবী মায় সুদ থর-চা সন ১২৩২ শালের ছয় আইন মতে থেসারত সমে-उ एमलाहेर आखाह्य। नानिष्पत मून प्लिन प्रन ३२७०।७७ जालव ज्या उ याजील वाकी पुरे नशीजाय আরজী সহ দাখিল করিলাম ইডি-সন ১২৩১ শাল তারিথ ३५ जोड

নং ৫৩ प्रार् लगयाह

प्तथा भी तो प ही प ना श বিলাতী সরাবের হোল সেল দোকান দার মোং গোয়াড়ী জে-ला निर्मा आप्तात निर्वापन ७-ই যে আমার উক্ত দোকানের পাট্রার মেয়াদ আগত ইং১৩ আপরেল মোতারেক ৩০টেত্র प्रम १२ १८ भी त्नत् १ विभार्य গত হইবেক। এবিধায় -অত্র দর্থান্ত দারা প্রাথিত্যে আ-গত সন ১৮৬৮ শালের ১১

আপরেল মোতাবেক ৩০টো
পর্যন্ত এক বংসর মুদ্দতে প্রনরায় আমাকে পাট্রা দিয়া
রীতি মত ১৩ টাকা আমার নিকট লইতে আজ্ঞাহয়।
নিতি সন ১২ ৭৩ শাল তারিবা বি ভৈরা সোমবার

यः ८८

মহানহিম শ্রীমুক্ত চবিবশ দি দি পর গণার কালেক্টর দি দি সাহেব বরাবরেষু দি

দর থান্ত জীরায় প্রিয়নাথ চৌধুরি দাং শ্যাঘ নলর পঃ নকীপুর আ-ঘার নিবৈদন এই যে সুন্দর

বন সংক্রান্ত ১০৬৩ নং ভৌজীতুক চক সুমানতলি আঘার ওবামাচ त्र अधिकाती पीगख्त नात्म मून्द বণের কমি সনরিত্ত বন্দোবস্ত रहेशाएड के महात्मत् तक मारेश= আনা আমার নিজাংশ ওরকম १८०। - आना इसदी भूत निवात्री প্রীবামাচরণ অধিকারীর অংশ ঐ বামাচরণ অধিকারী ঐ প্তা-আনা আমার নিকট বয়-राउ वन्पक वाथिया है। का कर्ज लहे आएन। এইक en वर्छ प्रांत प्रत 53.93 मालव लाः अध्यक्षं তলবের বাকী রাজম্মতা হার নিজ অংশের ৩০০ **जिया गा**थि एवं त पिन गवर्न

भिष्ठ इर्ड अपर अवशाविष्ठ হইয়াতে এ টাকা আমার রয় বাতের বিষয় নম্ব করণের মত-नत प्राथिन कब्रिलकना, अ কারণ প্রার্থিত যে বামাচরণে त १/२७।— आनी तकरमत् थाज्या ७०/० होका जाम त निक्रे लाई या निलाम तका করিতে আজা হয়। আর ঐরকম মজকুরে ফ্রোক সা জ্ঞাল নিযুক্ত দারা আদায় তহসীল করণের পক্ষেবিহি-उ ्रेकुम अमान रश निलम्न इंछि प्रन ३৮ ७ ६ माल তারিথ ১২ জানয়ারি एकम रहेल य अतिकान मृथां अधिक पर्यक्र पेका

দাখিল নাকরিলে, ছাগ্রল টাকা দাখিল করে ইতিসম ১৮৬৫। ১২ জানের

জোনাবেষ निस्त्रमन अय ऐत्या (छन् লিখিত ক্তির টাকা গ্র लानुशांति ३२७० नः द्विशि वीत्उ एप्रनाथ ह्याच त्याका त्त्र रहु नाउ तिविभिषे द 55 - ৩৩ V ৬ টাকা জমাহইয়াছে এ उड़ान का त्र निरंत प्र रेडि भन ३৮ ७०। ३० आखिलू त्री द्वारिकाना थ रहाय হুকুম হইল যে स्मात्तस्राग्न ताथा योग्। रें जिन ১৮-৬৫।১৩ আপরেল

### न १ एए

भ भ प्रशिष एक ना निष्णात শিযুক্ত কালেক্ চর সাহেব বরাবরেয়

J Fr -वालगामाभ कराकेशको हिल्लोल प्रमुकी

अशाल औं अन्यस्य । अष्ट्र मालपत्रकी र

রুম্ম বিভার-

भार ठाँफ वज्ञत शेलांत्रन

কোডয়ানী

अठिवामी -

ाम्स्र - अस्तान्त

भारक्षं नगत ই ষ্ঠেসন কোত্রমানী

মোকর্দ্মা प्रभावेन जिल्ली काही करिया স্থাসামীর মাল ফোক করায় যোপাদী বল পুৰ্ববক জোক বেদখল করিয়া মাল লওয়া.

ৰিবরণ আদি দানিবের পক্ষ হই छ अठिवामी गलात नाम > अस्त्र जिक्री कारी करि-য়া দেন্দারের মাল টোক ক-রিয়া পেয়াদার সমতিকাহার গত ১৫ বৈশাথ তারিথে বে-লা ও দ্ণুর সময় আমার ত-রফ মালের পাইকও সাক্ষী গণকে পাঠানতে আন্মর পঞ্চের মালের পাইক আ-माभीव देवलेक यानाव (काड़ा क्लाएं उ भीकल ३ अकरी नि-শান দিয়া পেয়াদা তাহা ক্রে क कतिया के माल डेंगेर्या আনার উদ্যোগ করিলে প্রতি वामीगग उ उ प्रमिखाद ন্থার চারি পাঁচ জন লোক

ज्यार वनी इंदेश भग्नापाक जाज़रशा पिया काकी मान छिनारेग्रा लरेग्राट्स, जिकी জারীর পেয়াদা তৎবাবত कालक पेत्री उ अङ इात क तिशाट्ये, अभ्य धार्यना আমার সাক্ষতলব করিয়া विठात श्रुक्त अठिरापी भव क उंडिज माछि पित्ज आखार्य। रे जि मन>११8 माल १० देवमा य

भाकी

श्री त्राम नाथ रमनव >

श्री त्राम भाकी त्राम >

प्रभू त्रूपन श्री स्नान ने

भार् केंप्र नगत

THE WIND WITH SAN THE SAN THE

মহামহিম জেলা নদীয়ার শ্রীযুত কালেক টর সাহেব বরা বরেম্

प्तथास श्री भाः जिस्म रिल माध्य भाः क्री निक्षिप भ्र

याश्रद्ध सम्बन्धि किम्पर क्यांक्र न्यं अध्योत ये जारमात प्रत्यं क्षम र्द्धार्थ ट्य अस्थित्यान, इक्ट्यम् नामजादी, म्बार निर्म त्विक्टेरी, नाम, नाम, त्विक्टिवि, मस्त. मः, अनुभाषा प्रश्न श्वामानिक्क क्या नाम २०१० वालाग्राण, वालाग्रान, कमवाह्य्यांम, वव्यान

क्राड़ी तः एअक्ष्र हिन माद्द्रवर्

विबद्धण अर्थाय बालायान मार्कि-নের কেশব চন্দ্র রায়ের ২১৭১ नः তৌজीর वन्दां वजीत मश्न उ वालाग्नान मिगत म्त भयनि र्कृक - 3 अन्जन्य दल्पावसी मशल आभात निकर्छ के কেশব চন্দ্ৰ রায় 'ব্যুবল ওফা' ताथिया ठीका लहेया काराला निथिया (एयं ) नियम काल টাকা -আদায় নাকরায় বয়বাত জারীর দারা ব্যবাত সিদ্ধমতে উপরের নিথিত মহালাত দ্থল পাওন বাব্ত সূত্ৰ জেলার প্রীয়ুত জজ সাহে-र्वत ,र्जु रत ३९ नः नालिम कतित्न ३५७० मात्नत् १ ভিসেম্বর তারিখের মোকর্দ্দ্মা

দখল পাওনের ডিক্রী হয়। পর উক্ত ডিক্রী জারী করিয়া आभित्उष्टि। अक्तरप प्रेरंक नः जिजीत के वालाग्नान মহালে কেশব্চন্দ্র রায়ের नाम পरिति आमात् नाम জারীহওনের বাবত দ্রথাস্ত कतिया आर्थिङ ध्रमानाः पि গ্রাংশ পূর্বকি কেশব চন্দ্র-রাম্যের নাম পরিধর্ত্তে আদার नाम जत्री कतिया फिनिप গহণে আমাকে পরওয়ানা क्लि आखार्य। क्नवह्य तारात लिथिया फिउस कावाना पाथिल कतिनाम। देउ जन 52 95 1 . 53 आखिन प

## नर् ८१

पश्मिरिप कि ला निर्मात श्रीपूठ का त्वक् ऐत प्रार्घ यता व दत्र चू यादी श्रीठ वादी श्रीञ्च का चन्द्र शाल श्रीञ्च के शिवाच भार्षक शिक्तिना भार्याप्राण्डित थाना नाकानी भाषा भागा नाकानी भाषा

> দাবি। বাবতে ইস্তক্ষসন ১২৬৯ সাালের তাদ্র তনবী বাকী থাজনা ৪॥খনল ট্রাক্রা

নালিসের বিবরণ এই যে আ-মার পত্তানি তালুক পরগণে রাগ থানের অভঃপাঠী ভিহী

नाकाकी भाषात जामिल मी-জে বাঘুয়া তহরি প্রামে প্রক্রি वामीत लिङा मृङ, हिमाम पाष्ट्रक नामीय ए% विधा जमीत काङ जन्म ३१ १८ १ । ट्रीका उ এ জনার ফৌজ দারী ফি টাকায় U नेखा हिमात Vo प्रकूत २१ भने গেঁ। ঢাকা জ্বায় উক্ত প্রতিবাদী ও তথ্য প্রত্যে আনন্দ ঘোষ ও বাণেশ্বর ঘোষ এজ মালে দ্র্যলী-কার আছে, তাহাতে সন ১২৬৭ সানের আমার পত্তনি অংশ के आना तक मि मानी माना थार्जीना वाकी 813 होका उन्मर्स्ट छेक वालायत् । आनत्मत् पर्ल त राजा १४/१। छोका वाप्प अछ-वाषीत निकर टपना ३१०%

টাকা ও সন ১২৩৮ সালের আমার अवीने जाः म । जेश- जाना बेकरम के जमात भाजना ताकी ११३ होकात पत्थ के वाल्यव अ आनम्पत्र एपना ४ छ। ठाका नात्म वाकी श्रिष्ठ वामीव त्यम -राम्प्रेष्ठ ५७ ३२७ व जारत लक्षत जारम के भिका- महि-मात्व वाको १।२ ठीकाव मत्था डे-क भागम अ तार्वश्रव एमनी 8 थे। छोका राष्ट्र शहरापीत तिना राजेभ्य म एवन प्रत्थ नागारेप जाम उपला अशि ३ २० ५० होका जेकून प्राप्तन (3812 टीका उन्मत्थ छेनुल विः शिमाव ५ आना वादम व्यकी 813812 रीका उ मूज

10/284 आना त्यां है। ११०० में। কা প্রতিবাদীর নিকট পাওনা মতে নালিস করিয়া প্রাথিত দাবি মায় শ্রচাও সুদেও সৰ ३५७६ जात्मंत्र ७ आहेन मुहु থেপারত সমেত দেলাইতে-আজা श्य। नालिस्मत मूल प्रलिलमन ১২৬৫।৬৬ সালের জামাওয়ামীল वाकी अंध वामी शिविष्ठ का য়ের মোকর্দিমায় দাখিল করি-या हि अभू कि वि होत इस निवमन रेठिं

এই আর্ক্তিতে যে দকলক থাই আর্ক্তিতে যে দকলক থা লেখা খাছে তাহা আ-ঘার জান ও বিশ্বাহ্ব মতে সক

## नर् ८४

মহমহিম জেলা নদীয়ার শ্রীমুত কালেক্ টর সাহেব বরাত্রেঘু বাদী প্রতিবাদী স্বরূপাচদ্রপাল র্মানাথদীগ্র

> অত্রমোকর্জমার প্রতিবাদী সীতানাপ রায়ের পক্ষের বর্ণনা প্রত

া বাপুয়াডহরি প্রামেবাদীর আরজীর ২৯॥ টাকার জনায় ১১১/১। বিফা জনীতে আমি ও আমার জ্যেষ্ঠ প্রাহা প্রক্রি

पथलीकात आधि, वापी अलमात ७०/ विद्या ज्ञी य लिथियाट्न তাহা মিঞা २। यामी १२,७१ माल जेक প্राমের সরিক জমীদার বিহা-রীলাল রায় মৃত কেশব চন্দ্ররায়ের অংশের পথা=- আনার পত্তনি चटल प्रथलीकान शाकास उेक जत्म के जिल्लान वावन वामीत श्राभा अमृत्य भारतमा अवने ॥ **राका वामीत लाम्स्या श्रह एगाविन** বড়ালের নিকট আদায় করিয়া पाथिला भारेगाहै। उंक मतं वामी थे >> आना अः ला य দাবী করিয়াছেন সে অন্তায়। अ जत्न वामी डेमोमशी वर्म ना जिक्की श्रास्ट रहेल रें। -

आना वामी अउनि लहेशा प्थन भारतारे के अः त्मत् कठकाल 'ঈশান চন্দ্ররায় প্রতৃতি সরিকা-ন এক্ষণতক দ্থলীকার আ-ছেন এবং বাদীর পত্তমি ঐ প্রা= আনা অংশতুক पर्व गर्भ आरष्, वा मी अश्रमा पारोता 2)39 जोना अ**्**म দাবী করিয়াছেন । ७। ३२७ माल वाषीव পশুনি কোন অংশে দ্থলীকার नारे। कात्रन डेक विश्वती लाल उ कि गव ह स्मित् अर्ग पन ডিক্লীর নিলামে উপেন্দ্র নাথ ও যদুমাথ রাম ও দারিকানাথ ভটাচার্ফ পরিদ করিয়া বাদীর পত्रनि अञ्चल विलग्ग वातीत्क

বেদ্থল করিয়া উক্ত आংশ থাস দ্থল করায় নিলাম থরি-দারের শোঘস্তাগণের নিকট ঐ অংশের দেনা থাজানা আদায় করিয়া দাথিলা পাইয়াছি।

81 ১২৬৮ সালে সরিক জ্মী-দারের মৃত বনয়ারিলাল রায় দি-গের অংশের ডিক্রীদার নবকুষ্ণ वारवं निकरेवामी रेश-আনা অংশ পত্তনি লত্ত্বায়কহেন এবং তদংশ সমেত ঐ সন श्हेल । रेश - आना अः (भत्र पारी) করিয়াছেন। উক্ত নবক্লফ রায় আদালতের কোন নিদর্শনের দারা প্রামে দখলী কার হয়েন নাই এবং বাদীও পত্তনি পাঢ়া कि आमल नामा अन्तर कखननाई

্র ভাংশে বির লাভী বর্মণা দথ-লীকার থাকায় তাহার আপন্তি মতে উক্ত অংশের থাজানাস্থ্য সালে কোন পক্ষকে দেওয়া হয়-नाई राकी आएए अमञाबन्धाः \*বাকী সত্য সাব্যস্ত ব্যতিত অত্র नालिए जनिशकांती ৫। বাদী কিন্তী ভাদ ও কিন্তী পৌষ দুই তলব ধরিয়া হিসাব অনু সারে যে দাবী করিয়াছেন তাহাদেসাচা রের্নিপরিত।উক্ত গ্রামে কিন্তী ভার 11- আনা কিন্তী পৌষ। আনা ও বিন্দ্রী চৈত্র 🚣 আনা আবহমান কাল প্রচলিত। অতএব প্রমাণাদি গ্রহণে অন্যায় দাবী হইতে মুক্ত দিয়া আমার প্রাদ্দ থরচা মায় সুদ দেলাইতে আত্তা হয় ৷

न् एक

মহামহিম জেলান্দীয়ার প্রীযুত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

দর্থাস্ত জীতারিণী চরণদাল মোকার নিবেদন এইযে বাঙ্গালা সন-১২৬৩ গাল হইতে মোক্তারীকর্মেনিয়-ক্ত হইয়াবাঁশ বাড়িয়া নিবালীগ্রীয়ক রারু হরিশ্চন্দ কুণ্ডু ও রুষ্ণনণর নিবালী গ্রীযুক্ত বাবু বামাচরণ চৌ-ধুরী প্রভৃতি জমীদারের তর্ফ নানা আদালতে আম মোক্তারী কার্য্য করিয়া আলিতেছি অধুমা

मश्माना अपत तार्डित हिठीत বিধান মতে মোকারী শ্রেণাতুক হত্তনের জন্য আলাহিদ্য ফার্ম মতে হজুরে দ্রুথাস্ত করিয়া প্রার্থি उ य आमाक माऊदी अभी-বুক্ত করিয়া সন ১২৬৫ সালে র ২০ আইনের বিধান মতে त्री उ पठ नार्धि कि रक्टे मिर्ड আক্তা হ্য। প্জুর মালেক निखपन रेंछि जन ११९७ माल তারিম ৩০ বৈশাম

## न् ७०

भश्मिश्मि उत्तानियात শ্রীযুত কালেক্ টর সাহেব বরা বরেয়ু বাদী প্রতিবাদী **अ**क्ष भान তিনু ঘোষ অত্র মোকর্দমায়প্রতিবাদীর পক্ষের বর্ণনা পত্র 3। वामी 3209 माल भग्रीन मूख २) ३५ जाना जः ला पथनी कांत्र हित्ननंगा। डेक मत्न र्थः आना अः (শর পত्ত नि-দার থাকায় বাদীর আরজীর लिथिত जमाय आमात अः लात **ट**म्नां नानिशाना .५३५ आनेह्न मस्य डेक मल रामीत कथिङ

५० आना लामछा इत लाविक ব ডালের নিকট আদায় করি-गाहि। अन्त जिकी श्रास्ट भविक ज्ञीमात उमामशी বর্মণ্যার অংশের /১৩ ৷---আনা বাদী পত্তনি লইয়াতা-शास्त्र प्राप्त भाम ना है, अफ्राणि উক্ত ডিক্রী প্রাপ্ত সরিকের বিপক্ষ র্সারিক ঈশান চন্দ্ররায় প্রতৃতি পুর্বি अः भानु माद्र पथलीकात थाकां य 🚊 তাং শের থাজানা উক্ত সরিকা-নের নিকট আদায় করিয়া আ-সিতেছি এবং বাদীও পূর্ব্বি অংশ মত ৻/২॥= মানারকমে প্রন সুত্রে দ্থালীকার ছিলেন २। ১२७७ माल वामीत প্লান্তনির কোন অংশে দখলমাই

कातम प्रश= भागा अर त्मत पा-লিকের দেন ডিজী নিলাম সুরেজ-गण राय उ पातकानाथ छुटी हाय उ यम्नाथ राघ थविष कविया वामीत পर्णिन अजिन्न जिल्ला विदेश त्र म्थल करिया थान प्रथल कराय উক্ত নিলাছ গাঁৱিদান্তৰ গোমস্তা-गलाइ दिक्षे हेक जात अञार्ला व थाउनना आएम वर्गवेश प्रविशा পাইয়াড়ি এবং সরিক ঘ্তবনোয়া-हीनान हाइ दिलाइ पश्लाइ उडी एत नगरूक वाराव मिकंटे र्रांश-भ्याना धारण याति लग्रानि लग्राम क ट्न अंदर् के विवाधी अ छे नाता छ खमथनि-उ प्रांवाज्ञा अर्ग न प्राप्त ३२७৮ माम रहेल्ड १४०।— आना র পত্তবিদার করায়ে দাবি করিয়াছে

कल्पाः केळ मरक्रक आंभानहरू कार्न निम्नित्त बादा प्रातीकार र्यान नारे अदा नामिल अविन পাট্টা কি আছল নামা গুচার ক द्धनारे भे जिल्ला विवृद्धा प्रशी वर्मिका एथलीकात थाकाग्र जा-হার সাপত্তি মতে কোন পঞ্চক ये अः भारतास याज्यसा एए असा रम नारे। जे अरा । इ रावज आ मात् अः (१) १२,७ ७ माला ॥ ने वाद्य होका ७ मन ३१७० मा লের নাং ভাদ নিশ্লী তলব मुत्राह्य 1/ अकुल ५२/ आना ন্যায় দেনা আছি, এমতাব-স্থায় বাদী সত্ত সাধ্য বতীত अय नालिक अन्धीकाती স্কতত্ত্ব দাখিলা ফিরিজ-

युटक माथिन करिनाम । आरमाक मछ आमागापि लहेशा अन्धां मा বী হইতে দুক দিতে আজ্ঞাহয়৷ ইতি সন ১২৬ ৯ শাল তাংও আঞ্চ প্রী তিনু ঘোষ 'আমি ইহা জানাই-छिष्टि य भद्दं उसना भावात्रकथा সকল জ্ঞান ও বিধাষ্মতে সত্য

ক্ৰীতিৰ পোৰ

ক্রাতিন দেবি । জুলাই ডিজেল মার্মির জেলা মদীয়ার ডিজেলা মদীয়ার ডিজেলা মদীয়ার ডিজেলা মদীয়ার ডিজেলা মদি দিল দিল করে জিলা সাহেব বরাবরেষ্

দর্থান্ত শ্রী গোলাগ আজগার मिंखा नियमन अरे स्य आधार দর পতনি বসত ডাঙ্গা প্রামৌর

क्त्रारि ज्ञीत नेकि हत वज्र जा-मात जभी घाश भवनि पात्रकीकृत চারু চন্দ্র ঘোষের বিনাম দার-শামাচরণ ঘোষের নামে সরকার হইতে সম ১২৭১ সালু তক মেয়া-मी वत्मावल छिल। अ प्रायाम শিতীত ক্রয়ায় পুনরায় সন্সং-१३ जाला विधे वत्कावङ इर्रेवाइ কারণ চর ফলকুরার ভুম্মি জরীপ -তদ্প্তর জন্য শ্রীপুর্কিট্রে মুগো लाखाय आधीर स्माकत्त्र क्रेशा খাগার বে মোকাবেলায় তরীপ তদ্ভ ক্রিয়া সাবেক বন্দোক্ভীর होइमीत अठीतिक आन्माज ৩০/ বিঘা আমার দূর পত্তনি তালুক বনত ডাঙ্গার করারি वाहिति एकाल नामक ७००%

विचा जभी अज्ञा अल्पकाहत জমীতে রন্ধি করত কাশজ দা খিল করিয়াছেন। সেইজ্রীপ অনু সারে আমার অজ্ঞাতে পরতাল হইয়াছে। ধর্ষাব্তার পশ্বনিদার শ্রীফুড চারু চন্দ্র ঘোষ े रमछ डामा प्रभावित प-ওয়ায় আমি সন ১২৭১ সাল श्रद्ध अ रमङ डाक्स पित्र आत्म उ उ , निक रत्ना रखी চর বসন্ত ভাঙায় দ্থলীকার आछि। এই कल डेक हत জ্মী আমার সহিতবদোবস্ত হওয়া বিধ। কিন্তু আমার কো न लाक कि आप्रि अजितिल त राष्ट्र किष्टे जाउनिह। ध्रम्बर आर्थना के कताति क्यी

ज्ञे विद्या हत जिमी हरेड वाम् पिया भारतक वत्मा वस्त्रत हो-रूपी प्रज्ञ आप्रीत्मत ज्रत्ती ह्या वक्री ज्यो आप्रांत महिल वक्री ज्यो आप्रांत महिल विद्यान्छ क्रिट आखार्या निर्विष्म हें जि. भन २२ १२ भाग ज्ञां विस्तार्थ

प्रश्नादिग दहाला निन के हिए हैं। शांत श्रीपूठ का त्वाक्षेत्र हैं। शांत श्रीपूठ का त्वाक्षेत्र हैं। शांत्र श्रीपूठ का त्वाक्षेत्र हैं। शांत्र श्रीपूठ का त्वाक्षेत्र हैं। शांत्र श्रीपूठ का त्वाक्षेत्र हैं।

नश् ७३

দর্থান্ত ওয়াজরাত্ শ্রীপ্রমথনাথ ঘোষ ও শ্রী আশু তোষ্ ঘোষ পত্তনি তালুকদার নিবেদন এই

যে মহারাজা শ্রীযুত সতীশক্ত বাহাদ্র আমাদিলের নামে ৩ নম্বরে ১১৭০॥১০ টাকারপারিমা-নে যে ৮ আইন জারি করিয়া ছেন, সে নিহাত অন্যায় হাহা निस्म निख पि उष्टि । । মহারাজা সদ্রথাজনার টাকায়, সুদ্ বার করিয়া নালিস করিরাছেন, নিজন্ত সন্সায়, কারণ পত্তনি কবুলকীর মত্বতগ্ন করিয়া সন ১২ ৫৭ সালের ২ তাজ তারিখে মোহর দৃস্তপতি य प्रजिल लिथिशा पिसा एवन, তাহাতে স্পর্য সম্ম লিখিত আ ছে, যে সদর থাজনার টাকার त्रूप छिलदिकना । भे प्रिल्ल भन ১৮-৬২ সালের ২৯ নবেম্বর

म्अग्रानि भाकर्षभाग्न प्रक्रमल रहेशाष्ट्र। अकरण अ जिल्लाइ अखान् नाद्ध न्नू नाहे उ भादानगा

२। वापीत मूनाका कर्षभान আন্দিন কিন্তীর সদয় থাজনা ७७०१० होका हां िमार ४%-तार्ष्न, जेक ठोकात भरक म-দ্র থাজোনার টাকা বাদী আ ঘার নিকট পাইতে পারেননা উক্ত টাকা সন ১২ ৫৭ সালের ২তাদ্র-ভারিখের এ দলিলের अश्रान जात् आपदाकालक वैशेख पिछ वाश आष्ट्र। a ऋत्य वे मक्साय प्रनित्तः মত্ত্রের বর থেলাপ সদ্র্থা-कानात डोका वादी आप्रादिका

নিকট পাইতে পার্ননা। शिवादीत मुनाका वर्खमान সনের ই: বৈশাথ নাং আন্থিন ৫৭৬।১০ টাকাও তাহার স্দ ारी होका अकूल ७१० छ।-का आप्राफिशात निकि शारेखन, গ্রহা দিতে স্থীকার আছি। 8। वामी य कर्यक ठाकित नाम ৮ आईन जाती कतिशाहन, তন্মধ্যে আসালী কামিনী দাসীর मृक् रहेशारह। मृक्य नारमनानी-স করায় বাদীর এই নালীস চ-लिए शास्त्रनाः प्रमार्थान তারিম ১৮ কার্টিক

भश् भरिभ छीयुउ रक्जना নদীর কালেক্ ট্র সাহেক্ বরাবরেশ্র দর্থান্ত গ্রীগ্রীহরি চৌধরী আছালতন ও অছিয়তন জানবে ब्री श्राग कृष्क की भूती नावानग उ গ্রীরাম গোপাল চৌধুরী ওগ্রীক-नक भिष पामा ज्राउद्य शका लाविन को धुती बाद दत শ্রীবিজয় গোবিন্দ চৌধুরী ও হরে-হৃষ্ণ চৌধুরী নাবালগান জালুক-मात स्मोर्क ज्यान्तर भूत मास মজফা গোপাল নগর ও মৌজে श्पा भाषी तुका आधा दिला नि-द्रवपन अरे अय रङ्गलाद अधीन

প: রাজ পুরের অত্ত: পাতি ডিহি-বেল গড়িয়া যাহার সদ্র জ্মা काम्मानित - १ १ १ रा ठोका वानि श ডाञ्चा निवानी श्रीतामनाथता-य ও आभाषीलात नाम अचलिर এজ গালাজে কালেক টরী সেরে-স্তায় তাত্ত লেখা যায় ঐতিহি-র পাঘিলাও মৌজে জমসের পুর মায় মৌজাফা গোপালন গর সদর জমা ৩৩৫৮০১টা का उ स्मोद्ध एमा भारी दुकार मम्ब ज्या २०२० र ठीका अ-কুনে ৬৩৫/৬ টাকার তাত্ত ও মৌজে গড়ড়া ও গোপাল-পুর ও গায় রহ প্রাম হায়ের হ-কীয়তে উক্ত রায় তালুক দার ম প: সল দ্থল কার থাকিয়া খু-

ज मानिछ एक्त्र मानछका-রীর সরবরাহ করিয়া আসিতে-ছেন ও আসিতেছি। একণে णा गिष्टाव र्कीयळत्-जाष्ट्र বাট্যারা করিয়া লওয়ার আবশ্ব अकार्न श्राचिनीय त्य अठनिउ আইনের মর্মান্সারে হজুর शरेख जत्नक आप्रीन नियुक করিয়া ডিহিমজকুরা জরীপজমা-वन्दी अ ब्रीति प्रज वर्गक करत डे ক্ত মৌজে জন সের প্র মায় মৌ জাফা গোপাল নগর ও মৌজ भाष्ट्री दुकांद्र माल १३ कादी डे-পর উক্ত ৩৩৫/৩ টাকার পূথক তাতুত কিন্তীবন্দী আ-मा फिलाइ कात ज्यारेशा ल्हेंगा भान छजा तीत अववतार

লইতে আক্তা হয়, তবে মামারা আপন হকে ব্জায় থাকি, ইহা নিবেদন ইতি সন ১২৫৫ সাল তারিখ ২৬ চৈত্র

रेमापी

শ্রীরাঘটন্ত চটোপাখায় মোকার শ্রীক্ষর চন্দ্র গাঙ্গুলী মোকার শ্রীরাজকুমার সরকার মোকার শ্রীরাজ চন্দ্র সরকার মোকার 30%

মহামহিম জেলান্ট্রার মোকাম জি মহেশ প্রের ডেপুটীকালেক্টর মহাশ্র বরা বরেষ্

দর্থান্ত শ্রীনবীন চক্ত রায় সাং फदर भूत निरुद्ध उहे य हाँ माफ्ट হইতে মহেশ প্র পমন্দ্র যে রাস্তাহই-छा । अ वास्त्र मध्य स्मिटिन একার পুর প্রামে জামীনের জরীপী চিঠার লিখিত ১৪ দালে আমার ১18 বিঘা বন্দোবন্তী জমী প**ত্রীত** रहेशाष्ट्र । अ जनीत मृन्य उक গ্রামের স্মন্যান্য সকলের সহিত य क्ष भून्य धार्य इदेशाए, उ-দ্রুসারে আমার সহিত মল্যারখা স্থা পূৰ্বক আমাকে মূল দিও আজ্ঞা হয়। নিমেদন ইতি ১২৭১ সাল ১৬ চৈত্ৰ

नर्ट क

प्रत्थाष्ठ की निया हे सलल १ की शहे प्रत प्रभार १ की अलाम मलल १ की रामा-मम मलल मार आल्यानार, अपमा-मिलान निर्देशन १ हे ५०० नर्मा थता कर वार्क आश्वी कभी, यादा-रंठ की यूठ मनकान वाद्या प्रत्य वापी ७ नाम भी नाम अधि वापी भ नाम स्वारत काथी आमना श्रुका विधि

জ্যেত আবাদ করিয়া প্রতিবাদীর निक्रे ज्यादे शत ॥ आठे जाना ७ ७ वनी शुद्धं ५० वादा आना प्रान छजाती करिशाष्ट्र। भरत छ-क जभी अंद्रकाद्ध थात्र रहेत्न श् জুরের তহসীলদার শ্রীউমেশ্চন্দ্র ঘোষ আমার দিলের স্থানে এখার নিরিথ বাহাল রামিয়া সন ১২৫১ शालं शाज्यां जाए उ जन হালের নাং আঘাত তলপ সো-प थाजना नहेमा खराक पेकार कवज पिशाष्ट्रिल । এইकल अ তহসীল দার বর্থাস্ত হইয়া অ-চ আট রোজ হইল হ'জুর হ-रेट मुजन उर्जील पात এक जन তাহার নাম জানিনা, মফ:সল शिशा के नातक उद्योभ पात्र

करजी डेजूनी ऐका मजुता नामि या ने टीका प्लाकत आमापिलात স্থানে তলব করিতেছেন, এবং হার नितिथ उत्रिम कतिया जियापा নিরিথ সুরত থাজনার তলপক রিতেছেন। আমরা কবজী উসু-ल मजुता फिसा थाजना लहेल वलाय ना खनिया आभा पिशरक এবং অন্ত২ জোতদারকে পে-য়াদা মোসুল দিয়া কয়েদ ক-রাতে আমরা কোন গতিকে পা-লাইয়া আসিয়া দরথান্ত করিয়া উমেদার যে তহসীলদার মজক রের নামে এককেতা পরোয়ানা খ্য় যে আমাদিলের কবজী উসু-লের টাকা মজ্রা দিয়া সাবেক হার नितिय प्रज्ञाजना लन १२०२। ले जाउ

মহামহিম জেলো নদীয়ার শ্রীযুত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

प्रथास श्रीवामा न्यूनी वर्माना অলি মদার শ্রীরুষণ নাথরায় না-বালক সাং নাকাশীপাড়া নিরেদন এই य आभाषि एतं अक्र पालीतं जभी पाती नः २१ जिरित आनका पि गत नीरहत लिथि**उ पशला**ङत আমার নাবালগ পুত্রের অংশের সদ্র মালগুজারী নিয়মকাল ম-(१४ माथिन कतियाहि। अर्मीवंजन প্র সকল মহল আমাদিগেরবণ্ সরিকের থাকা বিধায় কোনসরিক क्ठ ठोका प्राथिल प्राथिल क्रिश-

ছে তাহার নিরাকরণ করা যায়নাই। **अकरा उम्छ जाना इहेल नीतः** । লিখিত মহালাতে বাকী পড়িয়া-ছে। ঐ বাকী দাবীতে নিরাপরাম্বে আমার নালক পুত্রের সমূহ ক্ষ-তির কারণ হয়। হজুরের ক্লপা ব্যতীত নাবালক পুত্রের বিষয়র-कान उभाग निहीन। आपि उध কষে নীচের লিখিত মহালাজ-র বাকীর সংস্থান করিয়া প্রাথিত, ৩-জুর অনুগ্রহ পুর্বকি বাকীর মবলগ মজকু র আমার নিকট হইতে দাখিল করিয়া লইয়া নাবালগের স্বস্থ বজায়বাথিতে আজা হয় ইতি সম ১২৬৮ সাল তারিথ ১ মাঘ তপসীল ३१ तर छ जानका ७३ मेरी

१৯नः देवतम পूत ८००॥

२०२० कला द्वाउमा ह्यासम

भूत ५०॥

५०० नः छेष्य्रु छ भूत ५०॥

५०० नः छेष्यु छ छ भूत ५०॥

५०० नः अपने भूत हेळापि ५० ५००।

नः ५०० नः भानभूत हेळापि ५० ५००।

नः ५०० हें है.

মহামহি শ্রীযুতকালে-ছি । টি টি কুটর সাহেব জেলা হৈ দি ফি টি ফি জি

प्तथास श्री पिशवत ताय, मिकिन मूर्णेक् थ भः नलपी नित्यपन मतका तित गर्ज आश्री हत छात्री जाली छानी वल्पावस जन्म श्रुत प्रकःम

न श्रागमन्कतिया डेक हर्त्र कि য়দংশ সূমীর প্রজাওয়ারি বন্দোবন্ত আমার সহিত্ত করার ওকুম দিয়াছেন ধর্মাবতার তাহাতে আমার প্রতি অন্থায় হইয়াছে। তদ্বিস্তারিত নি মেরনিবেদন এবণ আজাহ্য। ১। দফা : মের সাহেব कालक् हेत्व कतीशि ७७०% বিঘা স্থাম আমার দখল থা-কা স্পষ্ট প্ৰকাশ থাকাতেও গ্রহ ক্রমে ৩২৯/ বিঘা-ও রাম-কুমার বসুর ও জরি ৫০% বিঘা ভূমি আমার সহিত বন্দেৰিস্ত করার জন্য গত > মার্চ্চ তা-রিথে খজুর খ্কুম দিয়াছেন, তাহার মধ্যে -ওজরে ৫০/বিঘা এইकत्म ७२७/विचात घरभ

হাদফা আমার প্রাপ্ট তুমি মজ ক্রা বর্ণ্টোপাধ্যায় ডেপ্রটা কালেকটর বার পরগণার
রেও রাজী ২২ ইঞ্জী হাতের ৮০
হাত রশীর দারা জরীপ করিয়া
১৮ ইঞ্জী হাতের ৮০ হাত রশীর
জরীপে ভূমি পাইলে মবলগ
ভূমি কমী হয়, সূতরাং গরীব

বজায় থাকেনা।একারণ প্রার্থি ত ২১ ইঞ্জী হাত্তের ৮০ হাত রশীর মাপ হিসাবে যেজমী বেশী হইবেক তাহার সত্ত্ব করি-यो पिरा आखा वय । ७। पका भागान श्राभा इ-ওয়া ৮।১।১। দালের ভূমিতে ৫०/ विद्या त्य लिशी ऑएइ, ঐভূমি আমরা ১৮ ইঞ্জী হাত র ৮০ হাত রশীর দারা জরীপ कतिल २१ विशा स्त्री रहेल। বিচার পতি প্র ৩ দাগে কথন ৫०/ विद्या कृषि इहेरवरूना, जाहा গুজ্র হইতে জনেক আমলার দারা জ্রীপ করিলে প্রকাশ रहेत्वक । এकाइन প्रार्थिङ के अस्ता अभी श्रुत रहे छ ज्ञान क आप्रमात पाता ज्हतील कतिया Co ! तिमा भूता रेशा पिएड आखा इय । रेडि 8 प्रा । श्रुकिष्टित श्रीयूत्र-বাবু মহেশ্চন্দ্র বন্দ্যোপাঞ্চায় ডে-পুটী কালেক্টরের জরীপে রা-म क्यांत वन् पि गरत्रं नाया २०/ विद्या ष्ट्रिय त्लिथा आरह । এवः उपन्याशी के २०/ विद्या प्रित ডৌল বসুগলের পক্ষ হইতে ন-থীতে দাখিল, তদনত্তর মে: জে র সাহেব কালেকটর বাহাদ্রের फ्रितील ३०/० विद्या जुपि निश्क তত্রাচ ২৮০ বিঘা ভূমি ঐ বলুর স-হিত বনেনা বন্তের ত্কুম ত্তুর रहेल रहेशाष्ट्र। विष्ठात कर्जी যে স্থলে মোট চরে আমার

পথ, তাহাতে প্রশংসিত মে: সের-সাহেব রুত জরীপে আমার দ্থল ৫৬০ বিঘা ভূমি লিখিত আছে, নে-क्ल जाश्वं नूवन कभी श्रात्अव প্রুম হইলে আমার প্রতি অনায় হয় কিনা তাহার বিচার হজরেই হইবেক। এতাবৎ কারশেদরখান্ত করিয়া প্রার্থিত উপরোক্ত কয়েক দফা আপত্তি প্রবণেও হু-জুরের শুতাগমনে যাহাতে আমার প্রক্রি অন্যায় না হয়, তাহার মত বন্দে ব্য করিয়া দিতে আজা হয় ধর্মীৰতার কর্তা নিবেদন ইতি अंग १२,७७१ ३ किंग्र

প্रতিবাদী বংশীবদ্নাগ্রাষ্থ্য অঞ্চুর নন্দী সাং শোভনা সাং লোভনা भर मलहे भर मलहे মোং ৩1 প টাকাবাবতে বাকী থাজনা ঐ মোকর্দ্মায় সুতীয় পক্ষ প-त्रगटन घलचेत त्गालना निवानी গিরিধর পদারীর পক্ষ হইতে মো জা হেম হেন্ত ্যা বিরোধীয় করের তুমিতে वापीत कान ऋख नारे । भत्रगण মুন্ইর তর্ফে শোতনার মধ্য

पीननाथ भिष्यत्र निक्रे जन्ड গাঁতির শতর্গত ৫ বন্দে ৫.বিয়া ভূমি আমি ও পিতানিত্যানন্দ পসারি ৬ টাকা জনা লইয়া তদনু সারে ২ বন্দের কাত ২1. विघा निक कार्कीछ - ९ वकी ও বন্দের কাত ২৮ বিঘাতুমি প্রতিবাদীকে বর্গা জেনত দিয়া তাহার ফসলের ভাগ প্রাপ্তে দথলিকার সম্মতান থাকিয়া ताजम आपाय शूर्विक भिंपर्यनापि প্ৰাপ্ত হুইয়া আসিভেছি, তিব विदासीयं कदात महात्न वामी এক দিনের তরেও কথন দখিল कात्र नद्दन । ২। প্রশংসিত মিত্র গাঁতিদার মহাশয় আমার নিকট বেশীকর

চাহিতায় ভাহা নাদেওয়ায় তদাকো-শে জমা জমী হইতে আমাদিশ কে নিরাশ করপের মানলে বাদীর সহিত যোগ ঐক্ততায় ইজারা দেওয়া বাহানা করিয়া বাদীর দারা আমাদিশের প্রাপ্ত ৬ টাকা র জমার অভগত নিজ কার-की हुछ २। विघा भूमि १ विघा जे जात्थ ७ छोको अधाकतातः পিতার নাম সহিত আমারনামে ৭৮৪নং ও আমাদিগের বর্ণাইত প্রতিবাদীর জোতের ২৮ বিঘাজ মীকে ৪০ বিঘা বলিয়া ও টাকা জ মা করারে এ অযথা নালিশুকরায় মোজা হেম দাখিল করিয়া প্রা র্থিত বিচার পুর্ব্বক বাদীর অযথা দ্বি ধ্রুস ও আমা দিগের জমাই

ষত্ত্ব দথল বজায় রাখিয়া আদা-লত শরচা সুদর্সহ দেওয়াইতে आखा द्या । देखि जन ३२ १२ माल তারিথ ২৭ অগ্রহায়ণ আমি গিরিধর প্রসারি रेश जानाइटा हि य अहे. মোজাহেমে যাহা লিখিত হইল, তাহা আমার জ্ঞান-ও বিশ্বায় ম-তে সত্য প্রীগারিধর পসারি

ब १७४ মহামহিম জেলানদী দু য়ার শ্রীমৃত কালেকটর দু সাহেব বরাবরেষ দু জি ফানেজার জানবে বাঙ্গাল কাম্পানি মোং কুটী কাট आशीलागे-রেসপাড্যান্ট দ্রীগৌরচন্দ ঘোষ গ্রীমে:রবার্টনারমোর मा॰ कुला न न भूत সাহেব ম্যানজার জানৰে বাঙ্গাল रेलिला काम्शानि ঘোং কুটীকটণড়া দাবি ৫12 টাকা বাবতে বাকী থাজনা অত্র মোকর্দমা মোং বএড়ার ডেপ্স্টী কালেক্টর প্রীয়ুত বাবুরুক্ষ বিহারী মুথোপাধ্যায় গত ২৯ এপ্ৰেল তা-রিথে যে ফয়সালা করিয়াছেন তা-হার নারাজিতে এই আপীল করি লাম, আপীলের হেরুএই ত ३ एका । श्रविवामी प्रज कुत জ্রীপ জ্মাবন্দী স্বীকার প্রবঁক क्वूलजी लिथिया एएउमा - अ भूत्रे मान छजाती कता यथा-যোগ্য প্রমান হইয়াছে ওপ্রতি-বাদী তাহা তরদিদে কোন বিশি-ये अभागापि मार्थिन क्रिएं পারেনাই, ইহাতে তেপুটীবারু আমার পক্ষের গুজরায়া সাক্ষী-গণের প্রতি কেয়াছি হেতুতে 🗷 বিশ্বাস করিয়া নাহক প্রুম দে-ওয়া আসল অবস্থার বিপরীত অন্যায় হুইয়াছে, তাহা প্জুরের

তজবীজে অপ্রকাশ থাকিবেকনা। २ एका । अठिवामीत लिथिया एउशा কবুলতীর ফ্টাম্প অপর ব্যক্তির নামে থরিদ থাকার স্থলে যে অবিশ্বা সের কারণ লিখিয়াছেন, তাহা এন-ছাপের বিপরীত, যে হেবু বংতর अंका अक्काल मिलने निश्रा দিবার সময় দলিলের ফ্রাম্পে য়ে২ ব্যক্তি কবুলতী দিবেক, তা-হারাই যে থরিদ করিয়ানা আদি ल मिनिल य अमान रहेत्क, এমন কোন আইন প্রচলিত নাই, বং তর প্রজা কবুলতী দিতে হই ल, नाम १ खेळाला थेत्रिम इ उग्नो সম্ভব কোন মজেই নহে। তাহা श्रुतः अवििष्ठ नारे। हेठि আর ২ বিস্তারিত উমাকান্তরায়ের

নামীয় আপীলের মোকর্দনায় লিথিলাম, তাহারি স্বিচারে তেপুটী
বাহাদুর অন্যায় হুকুম রহিত পুকিক আমার হক দাবী দেলাইতে
আজ্ঞা হয়। ইতি সন ১২৬৮ সাল
তারিথ ২৯ বৈশাথ

न् १०

রোবকারী কাছারী কালেক্টরী জেলা যশোর সীযুত মেংএন, এম, সুটার সাহেব এসিষ্ট্রান্ট কালেক্টর সন

ত্যেজীর ৪২৮৮ নম্বরের মহাল পরগণে সিলমা বাদের অন্তর্গত কিশমতে ঝিকড়ার চিরস্থায়ী রন্দোবন্তের বিষয়

ino	'					, ,		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	4.	
	ं	華			*		अंश्रम्	मुस्था भाष्ठाऱ	अवनाथर भूक्तानम	मक्समाद
ब्दम्।यद्भ	श्रिकार ७	दम्याप	···· v ··· nemejel				अन् ३१११	भारलङ्	>देवनाथ ह	कुछ हिन्- अस्ति
এসান					•		33			
संस्था याहे	अंदो कर	鱼	¥6 9.5-	1 (A) (A)	মূরে	c	ŗ			
	如	भदकाद	बद्दापूर्व	,			3/04.08	वांद्र ३७	स्टमञ्च	
L	मानिकार्य	भद्रक्राधी					व्यापक रवमक रवमक	<b>%</b>		
थाञ	जमा						ashso			
	友多						5 h. (23 h.o	adam, milinan ar an	/	
<b>**</b>	न्यार्थक	Se la constant de la					ż		indentifyer metallele inner 14 m	
आरे बेसी यमगड	िं अस्ति नायुक	असील-					9/100	c		

১ ধারা বন্দোবত েকারণ মারম্ভ এবং তাহাতে সরকার বাহাদুরের যে সত্থ মাডে তাহা

মোকর্দমার বিবরণ এই যে হ্র-**उद्ध दठोधु**द्वी पिशद क्षा नाथ त्रिश्ह দিণরের নামে ৪০ টাকা পরিমাল জমা বেদ্থলীবাবত দেওয়ানী আ-দালতে নালিস করায় সিংহ গণ এ সুমি শাপন বিশ্বর এ জ্যোরে জেওয়াল দেওয়ার সকর নিষ্করের বিবাদ মীনাংসা কেন্ত্ৰ উক্ত মোকৰ্দ-मा भूकि छिउ बीयूर कालक् ऐरमा হেরের হেজুরে আগত হইয়া প্রশং সিত ত্রীযুত কর্তৃক ডিসমিসের স্থ-তিপ্রায় যুক্তে কাগজাত দেওয়ানী আদালতে প্রেরণ ও ক্লোট আপীলে -র বিচারে উক্ত আদেশ স্থির তর থা-किय़ा विदाधीय 8-8 े विवा जुमित वावज ३৮।३२ जात्नत २ आहेन মতে মোকর্দমা দায়ের করিবার আদেশ হওয়ায় তদনুসারে মো-কর্দমা উক্ত কানুন মতে সরকার বাহাদ্র বাদী হরচন্দ্র চৌধুরী দি গরের প্রতি বাদীত্বে উপস্থিত ও প্রীযুত খাস ডেপুটীকালেক্-हेत्र मार्ट्स्वत विहास ३৮४२ मा-লের ২১ সেতম্বর তারিখে সর-কারের পক্ষে ডিক্রী হওনানস্তর প্রস্তাবিত কানুন দোয়েমের মোক-দ্মার আপত্তিকারী রঘুনাথ মো-ষের আপীল মতে থাস কমিসনরী আদালতের ১৮৪৫ শালের 🔊 জুন তারিদের ফয়সালার প্রু-

मानू आ दि कूना निष्मा आत्मत ३-२५ বিঘা ও ঐ প্রামের ২১/ বিঘাতুমি ১১ ৭৭ সালের সমন্দে লিখিত থা-কায় তাহা পূৰ্বস্থিত ডেপুটী কা-লেক্টর মেঃ রাইলী সাহেরের ১৮-৪৫ সালের ১ সেতম্বর তারিশ্যে ও খ্রীযুত কালেক্টর সাহেবেরঐ মাসের ৩ ভারি থের ইংরাজীটি মতে থালাস বাদে বক্রী বিরোধীয় ভূমি জরীপ তদ্তে মোট ২০১॥ ४॥ विद्या स्त्री नायक रहेशा विकड़ात ৫৩।৩ বিহা জমীর গর নায়ক ว 40 विद्या वाटम उकी ७३५० कारी जभी जुश्मय मुखालाधार उ श्रुवीनम म ज्ञमपात उविन वर्णतं ३२२।०। विद्या कृपित ८०५ काछी उन्ही शह नायक वाटम वाकी

>>७५३॥ कांगे जभी बातकानाच চৌধুরী দিণর সারটীয়া ক্রফনগরে-त ७८/३। कारी जमीट नात्यता-জ দার গ প প্রজার মারফ তে দখিলকার থাকা ও তলব মতে নাথেরাজ দার গণ হাজীর নাহ-ও য়ায় ঝিকড়ার ভুমি দখলীকার ও পূর্ণানন্দ ও সুখ্যময় ও বিলবর্ণের সুমি দ্থলীকার উক্ত দারকানাশ প্রস্তুতি ও সার টীয়া কুফ্রন্স রে-त जुनि भाति साहत रान्यभा ধ্যার সহিত উহা দি পের ্রার্থ-না মতে প্রথক প্রথক তিল छोल ३३ ७२ जाल इरेड ১২৭২ সাল পর্যন্ত ২০বৎসর মেয়াদে ইজারা বন্দোৰম্ভ হও নান্তর বিলারণ ও সারটীয়া ক্ল-

ষ্ণ নগরের ভূমি অন্য প্রকারে वत्नावस रुखा श्रकाम थाकांत স্থলে প্রীযুত কালেক্টর সাহে-व शठ दर्खन ३० जुलारे अ রিশ্রের রোবকারীর দারা সন >२१२ माल रहेरा मिक् ज़ात भूनः वटकाव्छ आमत्न जा-निशा ८ शयमाम । स्वत्नार्य न থীর কাগ জাত াপকের স त्रीएन जर्नन कतिवाय नियमान्-সারে বদেশবস্ত গ্রহণ করণী-র্থে নাথব্রজেদার গণের নামে এ एवला नामा जादी र्उशांत পর সুথময় মুথোপাধায়-उ भूगीनम मजूम मात उ হ্র নারায়ণ ও মহেন্দ্র নারা-म् भिः व वत्ना वस अश्ला

প্রার্থনায় পৃথকং দর্থান্ত बाता राजित रहेशार । हेनि

## न् १३

আরজী কালেকটরী रामी मालू गाकी थि: नूर भर्मा भाजी । अ जा भूतालमात পেসা চাসবাস | শি: দামুণোলদা-আবাদ সাকিন থাজুরা পরগণো হোসন প্র

• প্রতিবাদী ध भू लालपात র সাবিন থা-जुता भए एएम-न शृज्ञ है (र्ये म-न शनवाम श्व

মোং ধবিষা জমীতে বেআইন सम्थल उंश्त प्रला अन्याकः

199

টাকা নং ১৪৩ তৌজীর মহাল পর্ণ-ণে হোসন পুরের মোগলক থাজুরা প্রামে প্রতিবাদী গণের মধ্যে মধ্-ও সাধু গোলদার প-জিবাদীর পৈতৃক গাঁতি জমা যে আছে, তাহার মধ্যে ৩ বন্দে ও বিঘা জমী সমেত इक मानिशाना ७% जेका ज मा अवधादिष्ठ मन ३२ १२ माल्वत २ केंग्र जातित्थ जना कतिया दम्ख्याय आभि ज्ञा ज्यीद्य प्यनीकात হইয়া বসত বাদ পুৰ্ববিক নিজ কারকীতে ধান্য, তামাক रेजापि यञ्चल देउग्रात करि या नदेशा कर आपाद्यं प्रथ-

নীকার আছি, তাহাতে উক্ত জমীর মধ্যে হইতে নীচে লি-थिउ को इमीत ३ तन्म जुमिछ বর্ত্তমান সনের ২৫ ফাল্ডাণ তারিথে প্রতি বাদী গণ লাঙ্গ न पिया ठाम कतिया काँगेन পাড়িয়া লইয়া আমাকে বে আইন মতে বৈদ্যল করায় আমি ১৮৫১ সালের ३০ আ-ইনের ২৩ ধারার ৬ প্রকরণ অनुসারে দাখিলা ও धवाणत वरलं के जभीएउ भून मथन भारेवात मूल पिलन पाथिला आवं की अरु पाथिल कविलाम रेंछि १२१७।२ टेन्ड

দর্থান্ত শিতাকুর দাস লোমানী

থ প্রীরাম দাস লোমামী

ড্গীদার পরগণে সাতের ৷

নিবেদন এই উক্ত পরগণার
মোতালক চর ছ্যাবতী ঘাহা

এই ফলে হু জুরের বিচারিত
জের বন্দোবস্তে আমাদিশে
র দ্থলে আছে, তাহাতে ঐ

চর হু জুর কর্তৃক বন্দোবস্ত
সমাধা পর্যন্ত সরকারী থাস

তহপীলের আদেশ হওয়ায় খামাদিশের সমূহ ক্ষতিএ-বং প্রীযুক্তা মহারাণীর লোক-সান হওয়ার দন্তব থাকায় থাপাতক সাবেক জমার সন-১২৭৩ শালে মেয়াদী ইজারা প্রান্তির প্রার্থনা। ইতি 2। ज्रेक इत आंभापि लात সহিত খ্য পূর্বে কায়েমী ক নোবন্ত হওয়ায় আমরা বহুত র ব্যয়ের দারা যেসকল প্রজা পত্তন করিয়াছি। একণে আ-मा पिट्रांत मिर्ड रत्नाद्य ना र्रेग्न थात्र उर्जील र्रे प्ल ये जकन अजागणत शृंण আমাদিশের যেসকল থাজনা ৰাকী আছে, তত বাৰত নলীস করিতে হইলে, প্রজাগণ নৃত্ত ন পত্তনীয় প্রজা বিধান ও-ঠিয়া যাওযায় এ চরের জন্দ ল সাফাই নাহইলে, ভামী সকল পতিত ও আমাদি গের পক্ষে অসীম ক্ষতি হও-যার সম্ভব । ইতি

३। उठ हत अश्वित का उक विश्व कि क्री का हो जूटा प्थल পाउँ यात नावक श्री मा जूमती पाजा श्रीयूड का खामा जूमती पाजा श्रीयूड का दल जाट्व ३८०।३ नश्रद प् थल পाउँ याश जपत अभिन यापाल्ड नालिज कित्रवाळ अ-स्पा अ पाकर्षमा उपन जनग जिवल कार्ट्य आभीत्वत ना-कार्य क्रियाना श्रकाण दुरंग्रोग বিপক্ষণণ ঐ আমীন প্রীউমে-শন্দ্র মিত্রের সহিত যোগে প্রজুরের ক্লত নকশার বিচারি-जं विवापीयं जभीत पृष्टे भार्ष राष्ट्रश्वत्री पिशव এवः थालानी ও রুইজালীর চর প্রতৃতির সীমানার মধ্যগত বংতর জ মী বাদ দিয়া নকশা প্রস্তুত उ জ্বान वन्हीं लहेद उएन এজন্ড মোকদ্মার ঐতিদ্বর করা মহল থাস তহদীলে কোন মতে ক্রয়ার সম্ভব না-থাকায় ঐ মোক দ্মা আদা-লত কর্ত্তক জানা অবস্থার বিপরীত বিচার হইলে আগত काल ये जकन ज्जी हत হাইতে বাদ পড়িলে সরকার বাহাদ্রের ক্ষতি ও আমা দিশের সমূহ লোক সান হওয়ার স-স্তব এজন্য দ্র থাস্ত করিয়া প্রাথিত যে উপরোক্ত বিবরণ প্রাণিধানে এ চর সন ১২ ৭৩ সাল লো সাবেক জমায় আমাদিশের সহিত বন্দোবস্ত করিতে আল জা হয়। ইতি সন ১২৭৩ সাল ভারিথা ২৭ বৈশাখা

न् १७

৫৬৮ নং ১৮৬৬।২১ ডি সম্বর

मरापरिप्र श्रीयुउ कालक्रेंब नाट्व जिला यन्त

দর থান্ত দ্রী লোপিনাথ রায় उ श्री त्मभांन हक हक विख मार्कि न श्रीताम शूत । श्रीइति-শ্চন্দ্ৰ বৰ্ষু সাকিন দেওাড়া भत्रगल रेमप्रभुत निर्विद्र अ दे किममजी भवगरंग मिमशूरवव অন্তঃ পাতি মহান্ত গ্রাফফর। চারি আনির মোতালক ১০৬ নং नारे प्रयमा इय्यतिया नाकित्न অত্য়া চরণ চট্টো পাধ্বায় দি-পের ৮১৮॥৬ টাকা সদর জ মাঘ় পত্তণী তালুক ঐতালুক व ॥ भे २०। — वक्षात्र अतिक ম'ইলাল চট্টোপাখায়'ওউদ্ধৰ ठल हट्टी भाषाय ७ कानिश्र-भाष हत्ती शाध्यय ७ त्विहर ণ ভট্টো পাখায়ের নিকট হইতে

আমরা সন ১২৭৩ সালের ১৫ খা माज़ जातित्य ४७२८५ होता कामा ধার্য সায় দরপর্গনি পাট্টা গ্লহণে রাজস্য আদায় পূর্বক দখিলকার সন্তবান আছি তাহাতে ঐপত্তনি গালুকের বর্তমান সন >২৭৩ সা-লের নাণাএদ আম্বিন তলরের থাজানা পত্তনিদার গণেরা পরি-সোদ নাকরায় মহাল অক্কর পঞ্চ १९८७ जन ১৮ ५२। । आहेन माउ जानूक प्रज्कृत नारे रंग्दी रहेला উक भग्रमिपांत प्राप्तक गर्भत भाष्य तकम रेजा= आना त मतिक, जश प्रत ठ एते भाशाश ও হরেন্দ্র নাথ চট্টোপাধায় তা-शिषिलात प्राना थाजाना नार्प्य-शाय प्रश्न प्रक्रकृत निनाद्युत

महबद्ध आगियाष्ट्रिन वाङ्यकि নিলাম হইলে আমাদিশের অ-धीन जल नेसे इस विधास आপन সত্ত রক্ষা জন্য এ জয় দেব চটো भाधाम मिलात अःग डेक रेग= আনায় আমার দেনা মায় সুদ্থ-রচা ১৫০৮ টাকা আমরা বত্তমান ১২ ৭০ সালের ১৪ অগ্রহায়ণ তা রিম্মে দ্র খাস্তর দ্বারা আমানত করিয়া নিলামের দায় হইতে তা-न्य भङ्क्दा तका कतिसाष्ट् ধর্মাবতার ও জয়দেব চট্টোপা-धप्रय मि भारतत अः म आमात पि-गत एत भउनि एन नाई अथ ह प्रशल निलाम इहेटल (अक्रभाल মহাল আমার দরপত্তনির পাটো इंडिज इस अविधास-डेक २०० री-

विका जारी जरादि हदी भाषाय দিণর দেনা তাহা আমরা আমানত कतिशाष्ट्रि अञ्कल्प ঐ ज्य एत ह-एो भार्थां पिगदात अश्म तकम 🗸 । जाना प्रथल करिया छेक আমানত করা টাকার মায় সুদ সো দ লওয়া আবশ্যক এজন্য ১৮১৯ সালের ৮ আইনের ১৩ দফারঃ প্রকরণ মতে দ্রথান্ত করিয়াপ্রা-র্থিত যে উক্ত জয়দেব চট্টোপা ধ্যায় দিণরের অংশ রকম 🕪 = আনা হিস্তায় আমাদিশের কে রি-ত মত দখল দেওয়াইতে আজ্ঞা-र्य नित्रम्न देठि जन २२१० जाल তারিথ— ২৩ অগ্রহায়ণ

নং ৭৪

মহামহিন জেলাবর্দ্দমানে দি বি র কালেক্টর সাহেব দি দি বরাবরেষু

निथिउ श्री रहना छोकी पात कम्प রসিদ পত্র মিদং কার্য্যনিঞ্চাণে অরহা याप भवनगाव नेषि लाभान भूखव পর্তান তালুকদার খ্রীরেণীমাধব ব-त्या भाषाश मार्शि दिनिकी कैं विश्व ও ডিবি জান কাঁটেওয়া বাদী উক্ত किकी । उ जिक्जिस्त मामिन पूरा গ্রামের মাল মোতালকের প্রজন काश्राली पात्र मप्क आत्रामी तनारम याकि का जनात निर्तिथ जूतक ११५०/१ प्रेका पावीख्य ३०३ **न**् नालि म कतिवारा डेक नघद्वत् मधन नदेशा ७३ नेम्रद्ध जिल्ला भाषा स्त्रोदक

3 6

মজ কুরের পৌছিবায় আমি প্রাদান সমতিব্যাহারে থাকিয়া স্নাসামী কীরতমান বালিয়া প্রাক্তিমান থাকিয়া প্রাদে বস বাস করিয়া রূপোন মারিয়ার প্রাদির পশ্চিম, দোয়ারি সদর দর্মা ক্রার রীতি মত ২ কেতা সমন লটকা ইয়া দিয়া রিসিদ পশ্র লিখিয়া দিলাম। ইতি সন ২২৭২ সাল তাং ২ ভাদ্ধ

श्री त्रिथ पास्त्रम । उत्पद्ध प्राप्तिक भारतार्थि । स्थान

माः भाजा है।

T? 90

মহামহিম মহকুমা কার্চওয়ার প্রীফুড় ডেপুট্রী কালেক্টর ' বরাবভ়েষু

प्तथास शिकि प्राथन वल्ला भारत स जानूक प्रति लागि लाभान भूत भः अत्रमावाप कि की की छेशात मामिन प्रारक पूना आग्नत साल क्या काल क्वत श्रका कामानी मप्रकार नाक का श्रका कामानी मप्रकार नाक का श्रका कामानी मप्रकार नाक महकाद १९५० प्राथन कि कि स्व श्रक्त श्राची भभमन कारी क्वा रस श्राचिम । रेठि मन १२१० मान न अतिथ २० किया

## न ११७

## মহামহিম জেলা পূর্ববর্ধ মানের প্রীযুক্ত কালেক্টর সাহেব ব্রাবরেষ্থ

लिशिक के विकासानी मान ममक কস্য মোকার নানা পত্র মিদংকার্য্য নথগগৈ সন-১৮ ৬৫ সালের ১০১ নম্বরের নিরিখ সুরত বাকী থাজ নার মোকর্জিয়ায় সোমার তর্ফ সওয়াল জ্বোব জিদ্বাত করণ জন্য সত্র বর্দ্ধমানের প্রীযুক্ত স-वर्षा अनाम् भूरणाभाषत्रय उद्योपुक বাবু গোপাল চন্দ্ৰ খোষ ও শ্ৰীযুক্ত সারদা কণ্ঠ রায়কে মোক্তার সদর আমীন আদালতের উকীলশ্রীযুক্ত গোবিন্দ মোহন সরকার ও শ্রীযুক্ত नील माधव ताय ७ श्रीयुक वः नीयत

ঘোষকে উকীল মোকরর করিলাম উকীলে ও মোক্তার আনার মুধ্যে যে মথন হজুরে হাজির হইয়া আমার তরফ সওয়াল জবাব তদ্বি-রাত থাহা করিবেক ও বর্ণনা প্রাদী সহিত্ যাহা দাখিল করিবেক তাহা আমার মঞুর এতদার্থে মোক্তার না-মা প্রালিথিয়া দিলাম ক্রি সম ১২৭২ সাল ১ ভাদ্র

> নং ৭৭ মহামহিম জেলা কর্মানের প্রীযুক্ত কালেক টর সাহেব ব্রাবরেয়

विभिन्नः श्री का आसी पाम भएक कम्म अक्षांत भग्न भिष् कार्यन-क्ष्मारम ३०३ न बख्त नितित्थत भा

কর্দমায় মহেশচন্দ্র মজুমদার ওহাড় मल्लिक देशिं मिण्ट मान्य मन्य क्रि-বাতে সাকি গণের নামের সমন লই-য়া ৪৩৯ নং ফকীর মল্লিক পদাতিক মপসল আসিবায় আমি পেয়াদা-র সমতিব্যাহারে গিয়া সাক্ষাণণের অনুসন্ধান করায় সাক্ষিণণ রূপস थाकां निजान प्रही कतिया धरेक-ণে দেখাইতে পারিলামনা। ওতদা-व्य जिक्तात भय निश्चिमा पिलाम। रेठि मन ১२१२ जाल जार्यक्षांत्र रेगामी

द्नाटोकीमात वाम हत्न टोकीमात भार मूला मः १५

মহামহিম প্রীযুত বর্দ্দানের কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু

निश्विः श्रीदिन होकीपात क्रमा तिमि भाग मिमः कार्यम्यन ला टोकी कार्र अंग्रात जामील पू-ঘা প্রামের তালুক দার বেণী মাধব বন্দ্যোপাধ্যায় বাটী উক্ত চৌকীর সামীল দুঘা প্রামের মাল মোতা-लकं अज्ञा कामानी पान मप्क श्रिठि वापी इ नाष्म २२ में र पोका प्राविष्ठ निर्तिथ जुरु नालीम করিবাতে প্রতিবাদীর মানিত भाकी घटश्य प्रजुपमां ना-মে ১০১নং ইস্তাহার লইয়া ১৪ नः हाँ मामेक शक् िक मश्रम

ল সরে জমী পৌছিবায় খা-मि छेक भगाठिकतं निकरे शकित श्रेशां श्रिक वामीत जन्य निमान-দিহী মক্ত সাক্ষীর বাটীতে তল্লা-স করায় সাক্ষীর সহিত সাক্ষাৎ নাহওয়ায় সাক্ষী গণের বাটীর স দ্র দ্রোজায় এক কেতা নকল ইন্তাহার রীতিমত জারী করিয়া সকল কার দুষ্ট স্থাণে লটকাইয়া पिशा तिमिष <u>श्रे</u>य निश्विश पिना ম। ইতি সন>২৭২ সাল তারিখ ৪ আমাঢ সাক্ষী त्रामाई टिकीमात त्राधानाभ टिकी प्राव

## नः १३

জেলা জপোৱের কালেক্টরি প্রতিবাদী বাদী রাজা রূদাকাত্ত হৃদ্য়নাথ যোষ রায় সাং চাঁচড়া পাং কড়িয়া থালী পংথমাদপুর পংলৈদপুর स्मार् ४-२। लेक छोका रेखे प्रन मनिताम श्रुख़त मा-

जानक २००नः को जीत महल **१** किए भूत आभात जमीपाती তদ্ত্রগতি তরফ শ্যাম কুড়ের মৌ জে রতন দিয়ার মধ্যে সরহ পর-গণার ও পার্শ বর্ত্তি তত্তল্য জমী-র নিরিম্থের কম নিরিম্থেপ্রতিবাদী র দখল করিতে বক্স মহম্মদ্কো ড়াবর্দার ও গোলাম হোসেন সে-থের নামে কমী বেশী সুরত্ত ১৪০ ৮৯

कल्प किया मूत्रदे थाजना भा ওয়ার অধিকার আকায়সন>২৭২ नालित रेखक सूक्रनागारेष आत्य त्री नानियांना जलंद अयोजीन वादम बाजन थाजन ७१८।२)१ টাকা ও সুদ ২ ৬ ५ १ र टोकाव्या है ४० २ 1A à টাকা আমার প্রাওনা তাহা পাইবার বাবত বাকীর হিসাব সম্ব-লিত জমীর বন্দ ওয়ারা চিঠা ও लागित्मत य अखनानिम । जेक নোটিস ৫নং মোকদ্মায় জারীতে

आटह। उनव पिया विहात आखाः

হয়। ইতি সন ১২৭৩ সাল তা-

त्रिया २३ एक छ

न् ५०

মহামহিম প্রীযুক্ত ডেপুটী কালেক্টার মোং কসবা বরা বরেষু

प्रथान शिल्पात रमम को भूती মোং কলবা আমার নিবেদ্দ ৩৫৭১নং किः गानी भंत्रगण मश्मप् नारी जानूक इय़ जात्त हा विवि पे जानू-क विवि मङ कुता जीका मान म-থলীকার থাকিয়া আন্দাক ২০ বংসর মৃত হওয়াতে ও উত্তরাখি-कारी नाथाकांग्रे लाउग्रा अर्था ९ সরকার বাহাদুরের প্রাপ্ত হও য়া বিবেচনায় অত কালেক্ট রীর না-জীর মহাশয়ের নিকট প্রকাশ ক-করায় নাজীর মহাশয় গত ৮ জুন তারিখে রিপোর্টের দারা শ্রীযুক্ত কালেক্টর সাহেব বাহাদুরের श्कारत जाना है तन मारहत्वाश्रम् নিশেষ তদন্ত জনত মোং বিনা ইদ্য য় পাঠাইলে তথাকার নাজীর যৈ তদন্তীয় রিপোর্ট দিয়াছেন, তাহা কোন মতে চুড়াক ও বিশ্বাসযোগ্য इरेक भावना । कनना जिनिध-ধান সদ্র আমীনের বিচারিত ফয় সালার খোকস নকলের বিষয় উ-ল্লে খ করেণ, তাহা কোনমতে প্রাহ্য যোগ্য নহে। যদি যথার্থ ফ য় সালা হইত তবেও ফয়সালার সহি মোহরের নকল দর্শনি উচি उ छिल । ७ मश्मल प्यलीकात থাকি ঠাও হ'জুরে নাম পত্তন অব্শুত করিও। অতথ্য প্রাথিত उन् इकि तिलाट निष्ये । शासन

কলু টোলা নিবাসী আগর মহন্দদ হোসেন সেরাজিকে অথবা তাহার মোকার মহন্দদ বাহের কাজিও গোসস্তা বাসু বিস্বাসকে হজুরে তলব দিয়া গোহাদের নিকট হই তেও আমান নিকট হইকেওমমা-ণাদি গ্রহণে বিচার করিতে আ-

> নং ৮-১ মহার্মাহ্ম শ্রীসূত্র কালেক্-টর সাহেব তগুলা হলোর নরা বয়েম্ব

আছে, তাহা তদন্ত জন্য হজুরে নাজীরের প্রতি আদেশহওয়য়
নাজির মহাশম যে তদারকের রিপার্ট করিয়াছেন তৎপ্রতি আপার্স নিচের দফায় লিখিয়া বি
চার প্রাথিত। ইতি

১। উক্ত মৃত ব্যক্তির **সম্প**র্ मस्य यादा आमारक 'उदेन कतिशा मिशा एन, भे डेहेल त क्षेठि भत्म ह थाकात विषय श्रीय तिस्मार्ट य निर्मि করিয়ার্ছেন, তাহা অন্যায় ও মপ:স-নের অবস্থার ও শ্বীয় ক্লত জবানবন্দী র বিপরিত কারণ উক্ত মৃত ব্যক্তিয়ে আমার নামে যে সকল বস্ত উইল ক রিয়াছে, তাছা মপ: সল ওড় ২ সক न माकित बाता श्रिमाण दरे मार् थ दः उक उद्देन त्थातके जन्म

শ্রীযুক্ত জজ দাহেবের হজুরে দর-थां कर्ता दहेशात्ह जाहार बाहि। র মহাশয় এক ব্যক্তির মৃত্যু মা-মার আমলাণণের বাসায় হত্যা ग्न त्य भए५ वित्वच्यां कतियाह ন, তাহা অন্যায় কারণ এবাটী আমার মাতুল' ও গোপাল সিংহের দত্তা অন্দর বাটীও তাহাত রাদীর বাটীর সংলগ্ন। তাহাতে এ ছানে মূ ত্রু হওয়ায় কোন সন্দৈহ জনিত পারেনা । একারণ প্রার্থিত যে छ পরোক্ত বিষয় শ্রবণে নাজীর মহাশ-য়ের আনুমানিক রিপোর্টের প্রতি বিহিত আজ্ঞা প্রকাশ করে । ইতি সন ১২৭৩ তারিখ ২৩ পৌষ

## মহিমার্ণবেষু

নাবালগ প্রীযুত কুমার প্রমথনাথ রায় বাহাদুরের সেবিত শ্রীশ্রীরুম্ব চন্দ্র বিগ্রহ ঠাকুরের দেবতা মহালের नगत्र कान्मा आरंबत जारी- होकात এক জমা এসলাম সিকদারের নামে ও দিতীয় মাল মোতালকের এক জ্মাত শক্ষারের নামে ১৬৮৫ টাকার ভ্যা লেকেন্তার কাশতে লে থা যহিত। তাহাতে নানালকের অ-ধিকার বুতৃহত োমের প্রভির লো-नुरी नुत्र की से पाल का डोन कि ज मा २० १८ के काल हे ज्यंत्री मृत ना दृश्यत भाउना राकी योजनाइ ज न्छ निलारा जन ३२% जात्न नजारेल মহকুমার খরিদ করিয়া ঐ ঔপলক্ষ

দেবত্র মহালের ৬1%৮ টাকার জ মা মোতালকের পুরুরিণীওবাগাত ও জিমী আদি গাল মোতালকে র ঐ ১৬। /৫ টাকা জমার সামীলে দ-খল করিত। তাহার খাজানা কোন প্রকারে পাওয়া বাইতনা। এসলাম সীকদার ফোও হওয়ায় অধীনপ্র গ্রামেরপ্রজা লোদ্রত উল্লাপ কে ताष्ट्रिश कही अभी स्वताय मित्त প্রাজাগণের দারা ঐ জনী জনা मानायां व विशा भारतक जना आर्र শিকার লে ১১৭০ টাকা জমায় প त्कांप्रकु उंद्रा मिला क्व प्रदर्शि मिनत विली कराय थ बात्य एक स्भी लये एउर्क्स मध्य भूकितिनी आपन थ-हीए। क्यांत्र इ मेल छेल्लास्य भ्ये र्युक्शिवेशी गाउन कुर त्वत भ ९ मा उहंत-

পাতে ৩০০ টাকার দাবীতে প্রজাকে एकत वात कतिवात निमिष्ठ देणमन कफ कार्ट नालीम कतियां विकउ-রফা ডিক্রী সিদ্ধ করিয়াছে। অত-এৰ প্ৰজাৱ দারা ও হক্ষ রদ জন্য ভানীকরা আবশ্যক নতুবা প্রজা ম জকুর মৌলবীর ফেরেপে জের वात रहेशा जमा एफिश पितन ও অন্য কেহ জ্মা নালইলে না বালণের দেব্য মহালের জমাপ্র ৰ্ম মত মছলম ক্ষতি হইবেক, वमल धार्यना त्य डे ला लाक वि বরণ প্রণিধান করিয়া যথা বিহীত भारप्र अपात्र आखा रहेटल তদনুরূপ অধীন করিবেক। ইহা नित्रपूर कतिलाम। देखि जन ১২৭'২ I তারিম ৮ ফাৎরণ

## श्क्र पर्रेल

যে সরবরাহকার, প্রজা যদি সাহার্য চাহে, তবে করিতে পারে
। এমত চ্ন্ত রাখিতে হইবেক,
যে এ মোক র্দ্দ মায় নাবাল শের
সরকার হইতে কিছু শর চা
নাপায়। ইতি ১৮-৬৬।

>> বং মোক জেস সন ১৮ ৬৩)

> মহা মহিল জেলাবর্জ মানের শ্রীযুত প্রধান সদর আমিন বরু, বরেষ্ক্

মা' যবেষু

२०- २० जात्मंत ११ नः शोश्तंत ति त्याव क्यांतः था १८० दिनका काणि वार्षाः प्रकृतना निर्माण बार्षाः व्याप्ति द्वारान्त्र प्र २ रो श्वाद्या कत्रनार्ध्य वित्वतिक्षार्थः जाकि गण्टक ए जिलकिक्षार्थः जाकि गण्टक प्रक्रिककिशार्थः जाकि वित्र क्रिक्किश्चार्थः जाकि क्रिक्किक्ष क्रिक्किश्चार्थः जाकिक अधिक क्रिक्किशाकी । তর্ফ বাদী লোপীনাথ দাস > বিনদ বেহারী বাগদী >

मः पृष्टे ज्या भाष

বৈঠক প্রীয়ৃত জেমছ রেলি
সাহেব প্রধান সদর আমিন
জেলা প্র্রাংশ বর্দ্ধ মান
সন১৮ ৬৬।২ জুলাই

হকুমহইল

যে সাক্ষী গণের জৌবানবন্দী লওয়া জায় ইতি れで 68

अवन् इष्ट्रिय दक्तन भूकित्याः स्थितः देशस्य अत्यान अनेत

र्रितः आदश्य यस रहत्यु लिथिक माजा उभक्त इ नागमी पक রার ক্রিড়েছি যে ১৮৬৬ **সালের** १२२, ८, ७ गांनि काक ममारा या-হাতে দ্ব-শ্বরী দুর্গি বাদীনি দক্ষ-रते मिनी धकुरि छोटनानी पाए धिरिकारीत प्राप्तिक निषक्ति ত সাহ্যি গণের নালিও ইকাছার জারী করণাশর্ম ১৬নং দিনু শ্যাদা মায় ইপ্তাহার গ্রামে থা-ইলে আমি পাদার সঙ্গে সামী ণর্যের বাতী পীয়া তাহাদেরতলা मं कतिनाम किन्त ना नाकी ग

নের বা তাহানের পরিবারের কে ন বয় প্রাপ্ত পুরুষের দাকাণ্ড পাওয়া গোল যুতবাং প্যাদাপ্রা-মের প্রকাশ্র স্থলে ইস্তাহার ল-টকাইয়া দিলাম ইতি সন্তর্ ৭৩।২৭ অস্থিন

श्री भाग वास्त्री भाजी थाम वास्त्री भाजी भार थाम भूकत भूज

> নং৮৫ ৩১ আগফ নিখিল হয় হতি

১১ নং মোজনেস সম ১৮ ৬৬।—— মহা মহিম জেলা পূর্কাংশ বর্দ্ধ মানের ত্রীযুত প্রথান সদর আমিন বরাবরেয়

লিপতংগ্রী গীরিশক্র সরকার कच्छा ७ कालेज नामा भय मिपः कार्य क्षारा पिशश्चित पात्री वापी খামি প্রস্তুতির বিরুদ্ধে হজুর আদালত নালিষ করায় আমার পক্ষে বাবু রাখান দাস সরকার মুনসী জোহাদ রহিম বাবুপরাণ চल्प नन्मी वार् वामधन मुश्रु दक्र ও ব্রজনাথ চৌধুরি কে আপন পক্ষে মোকদ্মায় বর্ণনা ও জ্বাব দিবার নিমিত্তে উকীল বাহাল ক রিয়া একরার করিতেছি যে উ अ उकील गन जात्रात भएक

त्य त्कांन थ जाश्रक्तित्वक । যে কোন কাগজ আপন ২ দ अ थ एउ । आभा इ नात्र माथिल कत्रितक ७ त्य कान प्रशं व ज রত লইবেক 'ঠাহা' আমার স্বীয় ক্ষতের ন্যায়' বিবেচনা করা হ হইবেক এতদার্থে আমিএই डेकांलउ नामा निथिया पिला म इंडि अन ३৮७७ ।३৮ जिरू न **डेमा**जी लि। भू पिताम मतकात নাং, তোড় কোনা

মাহমাবর -১৩ দানের ১১নং পাপরের स्मिकष्मा यांश्ट मिनेश्वहि मोमी দর্থাস্ত কারিণী ও মঙ্গলা দাসী প্রতিপক্ষ আছে সেইনোকদ্যায় প্রতিপক্ষের সোজার হরি চক্র त्रांश्त अठि भाष्कत् भाष्क निद्ध त निश्वि जाकी नपार दिन ममज शक्ति क्रियाहण भाष्टि **धरे बिला**टिंब बाता लाश । मे গকে উপস্থিত করিতেছি ধর্ম

NY G

	ह अन ३४०००
आगर्य —	
जानील इ	खिता <b>जाकी</b>
एतक विजी	য়
उत्तेषु मधन	
ज्ञांमू अम्रात	
विक्र भान ग	
রাম নাপীত	3
	8
मर्	ठाति जना मान

বৈঠক প্রীয়ৃত জেমছ রেলি লাহেব প্রধাণ সদর সামিন জেলা প্রকাংশ বর্দ্ধ দান সন ১৮ ৬৬। ৬ আগফ ংকুম হইল যে নাকীগণের জ্বান ক্রীলওয়াজার। うしゅ

কং৮৭

দামেন

গামন

গামন

গামন

গামন

গামন

সন ১৮ ১৬।

মহামহিম জেলাপুকাল

বর্জ নানের শ্রীয়ত প্রধান

সদর্য্যামিন

বরাবরেম্

কে উকীল নিযুক্ত করিয়া একরার ক রিতেছি যে উক্ত উকীল গণ আমা র পক্ষে যে কোন এজহার করিবেক ও যে কোন কাগজ আপন ২ দস্ত খ-তে আমারনামে দাখিল করিবেক ও যে কোন দক্তাবেজ ও কাগজ আদালত হইতে ফ্রেরত লইরেক তাহা আমার স্বীয় ক্তের ন্যায় বিবে চনা করা হই বেক এতদার্থে আমি **७२ उकालं नामा निथिया** पिला-म रेंछि जन २५ ७७।७० जुन इनामी গ্রীমহেষ বেহারা গ্রীকার্ন্তিক বৈরাগ্য মোং বৰ্জমান

मर्प्प मश्मित्र एक्ता श्वर्तर्ग वर्क्ष मात्रत्र श्रथान नम्त् आमीन व्यावत्वयू

লিখিতং গ্রীপ্রতাপ চৌকীদার ইহার দারা একরার করি তেছি যে পাপরের মোকদ্দমায় যাহাতে কাইতি চৌকির সামীল ভোড়কো-ना निवाजी मिशस्ति मोजी मत्रश्रास कारिनो के माकी त्रत प्रम्मना प्रामी ও গিরিশ্চন্দ্র সরকার প্রতিবাদী আছে ৩১নং মাতাদীন প্যাদা ৩ কেতা সমন লইয়া আদাদের গ্রা-মে আইনে আমি পাদার হামরা হ গীয়ান্থীলাম বিপক্ষের ও তাহাদের কারপরদাজ ও তাহাদের সহিত

すってる

১১**ন**ং মোফ নেস

भनं १७७७ ---

জেলাপুর্বাংশ বর্ত্তমানের গ্রীযুত প্রধান সদ্র আমীন আদালত

कोना कारेजित मामील छाड़ काना मार निर्वामी प्रश्नित प्रभी एत थास कातिगी विश्वक मण मा प्रमी ७ गितिन्छक भत्रकात मार कार्डकाना कोकी कारेजि माबि ३३३००

ननाम मञ्जला माञी नीतिन्छन नत्रका র সাং তোড় কোনা চৌকী' কাই তি य दश्यक निविष्का उंक मा-वि পाई राते निपित्य जापाष्मत ना মে এই মোকদশাউপস্থিত করিয়াছে আর যুনানির দীন আগত সন১৮ ৩৬। ১৭ জেলাই মোং সন১২,৭৩,1 ২ শ্রাৰণ মঙ্গলবার তারিখেধার্য্য নাছে সতএব এই সমন তোমার হাওয়ালা করিয়া আদেষ করাজায যে শুমি উক্ত ধার্য দিবসে অত্যাদা-লত্তে হাজীর হইয়া আপন মো-কদ্মার তদ্বির করিরে নচেৎ নি-দ্বারিত নিয়ম গতে মাফীক আই न आम्रतन आमित्वक देखिमन अ ৬৬ ছিলাই

## ब्रं ०

প্রবল প্রতাপেয়ু

ত্কুমনামা বাহক প্যাদার জ্বানি প্রকাশ পাইতেছে যে সে মপঃস-ल यादेशा প্রতিপক্ষের তাহাদের মোক্তারের কার পর দাজের ১ থকা-ন্ন বর্তি সাবালগ পুরুষ পরিবার্ র অনুসন্ধান করিয়াছিল কিন্তু কা-হার দেখা নাপাইয়া সমনের ন-কলপ্রত্যেক প্রতি পক্ষের সদর দ্রজায় লটকাইয়া দিয়াঐ র প জ্যারর একরার চৌকীদারের নিকট হইতে লইয়া আসিয়াছে ইতি प्रम २४-७७। ३२ जूलाई-

बर् ७३

**३३ नर् यांफ स्ना**ज সরাফাত পানা ত্রীমূনপী কোদর ওলা নাজীর আদাল-उ एए अयो कि उत्ता श्वर्माः न বৰ্দ্ধিন বাফীয় পুৰাসন্দা দিগম্বরী দাসী নিরে দিকা मञ्जलो पोजी पिश्व क्रिशेश शक যে হেত্তক অগ্রামাকদ্দমা मन ১৮ ७७। २१ जुलारे हुज़ाउ বিচারের দীন অবধারিত হইয়াছে অত্তএৰ দ্বিতীয় পক্ষর নামিও আসলও নকল সমন ও কেতা তোমার হাওয়ালা করিয়া লৈখা-জাম যে ভূমি উক্ত সমন রিতমত দিতীয় পক্ষর উপর জারি করি

মা তাহার কৈফিয়ত ও জুরে দাখিল করহ ইহাতে তাকীদ জানিবা হতি সম ১৮৬৬।৩ জুলাই

নং ৯২ দাখিল ১৮ জুলাই ১১ নং মোফবেস সন ১৮ ৬৬।

মহা মহিম জেলা প্রুক্তিশাল বদ্ধ দানের প্রীয়ত প্রধান সদর আমীন বরা বরেষ লিখিতং শ্রীমঙ্গলা দাস্টান কম্ম ওকালত নামা পা মদং কার্যনঞাণে দিগস্থারি দাসী বাদী নি আমি প্রস্তুতির বিরুদ্ধে প্রজু র আদালতে নালিস করায় খান্ মার পক্ষে বাবু রাথাল দাস সন

तकात मुननी एक दोम तरिम राजु পরাণ চক্রননী বাবু রাম ধন সু-थुज्छा अ अज्ञाने ये कि सूती भाषन পरिक वर्गना ७ जवाव मीवात निमि ত্তে উকীল বাহাল করিয়া একরার করিতৈছি যে উক্ত উকীল গণ আমার পক্ষে যে কোন এজাহার করিরেক ও যে কোন কাগজ আ-পন ২ দক্ত খতে আমার নামে দাখি-*ল* করিবৈক ও যে কোন দ্যুবিজ ওকাগজ আদ্বিত হইতে কেরত ল ইরেন তাহা আমার সীয় হুতেরনা য় বিরেটনা করাজাইবেক ও সদার্মে আমি वरे उकानउनामा निश्रामिनाम रेवि त्रमार अवार ज्ञारे हेमामी: ৰীপুদ্রিম সরকার সাং ভাড় কোনা

मर्केड

প্রবল প্রতাপেষ্ট্র

১৮৬৬ সালের ৭২নং মোকদ্দ্রার শুনানীর দিন অবধারিত পান্
কায় বাদীর কারপরদাজ হারদে বাদ্রীর পক্ষের নিম্ন লিখিত সাক্ষী
গণকে হা জির করিয়াছে এবং খান্
মি তাহাদিগকে অহা রিপোর্ট সহিত
ছজু রের সম্মুখে হা জির করিতে
ছি ইতি ১৮-৬৬। ২৪ সেতম্বর
সাক্ষীগণেরনাম

মধুমূদনকর অধর নন্দী মধুসূদনকুজু ভাগবত দে রামভারক সেন

বৈনীমাধৰমন্নিক :

न् के

প্ৰবল প্ৰতাপেয় निर्वापन अर्थे त्य १२ नः देन छानि शिकर्षभाग्र প্रजि वानी मंत्रनामात्रीत মানিত ইস্তাহার জারির প্রমাণর নি চের লিখিত সাক্ষীগণকেপ্রতিবাদী নির তরফ মোক্তার হরিশ্চক্র সরকার হাজির আনায় সাক্ষীগণ হজুরে হাজির আশীয়া আপনং দাক্ষ্য আদায় কারণ হজুরে হা-জীর আছে অতএব নিম্নের লিমি-ত সাক্ষীগণকে অহা কৈফিয়তের দারা হজুরে হাজির করিতে ছি গ্রীয়ন্ত মানিক নিরেদ্ন ইতি ১৮-৩৩।-৮ সেতম্বৰ

अभगील नाकी

विज्ञामधनकर्षकात '३ जीशतार्थन ४

नर् २० १२नः एउग्रानि 100006 রোৰকারি আদালতে দেওয়ানি रजना श्वरिंगवर्ष भान বৈঠক প্রীযুত্ত বাবু গোপীনাপব্যু প্রেখান সদ্রামিন রায় বাহাদ্র **मन २৮-७७।७ जानध्या**ति मिगश्री पात्री पात्र**ा**त्री বাদী প্রতিবাদী অদ্য এই ঘোকদ্মা উত্য় পঞ্জের উকিল গণের সাক্ষাও দ্র**পেষ হ**ই-ল যে হেন্তক এই মোকর্দমা চুড়া-ন্ত বিচার জন্য এক দীন খার্য করা আবশাক এমত श्रुप श्रेल

त्य अंडे स्मारुषमात हुए। विवत

क्न आगठ २५ कान अंगित दीन थार्थ करा कांग्र धवर उंग्र भिटकंत उंकील गण आभन २ म-क्कित्वर भिटक श्रमाणादी मध्यर श्रुष्ठ थारकन देवि

ってんりゃ

১৮-৬৬ সালের ৭২নং মোকর্দমায় বাদীনি দিগম্বরি দাসীর
দর পাস্ত

नित्तप्त थहेरा आमि अय जह शक्रीं प्रिलेस शिल प्रिलेस किरिश्रीं । मिनि थहेरा प्रिलेस लश्नि मिष्टिल भामिल इय थह थहे स्मिक्सिंग थे प्रिलेस पृष्टी विठात इय नित्रप्त हेंछि भाषि प्रिक्ति स्मिनी भार खाड़ स्मिनी

রোবকারি আদালতে দেওয়ানি द्याना श्रुकिशन वर्षिमान दिरुक প্রীযুত জেমছ রেনি দাহেব প্রধান সদ্রাঘিন সন ১৮ ৩৩ দাল তারিথ ৩১ আগষ্ট पिशबतिपात्री न वापीनि ममलामानी नीः अर्क्शनी गण অচ্চ এই মোকর্দ্দদা উভয় পক্ষ্যের উকীল গণের সমক্ষ্যায় উপ**স্থিত** रहेशा প্रकाশ হইल य मनना प्रिनी দীগর প্রতিবাদীগণ আপনাদের তরফের বর্ণনা পত্র দাঞ্চিলকরিয়া-ছে এমতে ইশু ধার্য করা আকভক হইয়া নিমের লিখিত ইণ্ড ধার্যই न। ३ इस नानिनी मन्नहीम-কল বাদীনির স্বামীর তেজ্জিল

कि नाज्य विनि जाश शाहेबात अधीकाति किना हेि १। প্রতি बाদी गण बाদी निक्षां छ-বিক বেদখল করিয়াছে ক্রিনাইতি যে হেন্ড উক্ত ইন্ড সকলের প্রমাণ উত্য় পক্ষের স্থাণে ল-ওয়া আৰম্যক (গমতে एकुम रहेन যে উত্যপক্ষের উকীল এক সন্থাহ মধ্যে উক্তইশু সকলের বিশয়ের প্রমাণ দেয় আর এই মোকর্দ্দমা আগত ২৪ **সেত্র্**ধর বিচার জন্য পেষ হয়

すべると

শ্রীযুক্ত ধর্মাক্তারপ্রবলপ্রকাশের নিবেদন

কলিঙ্গা ষ্টেসনের অন্তর্গত মলুয়াগ্রামের একার মোলা সদাই পরাণ মণ্ডল জমীর আলিগাঙ্গী প্রজাগণ মদ্য দিবা ১১ ঘনীর সময় অতিময় কাতরাবস্থায় অ-धीरणत निकरे डेक खेनंत डे পশ্তিত হইয়া উহারা এবং আম মজকুরার ও পার্ম্ববর্তী আমের প্রায় ৬০।৭০ ঘর প্রজা ম্বপরিবারে सर घात धाना ना शाका अयुक २00 मियम रहेटा **उभवामी आ**र्छ। ইদ'সন তাদুশ র্ঘি, না হওয়ায় धानगिष कनन उउमक्ता मा-ক্সার কারণে মহাজন লোক উ

श्मिशक थानगि क किन्दिरादम् अग्र ও আগ্রারাভাবে উহারা সপরিবা-ति आए नसे शुरात मस्य अ-কাশ করিলেক। ধর্মাবতার ইম-अन जापूर्य शानगापि कनल नी জিনিবায় অনেক স্থানে এরপ घरेना अधिन इउसे अउ হওয়া যাইতেছে, মহাজন লোক যাহারা চাসীপ্রতংগ্রহ रक थानगि कर्ज मिया २ रके, তাহারাও ফসল অজনা হও য়াত্তে তাহা কর্জু দেণ্ট্র প-ताजाभ रहेशोरक, १० अवस्त्र रेश्र कान मद्रभाग्र ना इसे एल अ বিষ্যতে আহারা ভাবে প্রাণের शनि । प्रति योगि द्वी इउटात मक्रव विधास मूलाख़ाल निर्विद्धाम

ए जुड़ मालिक निर्वाहम देखि भर्भ ৩৫ সাল ২৫ আকুটাবর আজ্ঞাধীন শ্রীপ্রসরকুমার ঘোষ इनिक्शक्छेत ডি: বসীর হাট मर् ३३ १०१३२ नर १२ तः (५७ श्रो नि त्रम् ७७। जिला श्वरिंश**र**किमात्तर अथान अपूराभिनी आपालएउत না জির প্রতি আগে मिगश्रे विमानी प्रभनामानि पिगत প্রতিবাদী वामीनि

त्य द्खक डेक प्राकर्ममीत्रनाकी

800

गग नमन जाति द्रुश्या न द्रु उ হাজির হয়শাই ও এ মোকদ্মার अनानित पीन भागापि २० नवश्वत তারিখে ধার্য হইয়াছে অতএব নিচের লিখিত সাক্ষী গণের নামিয় ৬ কেতা ইস্তাহার ভোমা-র হাওলা করিয়া তোমাকে লেখা জায় যে এ পরওনা সাক্ষীগণের উপর জারি করিয়া আপন রিটার-न प्राथिन कंत्रिय हे जिनन ३৮ ৩ ৬ | ২ ৪ সেতে ম্বর তপ্সীল গর হাজীর সাক্ষী তর্ফ প্রতিবাদী রামধন চট্টো পাখ্যায় সাংক্রেড়কোনা जीवन हाली शाधाय ना होकी थे হরিশ্চন্দ্র মধ্যোপাস্তায় मेनान हट्य छप्ने हार्य

অন্বিকাটর শ কোজান তা নিতাই চর শ সরকার তা

> নং **১**০০ ধৰ্মীৰতারেষু

নিবেদন এই ইস্তাহার বাহক প্যাদার বাচনিক এ জাহারে প্রকাশ যে সে সপস্থলে গীয়া সেওঁ য়ায় স শ্বর চন্দ্র মুখোপাধ্যায় খৈব্যক্তি ম রিয়াছে ও দিননাম **দঁওঁ বেনামে** সঞ্চর পুর গ্রামে লোকনাই তৎসে ওয়ায় বাকীগণের সদ্র দ্রজায় ঐইস্তাহার লটকাইয়া দিয়া আ-শীয়াছে ও প্যাদা মজকুর ঐ হুকু ম নামা রীত্রমত জারী হওয়ার বিদ য়ে গ্রাম্য চৌকীদারের রসীদ আবিয়া ছে ঐ রলীদ ও জারী নাহওয়া ইক্তা

शर् थरे ति लाता है। ता के जुत्तत श्रुपे कात्रण एत लागे कति छि है हेनि जन ३৮ ७७।३७ नवस्रत

বৈঠক শ্রীযুত জেমত বেলি
সাহেব প্রধান সদর আমিন
জেলা প্রকিংশ বদ্ধানা সন১৮
তেলা প্রকিংশ বদ্ধানা সন১৮
তেলা প্রকিংশ বদ্ধান কারণ
প্রে উচিউ প্রকৃম প্রদান কারণ
শ্রীল শ্রীযুত এডি সনল প্রধান সদর
বাামিরুর সমিপো পাঠান জায়



रिह